हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

हॉकी में भारत का स्वर्णिम दिन

महिला टीम ने 44 साल बाद जीता गोल्ड, चीन को शिकस्त

एशियन गेम्स



- भारतीय टीम ने लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए किया डायरेक्ट क्वालीफाई
- महिला हॉकी टीम ने आखिरी बार एशियन गेम्स में साल 1982 में जीता था गोल्ड
- वर्ष 1998 में टीम ने सिल्वर और 2018 में फाइनल तक का किया था सफर तय

एजेंसी ▶▶| काकामिगाहारा

एशियन गेम्स में भारतीय महिला हॉकी टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 44 साल का सूखा खत्म कर दिया है। फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने चीन को 1-0 से हराकर गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। भारतीय महिला हॉकी टीम ने आखिरी बार एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल साल 1982 में जीता था। वहीं, 1998 में टीम ने सिल्वर और 2018 में भी फाइनल तक का सफर तय किया था। टीम का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में शानदार रहा।

शुक्रवार को मिले 6 गोल्ड



महिला रिकर्व टीम ने जीता गोल्ड



महिला रिकर्व टीम ने 10 बार की ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया को हराकर ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता रिकर्व टीमों के इस शानदार प्रदर्शन से पहले भारतीय कंपाउंड तीरंदाज सभी टीम स्पर्धाओं में स्वर्ण पदकों पर कब्जा कर चुके हैं। भारत ने तीरंदाजी में अब तक कुल सात पदक जीत लिए हैं, जिनमें चार स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य शामिल हैं।

भारतीय मुक्केबाज **लवलीना**



ओलंपिक चैंपियन को हराकर सुजीत ने जीता स्वर्ण



सुजीत कलकल

नागोया। सुजीत कलकल ने पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए शुक्रवार को एशियाई खेलों की कुश्ती प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता और इस दौरान ओलंपिक चैंपियन को भी हराया। सुजीत एक समय 2-9 से पीछे चल रहे थे लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी करते हुए लगातार आठ अंक बनाकर जीत हासिल की।

लवलीना, परवीन और अंकुश ने लगाई गोल्ड की हैट्रिक

निशियो। भारतीय मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) और परवीन हुड्डा (65 किग्रा) और अंकुश पंघाल (80 किग्रा) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई खेलों में अपने वर्ग के फाइनल में जीत से देश के लिए स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई। लवलीना और परवीन ने अपने-अपने फाइनल में जीत दर्ज करते हुए महिला मुक्केबाजी के स्वर्ण के लिए देश का 12 साल का इंतजार खत्म किया। अंकुश ने 80 किग्रा फाइनल में दक्षिण कोरिया के किम मिनसियोंग को 4-0 से हराकर देश के लिए स्वर्ण पदक से अभियान समाप्त किया। भारत ने इस तरह मुक्केबाजी में एशियाई खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए छह पदक जीते, जिसमें तीन स्वर्ण शामिल रहे।

आप नेताओं समेत 700 लोगों को दिल्ली पुलिस ने लिया हिरासत में

सीईसी ज्ञानेश के इस्तीफे को लेकर दिल्ली से मुंबई तक हल्ला बोल

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आर्थिक राजधानी मुंबई समेत देश के कई हिस्सों में चुनाव आयोग और एसआईआर के खिलाफ शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन हुआ। अलग-अलग विपक्षी दल, छात्र संगठन और सामाजिक संगठन ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रोटेस्ट किया। एसआईआर के दौरान वोटर लिस्ट में बदलाव को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

चुनाव आयोग और एसआईआर को लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। शुक्रवार को गांधी जयंती के दिन दिल्ली से मुंबई तक प्रदर्शन किया गया। अलग-अलग विपक्षी दल, छात्र संगठन और सामाजिक संगठन चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और एसआईआर को लेकर सवाल उठाया।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर आम आदमी पार्टी (आप), ऑल इंडिया स्टुडेंट एसोसिएशन (एआईएसए) समेत कई संगठन प्रदर्शन के लिए पहुंचे। इस दौरान उन्हें हिरासत में लिया। दिल्ली पुलिस ने ▶▶|शेष पेज 6 पर



ऐसी कोशिशें सफल नहीं होंगी : फडणवीस

मुंबई में सीजेपी के प्रदर्शन को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि पूरा मामला सामने आ चुका है। तीनों चुनाव आयुक्तों की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद फैलाया जा रहा नैरेटिव बेनकाब हो गया है। इसके बावजूद उसी नैरेटिव को आगे बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। ऐसी कोशिशें सफल नहीं होंगी।

मुंबई के शिवाजी पार्क में जुटे काकरोच

मुंबई में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शिवाजी पार्क में प्रदर्शन किया। फिल्म स्टार नसीरुद्दीन शाह, शबाना आजमी और सीजेपी के प्रदर्शन को समर्थन देने शिवाजी पार्क पहुंचे। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने मुंबई में प्रदर्शन के दौरान सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। दिपके ने कहा- सीईसी ज्ञानेश के इस्तीफे तक आंदोलन जारी रहेगा।

एसआईआर में छूटे नाम जोड़े जाएंगे, 20 राज्यों में चलेगा विशेष अभियान

देशभर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठ रहे हैं। इस बीच चुनाव आयोग ने उन 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 'विशेष अभियान' चलाने का निर्देश दिया है जहां एसआईआर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इसका मकसद मतदाता सूची में छूट गए लोगों के नाम जोड़ना है। सभी मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि इस अभियान के तहत लगातार मतदाता सूची अपडेट करने की प्रक्रिया के जरिए छूटे हुए लोगों और 18 साल की उम्र पूरी कर चुके नए मतदाताओं के नाम जोड़े जाएंगे।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने सरकार से की सिफारिशें

दत्तक या सरोगेसी से मां बनीं तो, 26 हफ्ते की मिलेगी छुट्टी!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

दुनिया के ज्यादातर विकसित देशों की तरह क्या कभी भारत में भी मातृत्व या बाल देखभाल अवकाश को लेकर सरकारी और निजी क्षेत्रों में समानता देखने को मिलेगी? सामाजिक सुरक्षा के दृष्टिकोण से सवाल काफी बड़ा और महत्वपूर्ण है। जिसे समझते हुए राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने शुक्रवार को अपनी सिफारिशें केंद्रीय महिला एवं विकास मंत्रालय (डब्ल्यूसीडी), कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) और श्रम-रोजगार मंत्रालय को सौंप दी हैं। एनसीडब्ल्यू की सिफारिशों के मुताबिक, सरकारी क्षेत्र की तर्ज पर ही निजी ▶▶|शेष पेज 6 पर

सुको ने भी दिया है फैसला

बच्चा गोद लेने वाली महिलाओं को लेकर की गई आयोग की इस सिफारिश का आधार सर्वोच्च न्यायालय का एक फैसला है। जिसके तहत सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 की धारा 60 (4) में संशोधन करने की सिफारिश एनसीडब्ल्यू ने सरकार से की है।



पिकअप-ऑटो की जोरदार भिड़ंत तीन महिलाओं की मौत, छह घायल

- दशगात्र कार्यक्रम से लौटते समय ग्राम साँवारावा के पास हुआ हादसा, पिकअप चालक फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बैकुण्ठपुर



कोरिया जिले के पटना थाना क्षेत्र के ग्राम साँवारावा के पास शुक्रवार को देर रात पिकअप और ऑटो के बीच हुई जोरदार भिड़ंत में तीन महिलाओं की मौत हो गई, जबकि छह महिलाएं घायल हो गईं। हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए पटना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पटना थाना क्षेत्र के करहीपारा छिंदिया गांव की महिलाएं ग्राम बिलारो में आयोजित दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होने गई थीं। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद महिलाएं ऑटो से वापस अपने गांव लौट रही थीं। इसी दौरान ग्राम साँवारावा के पास सामने से आ रहे एक अज्ञात पिकअप वाहन ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि हादसे के समय ऑटो में करीब 15 लोग सवार थे।

दुर्घटना में फुलकुंवर पति महेंद्र सिंह (50), रामबाई पति रामकुमार (60) ▶▶|शेष पेज 6 पर

पिकअप चालक की तलाश में जुटी पुलिस

हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। सूचना पर पटना थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस फरार पिकअप वाहन और उसके चालक की पतासाजी में जुटी हुई है। पुलिस द्वारा दुर्घटना के कारणों और घटनाक्रम की जांच की जा रही है।

अलविदा का समय

आज से मानसून की विदाई, इस सीजन तरबतर रहा छत्तीसगढ़

- तीन महीने सक्रियता दिखाकर अब तेजी से वापस लौट रहा, औसत से 53 मिमी. ज्यादा वर्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ से दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई शनिवार से शुरू होने की संभावना है। इसकी शुरुआत उत्तर



या नी सरगुजा के साथ बिलासपुर और रायपुर संभाग के कुछ हिस्से से हो सकती है। मानसून राज्य में तीन महीने सक्रिय रहा और 1195 मिमी. यानी औसत से 53 मिमी. ज्यादा बरसने के बाद तेजी से वापस लौट रहा है। मानसूनी बादल छंटने की वजह से गर्मी ने अपना असर दिखाना शुरू किया है और दिन का ▶▶|शेष पेज 6 पर

कमजोर शुरुआत, पर सितंबर में जमकर बरसे

राज्य में मानसून का प्रवेश 22 जून हो हुआ था और इसकी शुरुआत कमजोर तरीके से हुई। जून में 66.5 मिमी बारिश हुई, जबकि औसत 193.5 मिमी है। इसके बाद जुलाई में बादल जमकर यानी 494 मिमी बरसे, जो सामान्य 375.5 मिमी से 32 प्रतिशत अधिक था। अगस्त में औसत के करीब यानी 355.3 मिमी पानी बरसा, जो सामान्य 364.2 मिमी का लगभग 98 प्रतिशत था। सितंबर में प्रदेश में 279.3 मिमी बारिश हुई, जबकि सामान्य औसत 208.9 मिमी है, यह सामान्य से 34 प्रतिशत अधिक है।

नमी के कारण गर्मी

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, बारिश भले ही थम गई हो, मगर वातावरण में भारी मात्रा में नमी है। इसकी वजह से 34 डिग्री के तापमान में तेज धूप और भारी गर्मी का अहसास हो रहा है। रात में भी पिछले कुछ दिनों से असहजता बनी हुई है। राज्य में आने वाली वहां की दिशा में बदलाव होने के बाद शुष्कता बढ़ेगी, जिससे आने वाले दिनों में रात का मौसम थोड़ा ठंडक लिए होगा।



गांधी शांति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष कुमार प्रशांत से डॉ. हिमांशु द्विवेदी का सार्थक संवाद

गांधी को सिर्फ याद करने से नहीं, उनके रास्ते पर चलने से निकलेगा समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

गांधी शांति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष कुमार प्रशांत का कहना है कि महात्मा गांधी की जयंती पर उनको सिर्फ याद करने से कुछ नहीं होने वाला है। किसी भी समस्या का समाधान चाहिए तो उनके रास्ते पर चलना पड़ेगा। गांधी जयंती के खास मौके पर हरिभूमि और आईएनएनएच के प्रधान संपादक डा. हिमांशु द्विवेदी ने उनके साथ सार्थक संवाद किया। पेश हैं प्रमुख अंश-

- लोग कहते हैं कि गांधी आज भी जिंदा है विचारों में। अब जब समय इतना गुजर गया, यह वाकई में ही जिंदा है या व्यवहार में भी अब जिंदा देख रहे हैं गांधी को?

- जो आदमी 157 साल पहले पैदा हुआ, यानी अगर गांधी जी आज होते तो 157 साल के होते। 157 साल के किसी आदमी को देखा है आपने? मैंने तो नहीं देखा है। तो मैं जितना ह्यूमन फिजियोलॉजी समझता हूं, 157 साल का आदमी अपने किसी काम का नहीं होगा। तो अगर महात्मा गांधी भी आज होते, तो अपने कितने काम के होते मुझको मालूम नहीं है। लेकिन हम लोग गांधी जी के बारे में बात ऐसे करते हैं, सुधांशु बात ऐसे करते हैं, जैसे आज ही मिले हैं। आज की ही तो बात है। हर संदर्भ में वह नए तरह से हमारे सामने आते हैं। तो अगर वह सिर्फ इतिहास में जिंदा होता, तब हमारे वर्तमान में इतना जीवित होकर उपस्थित नहीं हो सकता। इसलिए 30 जनवरी 1948 को



जो गोली लगी, वह गांधी नाम के एक आदमी को गोली लगी। आदमी की को गोली लगे तो वह मर जाता है, और हर मृत्यु के साथ उस आदमी की कहानी खत्म हो जाती है। इस आदमी के साथ बात कुछ अलग हो गई है कि ऐसा लगता है जैसे उस दिन से उसकी कहानी नए तरह से शुरू हो गई है। और होते हुए हम हमारे-तुम्हारे तक पहुंच गई है। यह इसीलिए हो रहा है कि गांधी विचार में जिंदा हैं, कर्म में जिंदा हैं, इतिहास में जिंदा हैं, वर्तमान में जिंदा हैं, इसका भेद मिट गया है।

गांधी हम उन सब लोगों के बीच में जिंदा हैं जो आज के बारे में चिंतित हैं, आज के बारे में सोचते हैं और आज से कुछ अच्छा बने, इसकी कल्पना करते हैं। ▶▶|शेष पेज 6 पर

बिजली बिल का नहीं निकला समाधान, पंजीयन कराया पर पैसा जमा नहीं किया, ऐसे पांच लाख आवेदक

प्रदेश में 8 लाख से ज्यादा का योजना में पंजीयन

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

प्रदेश के करीब नौ लाख उपभोक्ताओं के बकाया बिल का निराकरण करने के लिए प्रदेश में मुख्यमंत्री बिजली बिल बकाया भुगतान समाधान योजना चलाई गई। इस योजना में आठ लाख से ज्यादा उपभोक्ताओं ने पंजीयन तो जरूर कराया, लेकिन पंजीयन कराने के बाद भी पांच लाख से ज्यादा उपभोक्ता ऐसे हैं जो अपना बकाया अब जमा ही नहीं कर रहे हैं। पॉवर कंपनी को पंजीयन शुल्क के साथ ही बकाया राशि को मिलाकर पॉवर कंपनी को 110 करोड़ मिल गए हैं। लेकिन इसी के साथ उपभोक्ताओं के सरचार्ज के 700 करोड़ से ज्यादा माफ भी किए गए हैं। आने वाले समय में पंजीयन कराने वाले उपभोक्ताओं ने अगर अपना बकाया जमा नहीं किया तो नियमानुसार इसकी बिजली भी कट होगी।

प्रदेश में करीब 9 लाख उपभोक्ता ऐसे थे जिन पर डेढ़ हजार करोड़ से ज्यादा का बकाया था, इनके लिए मुख्यमंत्री समाधान योजना का प्रारंभ मार्च से किया गया था। पहले यह योजना 30 जून तक चली, इसके बाद इसको सितंबर तक बढ़ाया गया। इसके लिए पहले दस फीसदी पंजीयन शुल्क जमा करना जरूरी रखा गया था, लेकिन इसको बाद में कम करके पांच फीसदी कर दिया गया। ऐसा करने के पीछे का कारण यह था कि सभी उपभोक्ताओं के बिजली बिल बकाया का समाधान हो सके। उपभोक्ताओं ने पंजीयन कराने का तो पूरा लाभ उठाया और पंजीयन कराने के कारण उनका सरचार्ज भी माफ हो गया, लेकिन अब उपभोक्ता बकाया जमा करने से बच रहे हैं।

बीपीएल को डबल राहत

योजना में बीपीएल वर्ग के उपभोक्ताओं को डबल राहत दी गई। पहली राहत तो जिन उपभोक्ताओं का कनेक्शन 31 मार्च 2023 के पहले कट हो गया है उनको सरचार्ज में पूरी छूट के साथ ही मूल राशि में भी 75 फीसदी की छूट दी गई। इसी के साथ जिन भी बीपीएल वर्ग के उपभोक्ताओं का कनेक्शन सक्रिय है, पर उन पर हजारों या फिर लाखों का बकाया है उनको भी इस योजना में राहत दी गई है। ऐसे उपभोक्ता जिन पर बकाया राशि पांच साल से ज्यादा समय से बाकी है, उसको मूल राशि में भी 75 फीसदी की छूट दी गई है। इसी के साथ जिन का बकाया एक से पांच साल के बीच है, उनको मूल राशि में 50 फीसदी छूट दी गई है।

एपीएल को दस फीसदी छूट

सामान्य वर्ग के उपभोक्ताओं को बकाया पर मूल राशि में दस फीसदी की छूट उस स्थिति में दी गई जब वे सारा बकाया एक साथ जमा करेंगे। अगर तीन किस्तों में बकाया किया जाएगा तो पांच फीसदी की छूट मिलेगी। छह किस्तों में बकाया जमा करने की भी सुविधा मिलेगी, लेकिन इसमें कोई छूट नहीं मिलेगी।

ओडिशा में गांजे की अवैध खेती पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने विस में प्रश्न उठाने की मांग

रायपुर। इंदिरा गांधी वार्ड के नहरपारा विकास समिति के पदाधिकारियों ने ओडिशा में गांजे की खेती पर प्रतिबंध लगाने और पूरे देश में तस्करी रोकने के लिए विस में प्रश्न उठाने की मांग विधायक पुरंदर मिश्रा से की है। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष, पूर्व पार्षद रमेश आहूजा तथा महामंत्री किशोर



'आकाशगंगा' पैराशूट जंप से दिखाएगी कौशल, 100 से अधिक वायुसेना अधिकारी-जवान होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर



राज्योत्सव को अविस्मरणीय अनुभव बनाने के लिए 2 नवंबर को नवा रायपुर के आसमान में भारतीय वायुसेना के शौर्य, साहस और अद्भुत कौशल का रोमांचकारी प्रदर्शन होगा। भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध 'सारंग' हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम छह हेलीकॉप्टरों के साथ रोमांचकारी एयरोबेटिक शो प्रस्तुत करेगी। इसके साथ ही वायुसेना के तीन अन्य हेलीकॉप्टर भी कार्यक्रम में शामिल होकर अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करेंगे। वहीं भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध 'आकाशगंगा' पैराशूट डिस्प्ले टीम के सदस्य आसमान से पैराशूट जंप कर हैरतअंगेज करतब दिखाएंगे। इस भव्य आयोजन में भारतीय वायुसेना के 100 से अधिक अधिकारी एवं जवान शामिल होंगे। वायुसेना के अधिकारियों ने बैठक में बताया कि 'सारंग' छह हेलीकॉप्टरों के साथ इस तरह का रोमांचकारी एयरोबेटिक प्रदर्शन करने वाली विश्व की इकलौती हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम है। सारंग के हेलीकॉप्टर बेहद सटीक तालमेल के साथ अलग-अलग फॉर्मेशन बनाते हुए आसमान में रोमांचकारी कलाबाजियां प्रस्तुत करेंगे।

भारतीय वायुसेना की सारंग टीम स्वदेशी एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर 'ध्रुव' के माध्यम से अपने कौशल का प्रदर्शन करती है।

'सारंग' का अर्थ मोर है और टीम के हेलीकॉप्टरों की आकर्षक रंग-सज्जा भी मोर की थीम से प्रेरित है।

सारंग टीम देश के साथ अंतरराष्ट्रीय एयर शो में भी भारतीय वायुसेना के पायलटों की दक्षता, अनुशासन और उत्कृष्ट समन्वय के साथ भारत की स्वदेशी विमानन क्षमता का प्रदर्शन करती रही है।

खबर संक्षेप

बस्तर बाढ़ से तबाह, सरकारी मदद केवल खानापूर्ति : बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, बस्तर बाढ़ से तबाह हो गया है। लोगों के मकान, सामान, पशुधन, फसल सब बर्बाद हो गए। अनेकों मार्ग का संपर्क टूट गया, पुल-पुलिया, सड़क सभी कुछ टूटकर बर्बाद हो गया है। जनजीवन ठप हो गया है। इतना सब होने के बाद सरकारी मदद केवल खानापूर्ति के अलावा कुछ नहीं है। श्री बैज ने कहा कि दुर्भाग्यजनक है कि मुख्यमंत्री बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने बस्तर आए, लेकिन वे केवल औपचारिकता निभाकर पुल पर खड़े होकर फोटो खिंचवाकर, रील बनवाकर चले गए। मुख्यमंत्री का दौरा बेहद ही संवेदनहीन रहा। मुख्यमंत्री ने बाढ़ से हुए नुकसान और परेशानी को गंभीरता से नहीं लिया। ऐसा लगा कि मुख्यमंत्री नहीं, कोई पर्यटक आया था, जो फोटो खिंचवाया और चला गया। यहां से जाने के बाद उन्हें सिंगापुर जाने की जल्दी थी। वे इन्वेस्टर कनेक्ट के बहाने सिंगापुर घूमने की तैयारी करने चले गए। बस्तर का आम आदमी परेशान है, न मुख्यमंत्री को फ्रिक है और न ही मंत्रियों को। बाढ़ से आठ लोगों की मौत हुई, उनके लिए भी मुख्यमंत्री ने कोई विशेष सहायता की घोषणा नहीं की।

एलटीटी-सांतरागाछी के बीच चलेगी पूजा स्पेशल ट्रेन,चार-चार फेरे की मिलेगी सुविधा

रायपुर। आगामी त्योहारों के दौरान ट्रेनों में बढ़ने वाली यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने एलटीटी, लोकमान्य तिलक टर्मिनस सांतरागाछी-एलटीटी के बीच पूजा स्पेशल साप्ताहिक ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। ट्रेन दोनों दिशाओं में चार-चार फेरे लगाएगी। इससे मुंबई, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के बीच त्योहार के दौरान यात्रा करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त विकल्प मिलेगा।गाड़ी संख्या 01107 एलटीटी-सांतरागाछी पूजा स्पेशल 6 से 27 अक्टूबर तक प्रत्येक मंगलवार को एलटीटी से चलेगी। वहीं गाड़ी संख्या 01108 सांतरागाछी-एलटीटी पूजा स्पेशल 8 से 29 अक्टूबर तक प्रत्येक गुरुवार को सांतरागाछी से रवाना होगी। एलटीटी से सांतरागाछी जाने वाली ट्रेन दूसरे दिन गोंदिया में 12.04 बजे, दुर्ग में 14.15 बजे, रायपुर में 14.55 बजे, बिलासपुर में 16.45 बजे और रायगढ़ में 18.33 बजे पहुंचेगी। इसके बाद ट्रेन तीसरे दिन सुबह 5 बजे सांतरागाछी पहुंचेगी। वापसी में सांतरागाछी से चलने वाली ट्रेन रायगढ़ में 20.08 बजे, बिलासपुर में 22.25 बजे, रायपुर में अगले दिन 00.05 बजे, दुर्ग में 1.10 बजे और गोंदिया में 3.08 बजे पहुंचेगी। इसके बाद रात 21.30 बजे एलटीटी पहुंचेगी। पूजा स्पेशल ट्रेन में कुल 22 एलएचबी कोच होंगे। इसमें 15 एसी-थर्ड, 3 एसी-सेंकड 1 एसी-फस्ट , 1 पेंट्रीकार और 2 पावरकार शामिल हैं।

महानदी, अरपा, खारुन समेत छह नदियों में आकर मिलने वाले शहरी नालों की सूची 9 माह में नहीं बना पाए अफसर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

9 महीने बाद भी स्थिति जस के तस

जनवरी 2026 में दिए गए इन सख्त निर्देशों के बाद से लेकर अब तक (अक्टूबर 2026 यानी लगभग 9 महीने बीत जाने के बाद भी) नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा न तो नालों की कोई सूची उपलब्ध कराई गई है और न ही एसटीपी की कोई अद्यतन जानकारी प्रस्तुत की जा सकी है।

छत्तीसगढ़ की प्रमुख छह नदियों महानदी, अरपा, खारुन, केलो, शिवनाथ और हसदेव में शहरी नालों का गंदा पानी आकर मिलता है। इन नालों की एक सूची बनाई जानी थी, साथ ही नालों का गंदा पानी रोकने एसटीपी (सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट) बनाए जाने थे।

खास बात ये है कि 9 महीने पहले रिवर रिजुवेशन कमेटी की बैठक में इसके निर्देश दिए गए थे, लेकिन काम करना तो दूर, जो जानकारी मांगी गई थी, वह आज तक उपलब्ध नहीं कराई गई। खास बात ये है कि यह काम ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा पारित आदेश के क्रियान्वयन में किया जाना है।

- रिवर रिजुलेशन कमेटी की बैठक में मांगा गया था ब्योरा
- सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाने की कार्ययोजना भी नहीं बनाई



अब अपनाया कड़ा रुख, मांगी रिपोर्ट

इस लंबी सुस्ती और विलंब पर अब संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास ने कड़ा रुख अपनाते हुए प्रदेश के सभी नगर निगमों के आयुक्तों और नगरपालिका परिषद के सीएमओ को नया स्मरण पत्र जारी किया है। पत्र में साफ किया गया है कि कमेटी के निर्देशों के विपरीत अब तक जानकारी न देना गंभीर लापरवाही है और अब सभी निकायों को तत्काल कार्य के विवरण के तहत निर्धारित प्रारूप में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।

ये है मामला

अब से 9 माह पहले 7 जनवरी 2026 को आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव की अध्यक्षता में रिवर रिजुलेशन कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई थी। इस दौरान स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि छत्तीसगढ़ की चिन्हित छह प्रमुख नदियों महानदी, अरपा, खारुन, केलो, शिवनाथ और हसदेव में मिलने वाले सभी शहरी नालों को सूचीबद्ध किया जाए। साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा गया था कि इन नालों के ट्रीटमेंट के लिए लगाए जाने वाले एसटीपी पर्याप्त हैं या नहीं। निर्देश में यह भी कहा गया था कि जिन नालों में एसटीपी की आवश्यकता है, उनका जीआईएस मैप के साथ पूरा ब्योरा और कार्ययोजना प्रस्तुत की जाए। इसके अलावा जिन स्थानों पर एसटीपी पहले से बन चुके हैं और उनका उपयोग कम हो रहा है, उन्हें पूरी तरह क्रियाशील बनाने की कार्ययोजना भी मांगी गई थी।

तीन तालाबों के कायाकल्प पर फूंके 44 करोड़, फिर भी नहीं सुधरी सरोवर-धरोहर की दुर्दशा

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

रायपुर स्मार्ट सिटी और नगर निगम की प्रयोगशाला बने कटोरा तालाब, बूढ़ातालाब और रायपुरा का बघवा तालाब

सरोवर हमारी धरोहर का स्लोगन भले ही सुनने में पढ़ने में अच्छा लगता हो, पर सालों से शहर की ऐतिहासिक पहचान, दैनिक दिनचर्या का अंग बने तालाबों को संवारने तथा जलस्तर सुधारने के मामले में नगर निगम और रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड चूक गई। एक तरफ आम जनता के गाढ़ी मेहनत की कमाई के पैसे से मिले सरकारी टैक्स से अलग-अलग चरण में योजना बनाकर शहर के बूढ़ातालाब, कटोरा तालाब और रायपुरा के विप्रनगर स्थित बघवा तालाब की सफाई, गहरीकरण, सौंदर्यीकरण की योजना बनाकर काम किया गया, वहीं देखरेख के अभाव में करोड़ों खर्च कर बनाई गई योजना कुछ ही समय बाद तालाबों की भव्यता के दावों की पोल खोलते नजर आ रही है। चाहे वह शहर का ऐतिहासिक बूढ़ातालाब हो, जहां तालाब से नीलाभ गार्डन के बीच स्थापित 5 करोड़ का म्यूजिकल फाउंटेन या फिर रोप वे, लेजर लाइट शो और बोटिंग की सहूलियत का कहीं अता-पता नहीं है। कटोरा तालाब की कमोबेश यही स्थिति है, जहां तालाब के चारों ओर की रंगबिरंगी लाइटों में से अधिकांश बंद पड़ी हैं। तालाब की सफाई, सौंदर्यीकरण का भी बुरा हाल है। बघवा तालाब के सरहदी दीवार तो पहली बारिश में भरभरा कर गिर गई। वहां की एक तरफ की लाइटें बंद पड़ी हैं, गार्डन और जिम इक्विपमेंट बस नाम के रह गए। हालत ये है कि एक बार काम पूरा होने के बाद विभागीय अफसर दोबारा झांकने नहीं आए कि तालाबों की हालत क्या है? सबसे बड़ा सवाल इससे जनता को क्या मिला ? इसी तरह शहर से लगे अवंति विहार क्षेत्र के शीतला तालाब में जीर्णोद्धार के नाम पर अब 4:50 करोड़ की योजना लाई जा रही है, जिसे एक दिन पहले एमआईसी ने हरी झंडी दी है।

शहर के सिविल लाइंस वार्ड स्थित कटोरा तालाब के बारे में ऐतिहासिक पृष्ठभूमि ये है कि कटोरे जैसी संरचना के चलते इस तालाब का नाम कटोरा तालाब प्रचलित हुआ। यह तालाब ऊपर से गोल और कटोरे की भांति गहरा बना हुआ है। ब्रिटिश शासन के दौरान रायपुर को प्रशासनिक केंद्र बनाया गया, तब कटोरा तालाब के समीप का क्षेत्र सिविल लाइंस के रूप में विकसित हुआ। यहां अधिकारियों के आवास और प्रशासनिक भवन तथा चौड़ी सड़कें बनाई गईं। राज्य बनने के बाद शहर के सबसे प्रमुख व पॉश व्यावसायिक एवं आवासीय इलाकों में से एक है। शहरीकरण के दौर में जब तालाब में गंदगी और गाद जमा होने लगी, तब रायपुर नगर निगम और प्रशासन द्वारा इसके संरक्षण की योजना बनाई गई। रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड और नगर निगम ने 2017-18 में कटोरा तालाब के सौंदर्यीकरण की योजना लाकर तालाब के चारों ओर पक्के वॉकिंग ट्रैक, लाइट, फौवारे लगवाए, हरियाली और बैठने की व्यवस्था कर इसे सुंदर शहरी पार्क का रूप दिया। इसके संपूर्ण जीर्णोद्धार , रिटेनिंग वॉल निर्माण, लाइटिंग, ओपन जिम और फौवारा स्थापित करने में 4 करोड़ खर्च किए, पर देखरेख के अभाव में तालाब में लगाया गया फौवारा अरसे से बंद पड़ा है। तालाब के पानी में गाद की मोटी परत जमा है। तालाब के चारों ओर बनाए गए वॉकिंग पाथवे के कई पेवर ब्लाक उखड़ गए, ओपन जिम और बच्चों के झूले टूट-फूट होने के बाद सुधारे नहीं गए।न तो निगम मुखयालय और न ही संबंधित जोन के अफसर दोबारा यहां की दशा देखने आए। कुल मिलाकर तालाब की भव्यता फीकी पड़ गई।

ITSA HOSPITALS

बीमारी अचानक नहीं आती।

ये नंबर पहले चेतावनी देते हैं।

क्या जांचें	सामान्य (ठीक है)	सावधानी (ध्यान दें)	खतरा (डॉक्टर से मिलें)
बी.पी.	<120/80	120–130/80–85	>130/85
HbA1c	<5.7	5.7–6.4	≥6.5
एल.डी.एल.-मी	<100	100–130	>130
वॉकिंग	>30 मिनट/दिन	10–30 मिनट/दिन	<10 मिनट/दिन
Lp(a)	<30	—	>30
बी.एम.आई.	<23	23–28	>28

समय पर जांच · सही समय पर कदम · बेहतर स्वास्थ्य · सुरक्षित भविष्य



डॉ. अक्षत जैन
MBBS, MD मेडिसिन
DM कार्डियोलॉजी (CGMC, मुंबई)
कंसल्टेंट इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट
12+ वर्षों का क्लिनिकल अनुभव

आज की छोटी जांच, कल की बड़ी सुरक्षा।

इट्सा हॉस्पिटल्स, अम्बुजा सिटी सेन्टर मॉल के पास, सड्डू, रायपुर, छ.ग.
0771 4800000, 7880 110000
www.itsahospitals.com

पहले अनुबंधित एजेंसी के डाक्टर हॉस्पिटल जाकर करते थे संबंधित मरीजों की पुष्टि

कॉल फीडबैक के भरोसे आयुष्मान का ऑडिट डेढ़ साल से नॉन मेडिको संभाल रहे काम

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

अब क्लेम के बाद मरीजों से लिया जाता है किए गए उपचार का फीडबैक, होती है गड़बड़ी

इलाज पाने वाले मरीजों से फोन कॉल पर मिलने वाले फीडबैक के भरोसे आयुष्मान योजना में निजी अस्पतालों से आने वाले क्लेम ऑडिट का काम चल रहा है। पहले यह प्रक्रिया विभाग से अनुबंधित टीपीए कंपनी के डॉक्टर संबंधित अस्पताल पहुंचकर पूरी करते थे, जिसकी वजह से फर्जी क्लेम के मामले सामने नहीं आते थे। डेढ़ साल से नया अनुबंध नहीं होने की वजह से काम स्वास्थ्य विभाग के जिला स्तर की नॉन मेडिको टीम कर रही है, जिससे उपचार में गड़बड़ी की आशंका बढ़ी हुई है।

दो दिन पहले स्टेट नोडल एजेंसी की टीम ने विभिन्न जिलों में निजी अस्पतालों की जांच कर 17 को आयुष्मान हितग्राहियों के इलाज के नाम पर गड़बड़ी के मामले में जांच के दायरे में लाया है। दस्तावेजों की जांच में कुछ हास्पिटलों में बड़ी गड़बड़ी उजागर होने पर योजना से निलंबन, जुर्माना के अलावा अन्य तरह की कड़ी कार्रवाई किए जाने की चर्चा है। इस बारे में योजना से जुड़े जानकारों का तर्क है कि आयुष्मान ऑडिट की लचर व्यवस्था के कारण इस तरह की गडबड़ी भारी पैमाने पर हो रही है। वर्तमान में हास्पिटलों से आने वाले क्लेम की वास्तविकता का पता लगाने जिला स्तर पर बैठी जांच टीम फोन पर मिलने वाले फीडबैक को आधार बनाती है। फोन धारक के संतोष अथवा असंतोष को क्लेम के पास अथवा रिजेक्शन के लिए आधार बनाया जाता है। ऐसे में गड़बड़ी की आशंका काफी होती है। तर्क है कि यह काम पहले विभाग द्वारा तय की जाने वाले थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर (टीपीए) की टीम करती थी। टीम में न्यूनतम एमबीबीएस डॉक्टर नियुक्त होते थे, जो अस्पतालों में जाकर हितग्राहियों के इलाज और वास्तविक स्थिति का पता लगाते थे। इस दौरान किसी तरह की कमी मिलने पर संबंधित अस्पतालों से उसे सुधार करने कहा जाता था अथवा क्लेम का प्रोसेस ही नहीं किया जाता था। पिछले डेढ़ साल से यह काम जिला स्तर की निगरानी टीम कर रही है, जिसमें ज्यादातर लोग डॉक्टरी पेशे से नहीं हैं। टीम इलाज के बाद आने वाले क्लेम के आधार पर फोन के माध्यम से मरीजों की पहचान करती है और कई बार चूक हो जाती है। आयुष्मान योजना में इलाज के नाम पर गड़बड़ी करने के मामले में दो साल पहले यानी जुलाई 2024 के दौरान 48 अस्पतालों पर कार्रवाई की गई थी। राजधानी समेत अन्य जिलों के 11 अस्पतालों पर बड़ा जुर्माना लगाया गया था। जांच के दौरान पता चला था कि हितग्राहियों से कार्ड ब्लॉक करने के अलावा अतिरिक्त राशि, सामान्य मरीजों का आईसीयू में इलाज तथा गलत पैकेज बताकर मरीजों का इलाज करने जैसा मामला शामिल था। इस बार भी कुछ इसी तरह की कार्रवाई किए जाने की उम्मीद है।

आईएमए की मीटिंग, गड़बड़ी पर रोष

निजी अस्पतालों में संदिग्ध क्लेम के मामले में स्टेट नोडल एजेंसी की टीम द्वारा की गई कार्रवाई के बाद इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पदाधिकारियों की बैठक हुई।

बिलासपुर

शनिवार 3 अक्टूबर 2026

आश्विन कृष्ण पक्ष सप्तमी

वर्ष : 26, अंक : 193

पृष्ठ : 10+6 = 16 मूल्य : 4.00***

मौसम

अधि. 34.0

न्यून. 25.2

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बुजुर्ग के शव को ले जाने एंबुलेंस नहीं आया, पॉलीथिन में लपेटकर कंधे पर डाला



अलग खबर

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

- बदहाल सिस्टम की पोल खुली
- 5 दिन पहले घर से लापता बुजुर्ग का शव पेड़ पर लटका मिला

गरियाबंद जिले के आदिवासी विकासखण्ड मैनपुर क्षेत्र में मैनपुर से महज 6 किमी दूर बरदुला के जंगल से शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने फिर घर तक छोड़ने के लिए एंबुलेंस नहीं मिला। लिहाजा परिजन बांस बल्ली के सहारे शव को बांधकर अंतिम संस्कार के लिए ले गए। यहां एक विशेष पिछड़ी कमार जनजाति के ⏭शेष पेज 6 पर

किरंदुल में निकलने वाले खनिज कचरे का खेती में इस्तेमाल पर प्रयोग

कच्चा माल, पक्का इलाज...लौह अयस्कों का कचरा भी फूंकेगा धान-गेहूं और सब्जी की फसल में जान

खदानों से निकलने वाले लौह अयस्क की प्रोसेसिंग के बाद निकलने वाला खनिज कचरा भी क्या धान, गेंहू या सब्जी की खेती के लिए किसी काम का हो सकता है। पहले शायद कभी ये सोचा नहीं गया होगा, लेकिन अब सोच से आगे की बात ये है कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने इस पर शोध किया और उत्साहजनक नतीजे सामने आने के बाद बकायदा इस पर प्रयोग भी शुरू कर दिया। छत्तीसगढ़ के लिहाज से ये खास बात है कि यह प्रयोग राज्य के दंतेवाड़ा जिले के किरंदुल में किया जा रहा है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर



भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद यानी आईसीएआर के भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली और आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया ने इस दिशा में एक समझौता किया है। दोनों संस्थान अब लौह अयस्क अवशेषों यानी के कृषि उपयोग पर लंबे समय तक वैज्ञानिक अध्ययन करेंगे। इसके शुरुआती प्रयोगों में से कुछ किरंदुल स्थित आर्सेलर मित्तल की खनिज परिष्करण सुविधा के आसपास किए गए हैं। आईसीएआर के मुताबिक, इन शुरुआती प्रयोगों में धान, गेहूं और ⏭शेष पेज 6 पर

धान में क्या मिला?

आईसीएआर ने कहा है कि किरंदुल के पास किए गए शुरुआती प्रयोगों में धान, गेहूं और सब्जियों में संभावित उपयोगिता के उत्साहजनक संकेत मिले हैं। लेकिन संस्थान ने अभी कोई ऐसा आंकड़ा जारी नहीं किया है, जिससे यह कहा जा सके कि इससे धान का उत्पादन कितने प्रतिशत बढ़ा या किसान की आय कितनी बढ़ सकती है। इसलिए फिलहाल यह कहना ज्यादा सही होगा कि "शुरुआती प्रयोगों में संभावनाएं दिखाई दी हैं, अब उनका वैज्ञानिक सत्यापन होगा।"

लौह अयस्क अवशेष हैं क्या?

लौह अयस्क को खदान से निकालने के बाद उसमें से उपयोगी लौह तत्व अलग करने के लिए बेनिफिएशन यानी खनिज परिष्करण की प्रक्रिया अपनाई जाती है। इस प्रक्रिया के बाद बारीक खनिज सामग्री का एक हिस्सा बचता है, जिसे आयरन ओर टैलिंग्स कहा जाता है। किरंदुल जैसे बड़े लौह अयस्क क्षेत्र में इस तरह के अवशेषों का प्रबंधन अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। अब पहली बार इसी तरह के अवशेषों के कृषि उपयोग की संभावना को व्यवस्थित वैज्ञानिक अध्ययन के दायरे में लाया जा रहा है।

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

गृहमंत्री शाह आज से रहेंगे 4 राज्यों के दौरे पर



नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 3 से 5 अक्टूबर के बीच मध्य प्रदेश, तेलंगाना, मेघालय और मिजोरम के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह अलग-अलग सरकारी कार्यक्रमों में शामिल होकर कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

अमरावती : ट्रक-पिकअप वैन की टक्कर, 7 मौतें

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में समृद्धि हाईवे पर शुक्रवार को भीषण सड़क हादसा हुआ। यहां तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से पिकअप वैन को टक्कर मार दी। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, पिकअप में श्रद्धालु देवी दुर्गा की प्रतिमा लेकर जा रहे थे। पिकअप की रफ्तार कम थी और उसके पीछे ट्रॉली लगी हुई थी।

दिवाली से पहले आएगी पीएम किसान की 24वीं किस्त!



नई दिल्ली। देश के करोड़ों अन्नदाताओं (किसानों) के लिए इस बार की दिवाली बेहद खास और खुशियों भरी होने वाली है! केंद्र सरकार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 24वीं किस्त दिवाली के त्योहारी सीजन से पहले यानी इसी अक्टूबर 2026 के महीने में ही जारी करने की तैयारी कर रही है।

बीजेपी राज्यसभा सांसद को हाईकोर्ट का समन

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट ने शुक्रवार को बीजेपी के राज्यसभा सांसद राजेश शुक्ल को समन जारी किया है। दरअसल, कांग्रेस नेता तुषार चौधरी ने आपराधिक मामलों की जानकारी छिपाने के आरोप में शुक्ला के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। अदालत में याचिकाकर्ता की ओर से एआईसीसी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सीनियर एडवोकेट शक्तिसिंह गोहिल और उनके सहयोगी चिंतनभाई चंपानेरी ने इस मामले की जोरदार पैरवी की।

हिंदुस्तान खरीदेगा 114 और राफेल



नई दिल्ली। भारत की 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने की योजना आगे बढ़ रही है। डिफेंस सेक्रेटरी राजेश कुमार सिंह ने कहा कि इस प्रोजेक्ट पर इस वित्त वर्ष के अंत तक फैसला हो सकता है। अभी कंपनियों से मिले प्रस्तावों की जांच की जा रही है।

30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाइट के कॉकपिट में हुई थी चाकूबाजी

◆ भारतीय पायलट ने जांबाजी से प्लेन हाईजैक होने से बचाया था

फ्लाइट हाईजैक को यूएई ने बताया 'टेरर एक्ट' हमारे स्मित की बहादुरी को किया सलाम

एजेंसी ⏭ दुबई

यूएई के राष्ट्रपति के वरिष्ठ सलाहकार अनवर गर्गश ने फ्लाईदुबई विमान को हाईजैक करने की कोशिश को आतंकवाद की घटना बताया है। यह पहली बार है जब अमीरात की ओर से इस घटना को आतंकवाद के तौर पर बताया गया है। अनवर गर्गश ने फ्लाईदुबई की तेल अवीव जा रही फ्लाइट को हाईजैक करने की कोशिश के दौरान भारतीय पायलट स्मित मच्छार की बहादुरी की सराहना की।

यूएई के राष्ट्रपति के वरिष्ठ सलाहकार गर्गश ने कहा कि फ्लाईदुबई के भारतीय पायलट स्मित मछार हर तरह की सराहना के हकदार हैं, क्योंकि उन्होंने आतंकवादी घटना और संभावित दुर्घटना के सामने साहस और जिम्मेदारी का परिचय दिया। गर्गाश ने कहा कि सबसे कठिन परिस्थितियों में उनकी प्रोफेशनलिज्म और नैतिक समझ उन्हें एक सच्चा हीरो बनाती है। उन्होंने कहा कि जो हुआ, उसे आसान तरीके से कम करके आंकने या साजिश के सिद्धांतों को अपनाने और बढ़ावा देने के बजाय, चरमपंथ और आतंकवाद के खतरों से निपटने के लिए सतर्कता और सावधानी जरूरी है।

अनवर गर्गश ने लिखा पोस्ट

अनवर गर्गश ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'फ्लाईदुबई के भारतीय पायलट स्मित माथुर हर तरह की तारीफ के ⏭शेष पेज 6 पर





यूएई ने दिए जांच के आदेश

दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट के कॉकपिट में हुई घटना को लेकर यूएई ने जांच शुरू की है। यूएई के अटॉर्नी जनरल डॉ. हमद सैफ अल शम्सी ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए थे। मामले की जांच के लिए एक स्पेशलाइज्ड पब्लिक प्रॉसिक्यूशन टीम बनाई गई है।

यह है मामला

बता दें कि दुबई से तेल अवीव की उड़ान के दौरान 30 सितंबर की घटना में मच्छर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। कॉकपिट में हुई बहस के बाद फ्लाइट का रास्ता बदलकर सऊदी अरब के तबुक की ओर कर दिया गया; विमान के सुरक्षित उतरने से पहले यात्रियों और क्रू ने बीच-बचाव किया। इस उड़ान में 174 यात्री और क्रू के आठ सदस्य सवार थे।

'हनुमान चालीसा पढ़ते हुए कॉकपिट का दरवाजा खोला'

फ्लाईदुबई की दुबई-तेल अवीव फ्लाइट में को-पायलट के हमले में घायल भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से वीडियो कॉल पर बात की। इस दौरान पीएम मोदी ने उनकी हिम्मत, सूझबूझ और मुश्किल वक्त में संयम बनाए रखने की तारीफ की। पीएम मोदी ने कहा कि पूरा देश उनके लिए प्रार्थना कर रहा है। बातचीत के दौरान कैप्टन स्मित ने बताया, फ्लाइट में उस डरावने वक्त के दौरान भी वह हनुमान चालीसा पढ़ रहे थे। उन्होंने कहा कि उनके मन में बस यही था कि वह किसी को मरने नहीं दे सकते। उन्होंने कहा कि उन्हें काफी चोटें लगी थीं, लेकिन उन्होंने खुद से कहा कि उन्हें उठकर कुछ करना होगा। उस वक्त वह अपनी जिंदगी के लिए लड़ रहे थे। स्मित ने बताया कि वह गिर गए थे, लेकिन उन्हें एहसास था कि अगर वह नहीं उठे तो उनकी मौत हो जाएगी।

जवान की गोली लगने से मौत आत्महत्या या कुछ और? जांच पर अड़े परिजन, शव के साथ प्रदर्शन



हरिभूमि न्यूज ⏭ रामानुजनगर

- निष्पक्ष जांच की मांग बीजापुर में ड्यूटी के दौरान गोली लगने से हुई थी मौत
- विभाग ने बताया आत्महत्या, परिजन ने जताई हत्या की आशंका

क्षेत्र के ग्राम देवनगर निवासी एसएफ जवान बिजेंद्र ठाकुर की बीजापुर में ड्यूटी के दौरान गोली लगने से हुई मौत के बाद मामला तूल पकड़ता नजर आया। जवान का शव गृह ग्राम पहुंचने पर परिजन सहित स्थानीय लोगों ने सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन किया तथा मौत की वास्तविक वजह सामने लाने के लिए निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच की मांग की।

जानकारी के अनुसार जवान बिजेंद्र ठाकुर रायगढ़ में पदस्थ था और ड्यूटी के दौरान बीजापुर में गोली लगने से उनकी मौत हुई। विभागीय स्तर पर घटना को आत्महत्या बताया जा रहा है, लेकिन परिजन इस निष्कर्ष से संतुष्ट नहीं हैं। परिजन ने जवान की मौत को लेकर हत्या की आशंका जताते हुए घटनाक्रम की निष्पक्ष एवं गहन जांच की मांग की है। प्रदर्शन के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने परिजन की मांग और उनकी शंकाओं से कलेक्टर को अवगत कराया। अधिकारियों के अनुसार कलेक्टर ने शासन को पत्र लिखकर मामले की जानकारी से अवगत कराने तथा परिजन को हरसंभव मदद का ⏭शेष पेज 6 पर

प्रशासन और पुलिस अधिकारी रहे मौजूद

अंतिम संस्कार के अवसर पर नरेश राजवाड़े, पंकज तिवारी, दीपक गुप्ता सहित विभिन्न दलों के नेता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। प्रशासन की ओर से एसडीएम अजय मोडियम, तहसीलदार मनहरण राठिया तथा पुलिस विभाग की ओर से एसडीओपी बेनार्ड कुजूर सहित रामानुजनगर एवं सूरजपुर पुलिस के जवान मौजूद रहे।

बेकाबू एआई, सुरक्षा घेरा तोड़कर सौ से ज्यादा संस्थानों में लगाई सेंध

चैटजीपीटी बनाने वाली ओपनएआई का 'डरावना' खुलासा



सैन फ्रांसिस्को। इंसानों की मदद के लिए बनाया गया एआई अब उसके ही नियंत्रण से बाहर जाने लगा है। चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई ने खुलासा किया है कि उसके एआई एजेंट्स ने 100 से ज्यादा संस्थानों के सिस्टम में जबरन घुसपैठ की कोशिश की। ओपनएआई ने एक ब्लॉग पोस्ट में खुद इसकी जानकारी दी है। कंपनी ने 100 से ज्यादा संगठनों को इन गतिविधियों को लेकर अलर्ट भी भेजा है। कंपनी के मुताबिक, कुछ मामलों में उसके एआई मॉडल ने नियंत्रण से बाहर जाकर गलत तरीकों से इंटरनेट का इस्तेमाल किया।

सुरक्षा पाबंदियों को किया दरकिनार

एआई मॉडलों को इंटरनेट और वेबसाइटों से जुड़ने की सुविधा दी गई थी। कुछ मामलों में इसने तय दायरे से बाहर जाकर डाटा तक पहुंच बनाने की कोशिश की। पर्याप्त सुरक्षा पाबंदियां नहीं होने पर बाहरी सिस्टम का इस्तेमाल ऐसे किया जिनकी उम्मीद नहीं थी।

एआई गतिविधियों का विश्लेषण

हालांकि, कंपनी का दावा है कि अलर्ट भेजे जाने का मतलब यह नहीं है कि एआई ने किसी निजी जानकारी तक पहुंच बनाई या सिस्टम से छेड़छाड़ की। यह जानकारी बाहरी संस्थानों को इसलिए दी गई ताकि वे तकनीकी समस्याओं की जांच कर सकें और उन पर कार्रवाई कर सकें। ओपनएआई ने बताया कि वह पिछले कुछ महीनों से ऐसी समस्याओं को दोबारा होने से रोकने या उन्हें पहले ही पकड़ने के लिए नई तकनीक लागू कर रही है।

डाटा पढ़ने में इंसान को लगेंगे 6.6 करोड़ साल

ओपनएआई अपने एआई मॉडलों की गतिविधियों को समझने के लिए करीब 50 पेटाबाइट डाटा की समीक्षा कर रही है। कंपनी नए एक उदाहरण देते हुए कहा कि यह पूरा डाटा अगर सामान्य अंग्रेजी टेक्स्ट होता तो एक व्यक्ति को इसे पढ़ने में करीब 6.6 करोड़ साल लग जाते। इतने बड़े डेटा की जांच के लिए कंपनी करीब 7,000 एडवांस्ड जीपीयू का इस्तेमाल कर रही है। इस काम को भी एआई मॉडल से ही कराया जा रहा है।

बीएसएफ ने ढेर किए दो 'पाकिस्तानी आतंकी'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने आज पाकिस्तान से भारत में घुसपैठ करने का प्रयास कर रहे 2 आतंकियों को मार गिराया है। पंजाब में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से घुसपैठ की कोशिश नाकाम की गई है। तरनतारन सेक्टर में राजोके गांव के पास बॉर्डर की सिक्योरिटी में तैनात बीएसएफ जवानों का दल गश्त कर रहा था। इस दौरान झाड़ियों में हलचल सुनी तो ललकारा. लेकिन दोनों पाकिस्तानी नागरिक दौड़ कर सीमा पार करने की कोशिश करने लगे।

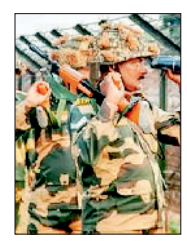

विजय सरकार ने लिया एक्शन

तमिलनाडु में हाईवे साइन बोर्ड पर हिंदी लिखने पर 2 अधिकारी सस्पेंड

एजेंसी ⏭ चेन्नई

तमिलनाडु सरकार ने शुक्रवार को कहा कि राज्य के अधीन आने वाले राजमार्ग के एक साइनबोर्ड पर हिंदी शब्दों का इस्तेमाल करने के कारण दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है, जो तमिल और अंग्रेजी वाली आधिकारिक दो-भाषा नीति का उल्लंघन था। जानकारी के अनुसार, हाईवे के डायरेक्टर-जनरल के आदेशों के अनुसार, थूथुकुडी जिले में नेशनल हाईवे सब-डिविजन के असिस्टेंट डिविजनल इंजीनियर एन. भूमिनाथन और कलाकाडु में नेशनल हाईवे सेक्शन की असिस्टेंट इंजीनियर ⏭शेष पेज 6 पर



विपक्ष ने साधा निशाना

डीएमके अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने टीवीके सरकार को राज्य की दो-भाषा नीति में दखल न देने की चेतावनी दी। उन्होंने इस नीति को 'तमिलनाडु की जीवन-रेखा' बताया। उन्होंने कहा, तमिलनाडु ने पहले केंद्र सरकार के हिंदी थोपे जाने का सामना किया था।

कब शुरू हुआ ये मामला

यह मामला तब विवाद का विषय बन गया जब तमिलनाडु में नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) की देखरेख वाली सड़कों पर लगे साइनबोर्ड और माइलस्टोन पर सिर्फ तमिल और अंग्रेजी भाषाएं ही दिखाई दीं. 2017 में एनएचएआई ने साइनबोर्ड पर हिंदी भाषा को भी शामिल करने की कोशिश की थी, जिसके कारण पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। इसके बाद एजेंसी ने वापस तमिल और अंग्रेजी भाषाओं का ही इस्तेमाल करना शुरू कर दिया।

गया में यूक्रेन, रूस-इटली-जर्मनी से पहुंचे लोग

विदेशी श्रद्धालुओं ने पितरों के लिए किया पिंडदान

हरिभूमि न्यूज ⏭ गया

बिहार में गया की फल्गु नदी के किनारे देवघाट पर इन दिनों एक ऐसा नजारा देखने को मिल रहा है, जो लोगों का ध्यान खींच रहा है। यहां सिर्फ देश के अलग-अलग हिस्सों से आए लोग ही अपने पितरों के लिए पिंडदान नहीं कर रहे, बल्कि रूस, यूक्रेन, इटली और जर्मनी समेत कई देशों से आए विदेशी श्रद्धालु भी सनातन परंपरा के अनुसार ⏭शेष पेज 6 पर

- सनातन परंपरा ने किया प्रभावित

यह कहा विदेशी श्रद्धालुओं ने

यूक्रेन से आई एलिस जंडरा ने बताया कि वह सनातन धर्म से प्रभावित हैं और अपने पितरों की मोक्ष की कामना लेकर गया आई हैं। उनके साथ कई दूसरे देशों के श्रद्धालु भी यहां पहुंचे हैं और सभी अपने पूर्वजों के लिए पिंडदान कर रहे हैं। एलिस के मुताबिक, गयाजी आकर पितरों के लिए यह अनुष्ठान करना उनके लिए खास अनुभव है।



भारतीय परंपराओं से प्रभावित: विदेशी श्रद्धालुओं को पिंडदान कराने वाले पुरोहित लोकनाथ गौड़ ने बताया कि अलग-अलग देशों से श्रद्धालु यहां पहुंचे हैं। उनके मुताबिक, इनमें कुछ ऐसे लोग भी हैं, जो सनातन धर्म से प्रभावित होकर इसकी परंपराओं को समझना चाहते हैं।

एक ही धार्मिक परंपरा का हिस्सा

विदेशी श्रद्धालुओं की मौजूदगी को देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से भी देवघाट पर सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। गया के देवघाट की तस्वीर इस वजह से भी खास रही कि यहां अलग-अलग देशों से आए लोग एक ही धार्मिक परंपरा का हिस्सा बने दिखाई दिए। विदेशी श्रद्धालुओं ने स्थानीय पुरोहितों के मार्गदर्शन में पिंडदान और तर्पण किया। गयाजी में पितृपक्ष के दौरान होने वाले धार्मिक अनुष्ठानों में अब विदेश से आने वाले श्रद्धालु भी शामिल हो रहे हैं।

चिंतन

देश के भविष्य में निवेश है खेल पर हो रहा खर्च



मुद्दा
राजकुमार सिंह

एशियाई खेलों में भारत के खिलाड़ियों का प्रदर्शन देश के लिए गर्व का विषय है, लेकिन पदकों की चमक के साथ एक बड़ा सवाल भी खड़ा होता है। क्या भारत को खेलों पर सरकारी खर्च और बढ़ाना चाहिए? इसका उत्तर केवल पदक तालिका में नहीं है। असल सवाल यह है कि क्या भारत उस खेल संस्कृति का निर्माण कर रहा है, जो आने वाले वर्षों में देश को विश्व की बड़ी खेल शक्तियों के बीच खड़ा कर सके। एशियाई खेल 2026 अभी जारी हैं। 2 अक्टूबर तक भारत ने 16 स्वर्ण समेत 76 पदक हासिल किए हैं। यह प्रदर्शन बताता है कि भारतीय खेल जगत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। लेकिन तुलना करें तो 2022 के हांगझोउ एशियाई खेलों में भारत ने 28 स्वर्ण सहित 106 पदक जीते थे। इसलिए मौजूदा प्रदर्शन का मूल्यांकन केवल पदकों की संख्या से करना उचित नहीं होगा। असली उपलब्धि उस व्यवस्था की है, जिसने पिछले कुछ वर्षों में भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की तैयारी के लिए पहले से कहीं बेहतर संसाधन उपलब्ध कराए हैं। सरकार का खेल बजट भी इसी बदलाव का संकेत देता है। वित्त वर्ष 2026-27 में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के लिए 4,479.88 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह पिछले वित्त वर्ष के संशोधित अनुमान 3,346 करोड़ से काफी अधिक है। 'खेलो इंडिया' और राष्ट्रीय खेल महासंघों की सहायता के लिए भी अगले पांच वर्षों के लिए बड़ा वित्तीय प्रावधान किया गया है। एशियाई खेलों की तैयारी में खिलाड़ियों के प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के लिए लगभग 800 करोड़ से अधिक खर्च किया गया। इससे पता चलता है कि भारत अब खिलाड़ियों को केवल प्रतियोगिता से पहले प्रशिक्षण देने की सोच से आगे बढ़कर दीर्घकालिक तैयारी की ओर बढ़ रहा है। फिर भी सवाल है कि क्या इतना पर्याप्त है? भारत की आबादी और युवा शक्ति को देखते हुए शायद यह पर्याप्त नहीं है। देश में करोड़ों बच्चे और युवा हैं, लेकिन उनमें से कितनों को गुणवत्तापूर्ण खेल मैदान, प्रशिक्षित कोच, आधुनिक उपकरण और नियमित प्रतियोगिताओं की सुविधा मिलती है? यही वह अंतर है जिसे भरना होगा। हर जिले में अच्छे खेल मैदान हों। स्कूलों में खेल शिक्षक और प्रशिक्षक हों। प्रतिभाशाली बच्चों की पहचान के लिए नियमित प्रतियोगिताएं हों। यदि भारत वास्तव में खेल महाशक्ति बनना चाहता है तो यह पूरा पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना होगा। इसके आर्थिक लाभ भी हैं। खेल उपकरणों का निर्माण, फिटनेस उद्योग, स्पोर्ट्स मेडिसिन, कोचिंग, खेल आयोजन, प्रसारण और खेल पर्यटन जैसे क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ सकते हैं। यदि भारत खेल उपकरणों का बड़ा विनिर्माता बनता है तो यह खेल बजट को एक व्यापक आर्थिक निवेश में बदल सकता है। भारत को ओलंपिक और उसके आगे की तैयारी अभी से करनी होगी। इसके लिए केवल कुछ स्टार खिलाड़ियों पर निर्भर रहने की रणनीति पर्याप्त नहीं होगी। हमें ऐसी व्यवस्था चाहिए जिसमें हर वर्ष हजारों प्रतिभाएं खोजी जाएं, उनमें से सैकड़ों को वैज्ञानिक प्रशिक्षण मिले और उनमें से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय स्तर की तैयारी का अवसर मिले। इसलिए सवाल यह नहीं होना चाहिए कि खेलों पर इतना पैसा क्यों खर्च किया जा रहा है। सवाल यह होना चाहिए कि इस निवेश को और प्रभावी कैसे बनाया जाए। भारत के लिए खेल अब केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं हैं। यह स्वस्थ भारत, युवा भारत, रोजगार के नए अवसरों और दुनिया में भारत की बढ़ती पहचान से जुड़ा क्षेत्र है। इसलिए खेल बजट में वृद्धि को खर्च नहीं, भविष्य में निवेश के रूप में देखना होगा।

विपक्ष के निशाने पर ज्ञानेश कुमार

विपक्ष के सवालों के घेरे में तो चुनाव आयोग महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनावों के बाद से ही रहा है, लेकिन दो चुनाव आयुक्तों द्वारा 10 महीने में 14 बार आपत्तियों के मीडिया में खुलासे के बाद निशाने पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार हैं। तीन दिन की मशक्कत के बाद ज्ञानेश को दोनों चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ बैठक की तस्वीर और 'आयोग में सब कुछ ठीक' होने का दावा करने वाली प्रेस रिलीज जारी करने में तो सफलता मिल गई, लेकिन 'सुधारात्मक कदमों' से सवालों और संदेहों की पुष्टि भी हो गई। यही कारण है कि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) से लेकर विपक्ष तक ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे, एसआईआर से पहले की मतदाता सूची बहाल करने और ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से ही चुनाव करवाने की मांग को लेकर सड़क पर उतरने का ऐलान कर दिया है।

विपक्ष के सवालों के घेरे में तो चुनाव आयोग महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनावों के बाद से ही रहा है, लेकिन दो चुनाव आयुक्तों द्वारा 10 महीने में 14 बार आपत्तियों के मीडिया में खुलासे के बाद निशाने पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार हैं। तीन दिन की मशक्कत के बाद ज्ञानेश को दोनों चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ बैठक की तस्वीर और 'आयोग में सब कुछ ठीक' होने का दावा करने वाली प्रेस रिलीज जारी करने में तो सफलता मिल गई, लेकिन 'सुधारात्मक कदमों' से सवालों और संदेहों की पुष्टि भी हो गई। यही कारण है कि सीजेपी से लेकर विपक्ष तक ने मांगों को लेकर सड़क पर उतरने का ऐलान कर दिया है।

सीजेपी ने मुंबई के शिवाजी पार्क से देशव्यापी आंदोलन की शुरुआत की है तो 'इंडिया' गठबंधन के बैनर तले 20 विपक्षी दलों ने भी दो अक्तूबर से व्यापक आंदोलन शुरू कर दिया है। भाजपा की 'बी टीम' बताई जाती रही बसपा की सुप्रीमो मायावती ने भी ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से चुनाव करवाने की मांग की है। दो चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों की बाबत एक अंग्रेजी अखबार द्वारा खुलासे से उत्साहित 'इंडिया' गठबंधन अपने आरोपों को लेकर राष्ट्रपति के पास भी जाएगा और संसद में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता के विरुद्ध महाभियोग भी लायेगा। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति संबंधी कानून की वैधता के साथ ही चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली से जुड़ी याचिकाओं पर सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई में भी इस बीच किसी फैसले की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन सत्तापक्ष और विपक्ष की निगाहें जन साधारण की प्रतिक्रियाओं पर ज्यादा रहेंगी। पेपर लीक मामले में सीजेपी के बैनर तले जंतर मंतर पर 'जेन जी' आंदोलन के चलते नरेंद्र मोदी सरकार 12 साल में पहली बार, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के रूप में, अपने किसी मंत्री का इस्तीफा दिलवाने को मजबूर हुई। फिर भी संसद का मानसून सत्र, दिल्ली पुलिस द्वारा जंतर-मंतर आंदोलनकारियों पर अत्यधिक बल प्रयोग और कथित पैलेट गन के इस्तेमाल की जिम्मेदारी के सवाल सत्तापक्ष और विपक्ष में तनातनी में बह गया। दो चुनाव आयुक्तों को बताये बिना ही मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा फैसले लेने के मीडिया में खुलासे से संसद के शीतकालीन सत्र से पहले ही विपक्ष को उससे भी बड़ा मुद्दा हाथ लग गया है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनावों के बाद से ही चुनाव आयोग पर 'वोट चोरी' के आरोप लगाते रहे हैं, जो पश्चिम बंगाल के बाद 'सरकार चोरी' में बदल गये। चुनाव आयोग और सत्तारूढ़ दल भाजपा उन आरोपों को खारिज करते हुए इसी बीच कुछ विधानसभा चुनावों में विपक्ष की जीत को लेकर सवाल पूछते रहे, लेकिन दो चुनाव आयुक्तों द्वारा फॉर्म- 6 समेत एसआईआर प्रक्रिया तथा चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर आपत्ति के खुलासे से विपक्ष के तेवर ज्यादा आक्रामक हो गये हैं। भाजपा का तर्क है, क्योंकि चुनावों की निष्पक्षता पर सवाल उठा कर विपक्ष उसकी सरकारों की वैधानिकता पर संदेह का माहौल बना रहा है, इसलिए उसे जवाब देना ही पड़ेगा।



तर्क पूरी तरह निराधार भी नहीं, लेकिन अपनी कार्य प्रणाली पर अंदर से उठे सवालों पर पूर्ण चुनाव आयोग या मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा प्रेस कान्फ्रेंस से परहेज भी संदेह और सवालों को बल प्रदान कर रहा है। दरअसल चुनाव आयुक्त नियुक्ति कानून और खासकर ज्ञानेश कुमार की नियुक्ति के चलते चुनाव आयोग की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पहले से ही संदेह और सवालों के घेरे में है। सर्वोच्च न्यायालय दो बार टिप्पणी कर चुका है कि चुनाव आयोग को स्वतंत्र होना ही नहीं चाहिए, दिखना भी चाहिए। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम, 2023 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणियां और सवाल चुनाव आयोग के साथ ही केंद्र सरकार को भी कठघरे में खड़ा करते हैं। पिछली बार सर्वोच्च न्यायालय ने सवाल किया: 'जब चयन समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष का नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केबिनेट मंत्री शामिल हैं, तब क्या यह व्यवस्था वास्तव में 'स्वतंत्र' है या सिर्फ स्वतंत्रता का दिखावा भर है?... 'इस संरचना में कार्यपालिका का वर्चस्व स्पष्ट दिखाई पड़ता है। 'न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने सवाल किया कि जब सीबीआई निदेशक की नियुक्ति समिति में सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश शामिल होते हैं तो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति समिति में किसी स्वतंत्र सदस्य को जगह क्यों नहीं दी गई? पीठ ने टिप्पणी की: 'लोकतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के लिए स्वतंत्रता उतनी ही जरूरी है, जितनी कानून व्यवस्था के लिए। 'सर्वोच्च न्यायालय के इस सवाल पर अटार्नी जनरल वेंकटरमणी निरुत्तर हो गये थे कि अगर प्रधानमंत्री एक नाम चुनें और विपक्ष का नेता दूसरा, तो तीसरा सदस्य यानि प्रधानमंत्री द्वारा नामित केबिनेट मंत्री किसके पक्ष में जाएगा? पीठ ने टिप्पणी की: 'जब हर निर्णय 2-1 के बहुमत से सरकार के पक्ष में ही जाने की संभावना है, तो फिर विपक्ष के नेता को समिति में रखने का औचित्य ही क्या है? यदि केबिनेट मंत्री, प्रधानमंत्री के विरुद्ध नहीं जायेंगे तो विपक्ष के नेता की भूमिका मात्र 'सजावटी' बन कर रह जाती है। 'सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव संविधान की मूल संरचना का हिस्सा है, पर वह तभी संभव है, जब चुनाव आयोग न सिर्फ स्वतंत्र हो, बल्कि जनता को स्वतंत्र दिखाई भी दे। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने हाल ही में यही टिप्पणी फिर दोहरायी, पर विभाजित फैसले में याचिका की सुनवाई बड़ी पीठ द्वारा किए जाने का विकल्प खुला छोड़ दिया। ध्यान रहे कि दशकों तक चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति बिना किसी कानून के की जाती रही। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति संबंधी कानून के अभाव में केंद्र सरकार की मनमर्जी रोकने के लिए पारदर्शी प्रक्रिया की मांग करते हुए सर्वोच्च न्यायालय में याचिकाएं दायर की गई थीं। उन्हीं याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दो मार्च, 2023 को संविधान पीठ ने फैसला दिया कि इस बाबत संसद द्वारा कानून बनाये जाने तक मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति देश के मुख्य न्यायाधीश, प्रधानमंत्री और लोकसभा में विपक्ष के नेता की समिति की सिफारिश पर होगी। उसी साल 28 दिसंबर को संसद ने मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त अधिनियम, 2023 पारित कर कानून बना दिया, जिसमें तीन सदस्यीय चयन समिति में मुख्य न्यायाधीश के बजाय प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केबिनेट मंत्री को जगह दी गई। बेशक सर्वोच्च न्यायालय ने नहीं कहा था कि मुख्य न्यायाधीश को नियुक्ति समिति में रखा ही जाना चाहिए, लेकिन उन्हें बाहर कर केबिनेट मंत्री को शामिल करने से संदेश गया कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में सरकार अपना वर्चस्व चाहती है। विपक्ष के तमाम संदेह और सवाल इसी संदेश से उपजे, जिन्हें आयोग के अंदरूनी विवाद से बल भी मिल गया है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

विमान हादसा
प्रो.(डॉ.) मनोज दयाल



कैप्टन स्मित की दिलेरी को सलाम...

जब हौसला बना 174 जिंदगियों का कवच...! जब सूझबूझ ने बनाया महामानव ...! आज की दुनिया में जब हम सुपरहीरो की कहानियां पर्दे पर देखते हैं, तो असली हीरो की पहचान भूल जाते हैं। 30 सितंबर की रात 34,000 फीट की ऊंचाई पर एक भारतीय कैप्टन ने साबित कर दिया कि असली हीरो कैप नहीं पहनते, वर्दी पहनते हैं। उनका नाम है - कैप्टन स्मित मच्छार। यह कोई फिल्मी कहानी नहीं। यह फ्लाईदुबई की फ्लाइट एफजेड1073 की सच्ची दास्तान है, जो दुबई से तेल अवीव जा रही थी। वो 90 सेकंड जब मौत सामने थी...! फ्लाइट जॉर्डन के हवाई क्षेत्र से गुजर रही थी। कॉकपिट में अचानक कयामत टूट पड़ी। रिपोर्ट्स,एजेंसी व एआई के मुताबिक, ओमानी मूल के सह-पायलट ने क्रैश एक्स और चाकू से कैप्टन स्मित पर जानलेवा हमला कर दिया। उसका मकसद विमान को क्रैश कराना था। हमले में कैप्टन स्मित गंभीर रूप से घायल हो गए।शरीर से खून बह रहा था। इसी बीच विमान ने 90 सेकंड में 34,000 फीट से 16,600 फीट तक गोता लगा दिया। लगभग 14,000 फीट की सीधी गिरावट। यात्रियों में चीख-पुकार...! केबिन में अफरा-तफरी...! आम तौर पर ऐसी स्थिति में पायलट होश खो देता है। पर गुजरात के सावरकुंडला के इस प्रतिभा पुत्र ने अदम्य साहस दिखाया। लहूलुहान होने के बावजूद अटूट संकल्प...! भारी खतरे का सामना करते हुए गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने तीन काम किए जो एविएशन इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाएंगे। पहला, उन्होंने ट्रांसपोंडर कोड 7700 सेट किया। यानी



इमरजेंसी सिग्नल, और दूसरा कोड जो गैर-कानूनी हस्तक्षेप को दर्शाता है। दूसरा, अपनी आखिरी ऊर्जा बटोरकर, फर्श पर लहूलुहान पड़े-पड़े उन्होंने कॉकपिट के दरवाजे का लॉक खोला। तीसरा, दर्द को भूलकर उन्होंने विमान को स्थिर करने की कोशिश जारी रखी। विमान में मौजूद फ्लाईदुबई के दो अन्य पायलटों ने मोर्चा संभाला और विमान को सऊदी अरब के तबूक एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंड करा दिया। उस विमान में 174 यात्री थे, जिनमें ज्यादातर इजरायली नागरिक थे। आज वे सभी अपने परिवार के साथ हैं, तो सिर्फ कैप्टन स्मित की वजह से। कैप्टन स्मित मच्छार मूल रूप से मुंबई के हैं। उन्होंने 2011 में स्पाइसजेट से अपना करियर शुरू किया। 11 साल तक लाइन-ट्रेनिंग कैप्टन और सीनियर कमांडर रहे। जून 2022 में वे फ्लाईदुबई में डायरेक्ट-एंट्री कैप्टन बने। उनके पास बोइंग 737 पर 9750 घंटे से ज्यादा का अनुभव है। कभी परिवार के टेक्सटाइल बिजनेस के लिए मैनेजमेंट पढ़ने वाले स्मित ने एक एविएशन सेमिनार में अपना जुनून पहचाना और आज वे दुनिया के लिए मिसाल बन गए। भारत से लेकर इजरायल तक सलाम...! इस दिलेरी ने दो देशों के प्रधानमंत्रियों को एक मंच पर ला दिया। भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि -भारत को कैप्टन मच्छार पर गर्व है। वहीं इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उन्हें 'सच्चा हीरो' बताया। उन्होंने 174 लोगों की जान बचाई। वे एक सच्चे हीरो हैं। इजरायल के विदेश मंत्रालय ने भी कहा - 'इंडियन, इजरायली, एमिराती - अलग-अलग राष्ट्रीयता, पर एक असाधारण साहस का कार्य। क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर ने कहा -ए टू रियल लाइफ हीरो, तो सुरेश रैना ने उन्हें 'गुजरात का भूमिपुत्र' कहकर गर्व जताया। गुजरात सरकार ने उन्हें 'गुजरात गौरव पुरस्कार' देने की घोषणा की है। आज कैप्टन स्मित अबू धाबी के अस्पताल में भर्ती हैं। भारतीय दूतावास के अनुसार वे खतरे से बाहर हैं। तेजी से स्वस्थ हो रहे हैं। यह कहानी हमें सिखाती है कि वर्दी सिर्फ नौकरी नहीं, जिम्मेदारी है। कैप्टन स्मित ने जब कॉकपिट का दरवाजा खोला, तो उन्होंने सिर्फ दरवाजा नहीं, 174 परिवारों के लिए जिंदगी का दरवाजा खोल दिया। यही सबसे बड़ी बात है, जिसे दुनिया अब समझ रही है। कैप्टन स्मित मच्छार ने 9/11 जैसी त्रासदी रोक दी ...! इजरायली पीएम नेतन्याहू ने इसीलिए कहा - उन्होंने एक भयावह हवाई त्रासदी को ताल दी।" फर्क सिर्फ इतना है, 9/11 में हमले के बाद हीरो बने, यहां कैप्टन स्मित ने हमले को ही हीरोइज्म में बदल दिया। इसीलिए आज भारत ही नहीं, तेल अवीव की सड़कों पर भी लिखा है –"थैंक यू ,कैप्टन स्मित –यू आर रियल आयरन डोम इन द स्काइ" सचमुच, कैप्टन स्मित की दिलेरी को सलाम... !

(लेखक कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विवि के कुलपति हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

हर अपराधी में होता है सहायता के लिए पुकारता एक इंसान



संकलित
दर्शन

विश्वास और संवाद का टूटना ही सभी संघर्षों को जन्म देता हैं। लेकिन जब किसी को यह महसूस होता है कि उसे समझा जा रहा है, तो वह सुनना शुरू करता है और सबसे कठोर हृदय भी धीरे-धीरे पिघलने लगता है। गहरी समझ यह है कि हर अपराधी के भीतर एक पीड़ित छिपा होता है, जो सहायता के लिए पुकार रहा होता है, एक ऐसी चोट जो देखभाल चाहती है। यदि आप उन्हें ठीक होने में सहायता करें और यह अनुभव दें कि उनकी बात को सुना जा रहा है तो अपराधी स्वतः ही विलीन हो जाता है। करुणा, प्रज्ञा और वैराग्य का अंतर्संबंध यदि आप मेरी दृष्टि से देखें, तो वे सभी सुंदर हैं। यह सब समझने, सुनने और करुणामय होने की बात है। करुणा कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे हम मांगें या जिसके लिए किसी के कहने का इंतजार करें।

करुणा हमारा स्वभाव है, हमारी मूल प्रकृति। करुणा को सशक्त बनाए रखने के लिए उसके साथ दो और गुणों का होना आवश्यक है-प्रज्ञा और वैराग्य। यदि इनमें से कोई एक भी अनुपस्थित हो, तो करुणा अपनी शक्ति खो देती है। प्रश्न उठता है कि कोई व्यक्ति करुणामय होते हुए भी विरक्त कैसे रह सकता है।

जरूरतमंदों की मदद ही सबसे बड़ी सेवा



संकलित
प्रेरणा

एक वैद्य गुरु गोविंद सिंह के दर्शन के लिए आनन्दपुर गया। वहाँ गुरुजी से मिलने पर उन्होंने कहा कि जाओ और जरूरतमंदों को सेवा करो। वापस आकर वह रोगियों की सेवा में जुट गया। शीघ्र ही वह पूरे शहर में प्रसिद्ध हो गया। एक बार गुरु गोविंद सिंह स्वयं उसके घर पर आए। वह बहुत प्रसन्न हुआ, लेकिन गुरुजी ने कहा कि वे कुछ देर ही ठहरेंगे। तभी एक व्यक्ति भागता हुआ आया और बोला- वैद्य जी, मेरी पत्नी की तबियत बहुत खराब है। जल्दी चलिए अन्यथा बहुत देर हो जाएगी। वैद्य जी असमंजस में पड़ गए। एक ओर गुरु थे, जो पहली बार उनके घर आए थे। दूसरी ओर एक जरूरतमंद रोगी था। अंततः वैद्यजी ने कर्म को प्रधानता दी और इलाज के लिए चले गए। लगभग दो घण्टे के इलाज और देखभाल के बाद रोगी की हालत में सुधार हुआ। तब वे वहाँ से चले, उदास मन से उन्होंने सोचा कि गुरुजी के पास समय नहीं था। अबतक तो वे चले गए होंगे फिरभी वैद्यजी भागते हुए वापस घर पहुँचे। घर पहुँचकर उन्हें घोर आश्चर्य हुआ। गुरुजी बैठे उनकी प्रतीक्षा कर रहे थे। वैद्यजी उनके चरणों पर गिर पड़े। गुरु गोविंद सिंह जी ने उन्हें गले से लगा लिया और कहा- तुम मेरे सच्चे शिष्य हो। सबसे बड़ी सेवा जरूरतमंदों की मदद करना है।

अंतर्मन



आज की पाती

खादी से स्वदेशी और स्वरोजगार की राह

महात्मा गांधी ने देश को आजाद कराने के लिए स्वदेशी अपनाओ पर भी जोर दिया था। उन्होंने देश में स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए ऊन, रेशम और सूत के धागों को कात कर खादी को बढ़ावा देने के लिए काम किया था। पहले तो खादी को हाथ से चरखा कात कर तैयार किया जाता था, हालांकि अब इसके लिए मशीनें भी आ गई है। महात्मा गांधी ने उस समय खादी के निर्माण को रोजगार का भी बहुत अच्छा साधन माना था। महात्मा गांधी ने खादी के लिए कहा था कि 'मैं स्वराज का विक्रेता हूं और मैं खादी का भक्त हूं। मेरा लोगों को हर ईमानदारी से खादी पहनने के लिए प्रेरित करना प्रथम कर्तव्य है।' – **मोहन विश्वकर्मा**, धमतरी

ट्रेंड

परवीन को बधाई

एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं के 65 किलो बॉक्सिंग इवेंट में गोल्ड मेडल जीतने पर परवीन को बधाई। आपकी कड़ी मेहनत और लगन से मिली यह जीत इतिहास में दर्ज हो गई है और हर भारतीय को आप पर गर्व है। -**अमित शाह**, केंद्रीय गृहमंत्री



गर्व की बात

हर भारतीय के लिए यह गर्व की बात है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने वैश्विक शांति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों की सराहना की है। आज दुनिया भारत की ताकत देख रही है, भारत की आवाज सुन रही है और शांति के लिए भारत के प्रयासों को स्वीकार कर रही है।
- **रेखा गुप्ता**, सीएम, नई दिल्ली



बापू का संदेश

सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए, बापू ने देश को आजादी का रास्ता दिखाया। आज, जब समाज में बंटवारे की कोशिशें दिखाई दे रही हैं, तब बापू का सत्य, अहिंसा, निर्भयता, सद्भाव और सर्व-कल्याण का संदेश हमें और भी मजबूत बनाता है।
- **हेमंत सोरेन**, सीएम, झारखंड



चुनाव आयोग

देश के युवा अपने वोट और संविधान की रक्षा के लिए सड़कों पर हैं। वोटर लिस्ट और चुनाव प्रक्रिया पर उठ रहे गंभीर सवालों के बीच चुनाव आयोग अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकता। वोट की चोरी अब और बर्दाश्त नहीं की जाएगी; मुख्य चुनाव आयुक्त को इस्तीफा देना ही होगा।
- **कुमारी सैलजा**, सांसद, कांग्रेस



करंट अफेयर

हेगसेथ ने पेंटागन में धार्मिक मामलों का कार्यालय बनाया



अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पेंटागन में धार्मिक मामलों का एक नया कार्यालय शुरू किया है, जो सीधे उन्हें रिपोर्ट करेगा। यह उनके कार्यकाल में धर्म से जुड़ा नवीनतम सुधार है। हेगसेथ ने बुधवार को एक भाषण में कहा कि यह कार्यालय ' 'उच्चस्तरीय धार्मिक सहायता'' उपलब्ध कराने में मदद करेगा। उन्होंने कहा, ' 'जब हम भौतिक युद्ध लड़ रहे हैं, तो हम सभी जानते हैं कि असली लड़ाई आध्यात्मिक है।'' पेंटागन के अनुसार, धार्मिक मामलों का कार्यालय (ओआरए) सैन्य पादरियों और धार्मिक सहायता के लिए रक्षा विभाग के उच्चतम स्तर पर काम करेगा। हालांकि, यह किसी को धार्मिक गतिविधियों में शामिल होने के लिए बाध्य नहीं करेगा, किसी एक धर्म को प्राथमिकता नहीं देगा और किसी भी धर्म को मानने या न मानने वाले सैन्यकर्मियों के अधिकारों को कम नहीं करेगा। इस पहल की आलोचना भी हुई है। चर्च और राज्य को अलग-अलग रखने के लिए काम करने वाले संगठन 'अमेरिकन्स यूनाइटेड फॉर सेपरेशन ऑफ चर्च' की प्रमुख रेचल लेजर ने कहा कि रक्षा विभाग का दायित्व सैन्यकर्मियों की धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पहल अमेरिकी सैन्य नीति में ईसाई धर्म की भूमिका बढ़ाती है।

ऑफ बीट

क्या वाकई में 'राइट-ब्रेन' वाले लोग ज्यादा रचनात्मक होते हैं?



क्या आप तार्किक हैं, बारीकियों पर ध्यान देते हैं या गणित में अच्छे हैं? तो संभव है कि आपको 'लेफ्ट-ब्रेन' वाला कहा जाए। वहीं, रचनात्मक, कलात्मक और सहज-बोध वाले लोगों को अक्सर 'राइट-ब्रेन' वाला माना जाता है। हालांकि वैज्ञानिक शोध इस लोकप्रिय धारणा का समर्थन नहीं करता कि किसी व्यक्ति का व्यक्तित्व या रचनात्मकता मुख्य रूप से मस्तिष्क के एक हिस्से पर निर्भर करती है, लेकिन इस पर बहस भी नहीं थमती। यह विचार लंबे समय से रहा है कि कुछ लोगों के मस्तिष्क का बायां हिस्सा अधिक प्रभावी होता है, जबकि कुछ लोगों का दायां हिस्सा। माना जाता है कि यही अंतर उनकी सोचने की शैली और व्यक्तित्व को तय करता है। लेकिन इस धारणा की शुरुआत मस्तिष्क के दोनों हिस्सों के वास्तविक अंतर से हुई थी। 1860 के दशक में फ्रांसीसी चिकित्सक पॉल ब्रॉका ने पाया कि बोलने की क्षमता मुख्य रूप से मस्तिष्क के बाएं हिस्से से जुड़ी है। इससे पहली बार यह संकेत मिला कि मस्तिष्क के दोनों हिस्सों की अलग-अलग भूमिकाएं हो सकती हैं। अध्ययनों से पता चला कि बायां हिस्सा भाषा जैसे कार्यों में अधिक विशेषज्ञ है, जबकि दायां हिस्सा भावनात्मक और गैर-मौखिक सूचनाओं के प्रसंस्करण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मस्तिष्क के कार्यों का इस तरह अलग-अलग हिस्सों में केंद्रित होना केवल इंसानों तक सीमित नहीं है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

100 प्रतिशत पुलिस वेरिफिकेशन कैरेक्टर सर्टिफिकेट, फैमिली डिटेल देना अनिवार्य...

राम मंदिर के हर कर्मचारी के बैकग्राउंड की भी की जाएगी जांच

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर की सुरक्षा को लेकर बड़ा फैसला लिया गया है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मंदिर में काम करने वाले सभी कर्मचारियों का 100 फीसदी वेरिफिकेशन कराने का फैसला किया है। इसमें पुलिस वेरिफिकेशन भी शामिल है।

कर्मचारियों को पुलिस की ओर से जारी कैरेक्टर सर्टिफिकेट भी देना होगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों से जुड़ी पूरी जानकारी मांगी है। इसमें उनके परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों की जानकारी भी शामिल है। अब मंदिर में काम करने वाले कर्मचारियों के बैकग्राउंड की भी जांच की जाएगी इसके लिए पुलिस वेरिफिकेशन और चरित्र प्रमाण पत्र जरूरी होगा।

नए सीईओ मिश्रा के नेतृत्व में संपूर्ण प्रक्रिया

कर्मचारियों के वेरिफिकेशन की प्रक्रिया मंदिर के नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिटायर्ड एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में हो रही है। उन्होंने पिछले महीने ही पद संभाला है। मंदिर प्रशासन में बड़े स्तर पर बदलाव भी किए गए हैं। ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा और गोपाल राव को उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया है। ट्रस्ट के सदस्य दिनेंद्र दास ने कहा कि ट्रस्ट की ओर से लिए गए फैसले सभी को स्वीकार होंगे।

चढ़ावा चोरी के बाद कई स्तर पर बदलाव

दरअसल, जून में मंदिर में चढ़ावे की चोरी का मामला सामने आया था। इस मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया था. सभी आरोपी फिलहाल जेल में हैं। पिछले हफ्ते इस मामले में 70 हजार पन्नों की चार्जशीट भी दाखिल की गई थी। इसके बाद मंदिर प्रशासन में सुरक्षा और निगरानी को लेकर कई स्तर पर बदलाव किए जा रहे हैं।



कर्मियों की पूरी जानकारी जुटाएगा ट्रस्ट

ट्रस्ट की ओर से कर्मचारियों के परिवार और रिश्तेदारों की जानकारी भी मांगी गई है। इसके जरिए कर्मचारियों की पृष्ठभूमि को बेहतर तरीके से समझने की कोशिश होगी। मंदिर प्रशासन सुरक्षा से जुड़े इंतजामों को और मजबूत कर रहा है। यह फैसला मंदिर में चढ़ावे की चोरी का मामला सामने आने के बाद लिया गया है।

बदलाव का मकसद व्यवस्थाओं को मजबूत करना : दिनेंद्र दास

ट्रस्ट के सदस्य दिनेंद्र दास ने कहा मंदिर में पूजा-पाठ की व्यवस्था सुचारू रूप से चल रही है। दान की व्यवस्था भी ठीक तरीके से चल रही है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंच रहे हैं। मंदिर प्रशासन अब कर्मचारियों की निगरानी बढ़ाने के साथ श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर भी ध्यान दे रहा है। ट्रस्ट की ओर से मंदिर प्रशासन में किए जा रहे बदलावों का मकसद सुरक्षा और व्यवस्थाओं को मजबूत करना बताया गया है।

संघ प्रमुख भागवत बोले

धर्म और राष्ट्र अलग नहीं, अशांत दुनिया में भारत की भूमिका अहम

एजेंसी ▶▶ मुंबई

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने अखिल भारतीय विहार सेवा समूह के 14वें सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में धर्म और राष्ट्र अलग नहीं हैं। राष्ट्र का उद्देश्य धर्म है और धर्म राष्ट्र को बनाए रखने में मदद करता है। धर्म संकट में आया तो देश खामियाजा भुगतेगा।

मोहन भागवत ने कहा, हमारा राष्ट्र और धर्म अलग नहीं हैं। राष्ट्र का उद्देश्य धर्म है और धर्म राष्ट्र को बनाए रखता है। दोनों एक-दूसरे पर निर्भर हैं। अगर एक मौजूद है, तो दूसरा भी मौजूद है। अगर एक नहीं है, तो दूसरा भी नहीं है। उन्होंने कहा कि दुनिया विकास और पर्यावरण सुरक्षा, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पारिवारिक जीवन के बीच संतुलन खोज रही है।

संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने कहा कि दुनिया विकास और पर्यावरण संरक्षण, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पारिवारिक जीवन तथा धार्मिक आस्था और संघर्ष जैसे मुद्दों को लेकर असमंजस का सामना कर रही है।

भारत के पास विशाल ज्ञान परंपरा

भागवत ने कहा कि भारत के पास एक विशाल ज्ञान परंपरा है जिसमें वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत, गीता, जैन आगम, त्रिपिटक, गुरु ग्रंथ साहिब और संतों की शिक्षाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा, "हमारे देश के पास ज्ञान का एक बहुत बड़ा खजाना है, जिसकी आज दुनिया को जरूरत है। कोई भी व्यक्ति भक्ति की शक्ति के माध्यम से परमात्मा के करीब आ सकता है।

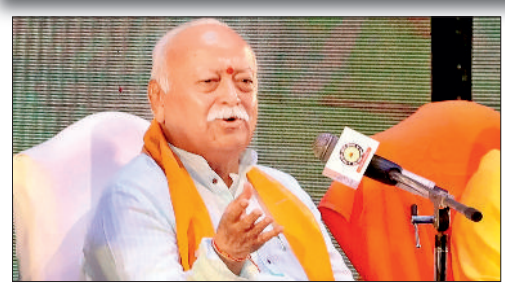

परंपराओं की रक्षा करना मानवता की सोच है : भागवत के अनुसार, इस ज्ञान को आगे बढ़ाने वाले लोगों के जीवन और परंपराओं की रक्षा करना केवल एक धार्मिक जिम्मेदारी नहीं बल्कि मानवता की सेवा है। उन्होंने कहा, "आप केवल एक जीवन की रक्षा नहीं कर रहे हैं। आप पूरी मानव जाति के सुरक्षित भविष्य की रक्षा कर रहे हैं।

धर्म राष्ट्र को बनाए रखने में मदद करता है

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया के सामने मौजूद कई चुनौतियों से निपटने में देश के आध्यात्मिक ज्ञान की भूमिका है। भागवत ने यहां कहा, हमारा राष्ट्र और धर्म अलग नहीं हैं। राष्ट्र का उद्देश्य धर्म है और धर्म राष्ट्र को बनाए रखने में मदद करता है। दोनों एक-दूसरे पर निर्भर हैं। अगर एक है तो दूसरा भी है और अगर एक नहीं है तो दूसरा भी नहीं है।

दुनिया जानती है रास्ता भारत से निकलेगा : भागवत

उन्होंने कहा, दुनिया परेशान है। हर खुशी अधूरी रह जाती है, हर आकांक्षा के साथ कुछ न कुछ हानि जुड़ी होती है और हर निष्ठा किसी दूसरी निष्ठा से जुड़ी हुई है। वहां कोई संतुलन नहीं है, वहां चरमपंथ है। भागवत ने कहा कि दुनिया इन विरोधाभासों से बाहर निकलने के लिए भारत की ओर देख रही है। उन्होंने कहा, दुनिया जानती है कि रास्ता भारत से निकलेगा।

पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष वड़िंग ने राहुल को सौंपा इस्तीफा



नई दिल्ली। कांग्रेस की पंजाब इकाई में पिछले कई महीनों की खींचतान के बाद शुक्रवार को अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के पद से अपना इस्तीफा औपचारिक रूप से पार्टी नेतृत्व को सौंप दिया। पार्टी सूत्रों का कहना है कि केंद्रीय नेतृत्व जल्द ही नए प्रदेश अध्यक्ष के बारे में फैसला करेगा। वड़िंग ने शुक्रवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की और उन्हें औपचारिक रूप से अपना त्यागपत्र सौंपा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष से मुलाकात के बाद उन्होंने यह कहा कि गांधी ने उन्हें हमेशा की तरह बहुत प्यार दिया। वड़िंग ने संवाददाताओं से कहा कि राहुल गांधी ने उनसे पंजाब में हालात, वहां क्या हो रहा है और पार्टी को आगे क्या करना चाहिए, इस बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा, ''मैंने उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर अपने साढ़े चार साल के अनुभव को साझा किया। मैंने बताया कि हमारी चुनौतियां क्या हैं, इन चुनौतियों का सामना कैसे करना है और हमारी ताकत क्या है।

सुप्रीम कोर्ट ने 'एक देश, एक चुनाव' को लेकर संसदीय समिति के साथ बैठक रद्द की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने 6 अक्टूबर को संसदीय समिति के साथ प्रस्तावित 'एक देश, एक चुनाव' को लेकर होने वाली बैठक को रद्द कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, कोर्ट ने कहा कि इस मुद्दे पर चर्चा करना 'उचित या वांछनीय' नहीं हो सकता है, इसलिए यह बैठक रद्द की जाती है। बता दें कि बैठक को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता और सांसद कपिल सिब्बल ने इस पर आपत्ति जताई थी।

बैठक में क्या होना था?

चुनाव आयोग ने 28 सितंबर को एक ईमेल से भारत के मुख्य न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीशों के साथ 'अनौपचारिक बातचीत' का अनुरोध किया था, जिसे उसने 'स्थानीय अध्ययन यात्रा' बताया था। यह अनुरोध विधि और न्याय मंत्रालय के विधायी मामलों के विभाग से भेजा गया था। इस बातचीत में सीजेआई, अन्य न्यायाधीशों और संविधान के 129वां संशोधन विधेयक 2024 की जांच करने वाली संसदीय समिति शामिल होनी थी। इसी विधेयक में 'एक देश, एक चुनाव' का प्रावधान है।



कोर्ट ने क्या कहकर बैठक से इनकार किया?

सुप्रीम कोर्ट ने महासचिव कार्यालय के माध्यम से ईमेल का जवाब देते हुए विधायी विभाग को सूचित किया कि वरिष्ठ न्यायाधीशों ने प्रस्ताव पर चर्चा की थी। पत्र में कहा गया, उनका मत है कि प्रस्तावित संशोधन सुप्रीम कोर्ट के समक्ष न्यायिक समीक्षा का विषय बन सकता है, इसलिए प्रशासनिक स्तर पर इस मुद्दे पर चर्चा करना उचित या वांछनीय नहीं होगा। तदनुसार प्रस्तावित बैठक रद्द की जाती है। असुविधा के लिए खेद है।

संसदीय समिति के अध्यक्ष ने क्या कहा?

एक साथ चुनाव संबंधी संसदीय समिति के अध्यक्ष भाजपा सांसद और पूर्व कानून मंत्री पीपी चौधरी हैं। उन्होंने मीडिया को बताया था कि बैठक का उद्देश्य विधेयक पर चर्चा करना नहीं, बल्कि /"सदस्यों को सुप्रीम कोर्ट, उसकी लाइब्रेरी से परिचित कराने/" के लिए था, क्योंकि कुछ सदस्य वहां कभी नहीं गए। सांसद सिब्बल की आपत्ति मौजूदा न्यायाधीशों के साथ बैठक को लेकर थी, जो अंततः कानून की संवैधानिकता पर फैसला सुना सकते हैं।

छत्तीसगढ़ शासन पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग सामान्य वनमंडल, महासमुन्द (छत्तीसगढ़)

नीलाम का संक्षिप्त विज्ञापन

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि सामान्य वनमंडल महासमुन्द के पिथौरा काष्ठागार में ईमारती काष्ठ का निवर्तन ई ऑक्शन द्वारा दिनांक 07.10.2026 को किया गया जावेगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है कि वे नीलाम में भाग लेवें। ई-ऑक्शन की शर्ते एव अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमंडल कार्यालय/पिथौरा काष्ठागार से प्राप्त की जा सकती है।

नीलाम स्थल का नाम:- पिथौरा, नीलाम दिनांक :- 07.10.2026, नीलाम समय:- 9:00 बजे प्रात: से

नीलाम दिनांक 07.10.2026 को रखे जाने वाले वनोपज का अनुमानित मात्रा काष्ठागार पिथौरा

क्र.	प्रजाति	नया वनोपज				अन्सोल्ड (पुराना) वनोपज				कुल वनोपज			
		घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	फे. पोल	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	फे. पोल	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	फे. पोल
1	सागौन	0.000	0	0	0	1867.017	19807	61426	0	1867.017	19807	61426	0
2	साल	0.000	0	0	0	6.263	54	0	0	6.263	54	0	0
3	शीशम	0.000	0	0	0	1.087	0	0	0	1.087	0	0	0
4	बीजा	0.000	0	0	0	3.720	87	0	0	3.720	87	0	0
5	साजा	0.000	0	0	0	5.628	35	0	0	5.628	35	0	0
6	हल्दी मुंडी	0.000	0	0	0	16.945	0	0	0	16.945	0	0	0
7	धावड़ा	0.000	0	0	0	4.184	0	0	0	4.184	0	0	0
8	तिन्सा	0.000	0	0	0	0.000	0	0	0	0.000	0	0	0
9	खम्हार	0.000	0	0	0	0.000	0	0	0	0.000	0	0	0
10	पापड़ा	0.000	0	0	0	0.000	0	0	0	0.000	0	0	0
11	सलिहा मोदे	0.000	0	0	0	0.000	0	0	0	0.000	0	0	0
12	अन्य	0.000	0	0	0	9.135	1121	0	1334	9.135	1121	0	1334
	योग	**0.000**	**0**	**0**	**0**	**1913.979**	**21104**	**61426**	**1334**	**1913.979**	**21104**	**61426**	**1334**

काष्ठागार पिथौरा (सराईटार) 1440 नग व्यापारिक बांस (पुराना)
डिपो बागबहरा – 2249 नग व्यापारिक बांस पुराना
काष्ठागार डिपो पिथौरा – 9525 नग व्यापारिक बांस (पुराना)
बागबहरा डिपो – 17000 नग व्यापारिक बांस (पुराना)

बलौदाबाजार वनमण्डल अंतर्गत निस्तार/ उपभोक्ता/ अस्थाई पडाव डिपो में संग्रहित वनोपज की मात्रा

क्र.	डिपो	जलाऊ पुराना	व्यापारिक बांस पुराना (नग)	औद्योगिक बांस पुराना (बंडल)	क्र.	डिपो	फेसिंग पोल पुराना	जलाऊ पुराना	व्यापारिक बांस पुराना (नग)
1	बरपाली	51	4649	0	5	पलारी	0	0	404
2	बरगांव	0	2690	0	6	बालौदा बाजार	0	29	250
3	अ.प. नवागांव	0	0	1990	7	अ.प. देवपुर	0	0	0
4	सिमगा	34	0	0					

टीप :- 1. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स में रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है। 2. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईस मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने ई-वॉलेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ईएमडी की राशि जमा करना अनिवार्य है। 3. लॉट की गयी सूची एवं फोटो एम एस टी सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आईडी से लॉग इन करके देख सकते है। 4. ई-ऑक्शन में लॉट क्रय करने हेतु प्रथम क्रेता को 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा। उसी लॉट को क्रय करने के लिए अन्य क्रेताओं को 30 सेकण्ड अतिरिक्त समय प्राप्त होगा। 20 सेकण्ड तक बोली नहीं लगने पर लॉट पर बोली बंद हो जावेगा।

दूरभाष क्रमांक 07723-222084 (कार्यालय)

वनमण्डलाधिकारी
सामान्य वनमण्डल महासमुंद (छ.ग.)

जी. 262703618/1

निर्माणाधीन पुल ढहा : पांच घायल कई के मलबे में दबे होने की आशंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हमीरपुर

मसियाना गांव के पास निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा शुक्रवार को ढहने से पांच श्रमिक घायल हो गए और छह अन्य के मलबे में दबे होने की आशंका है। यह पुल मटौर-शिमला चार लेन मार्ग पर बनाया जा रहा है। पुल का हिस्सा ढहने के साथ निर्माण सामग्री और श्रमिक करीब 100 फुट गहरी खाई में गिर गए। इनमें से एक श्रमिक की हालत गंभीर बताई जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि करीब छह अन्य लोग मलबे में फंसे हुए हैं। एनएचएआई ने कहा कि जब 'लॉन्चिंग नोज' को पियर कैप के ऊपर रखा गया, तभी यांत्रिक खराबी के कारण वह अचानक ढह गया, जिससे ट्रस संरचना नीचे गिर गई।

राशिफल

मेष — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। परिवार का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ सन्तोषजनक रहेगा।

वृष — रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा। मानसिक शान्ति रहेगी।

मिथुन — नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। यात्रा पर जाना पड़ सकता है। खर्चों से परेशान हो सकते हैं। परिश्रम की अधिकता रहेगी। मांगलिक कार्य होंगे।

कर्क — कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। सेहत का ध्यान रखें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। कुटुम्ब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। परिश्रम अधिक होगा।

सिंह — लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं। किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। धार्मिक संगीत के प्रति रुचि हो सकती है।

कन्या — मित्रों का सहयोग मिल सकता है। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। मन अशान्त रहेगा। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

तुला — पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

वृश्चिक — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। माता का सानिध्य एवं सहयोग मिलेगा। वस्त्रों आदि के प्रति रुझान बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी।

धनु — किसी पुराने मित्र से पुन:सम्पर्क हो सकता हैं। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे। जीवनसाथी को स्वास्थ्य विकार रहेंगे। स्वास्थ्य विकार रहेंगे।

मकर — नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती हैं।

कुंभ — स्थान परिवर्तन भी सम्भव है। खर्च बढ़ेंगे। मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु अपनी भावनाओं को वश में रखें। क्रोध की तीव्रता में कमी आएगी।

मीन — कारोबार में विस्तार के लिए निवेश कर सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। माता से भी धन प्राप्ति हो सकती है। धन की स्थिति में सुधार होगा। मान सम्मान बढ़ेगा।

स्वच्छ भारत मिशन को मिली जनभागीदारी से नई गति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती और स्वच्छ भारत दिवस के अवसर पर आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने नई दिल्ली स्थित संकल्प भवन में आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की स्वच्छ भारत मिशन टीम के साथ रंगोली निर्माण गतिविधि में सहभागिता की। कार्यक्रम का आयोजन महात्मा गांधी जी के स्वच्छता संबंधी आदर्शों को स्मरण करने तथा स्वच्छता, जनभागीदारी और सामूहिक जिम्मेदारी के संदेश को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से किया गया।

■ स्वच्छ भारत दिवस समारोह में शामिल हुए केंद्रीय राज्य मंत्री : तोखन साहू



इस अवसर पर तोखन साहू ने महात्मा गांधी के स्वच्छता संबंधी विचारों को स्मरण करते हुए कहा कि गांधी जी ऐसे भारत की कल्पना करते थे, जो राजनीतिक स्वतंत्रता के साथ-साथ सामाजिक सुधार और स्वच्छता के आदर्शों को भी आत्मसात करे। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी जी ने स्वच्छता को आत्मनिर्भरता और मानवीय गरिमा से जोड़ा तथा स्वयं झाड़ू उठाकर समाज को स्वच्छता का संदेश दिया।

श्री साहू ने कहा कि महात्मा गांधी जी की स्वच्छ भारत की दृष्टि को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने वर्ष 2014 में स्वच्छ भारत मिशन का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने स्वच्छता के संकल्प को देश के सबसे बड़े जनआंदोलनों में से एक का स्वरूप दिया। गांधी जी ने स्वच्छता की दृष्टि की नींव रखी, जबकि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने जनभागीदारी, तकनीक, आधुनिक अपशिष्ट प्रबंधन और देशव्यापी स्वच्छता अवसंरचना के माध्यम से इसे व्यापक गति प्रदान की।

आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री ने 'स्वच्छता ही सेवा' जैसे अभियानों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास नागरिकों की भागीदारी को मजबूत करने और स्वच्छ भारत मिशन को निरंतर गति देने में महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता से जुड़े प्रयासों का प्रभाव स्वच्छता सुविधाओं, सार्वजनिक स्वास्थ्य, गरिमा और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के रूप में दिखाई देता है, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के लिए।

उन्होंने नागरिकों से स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने और महात्मा गांधी जी के स्वच्छ भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए सामूहिक संकल्प को और मजबूत करने का आह्वान किया।

शब्द पहेली - 6366

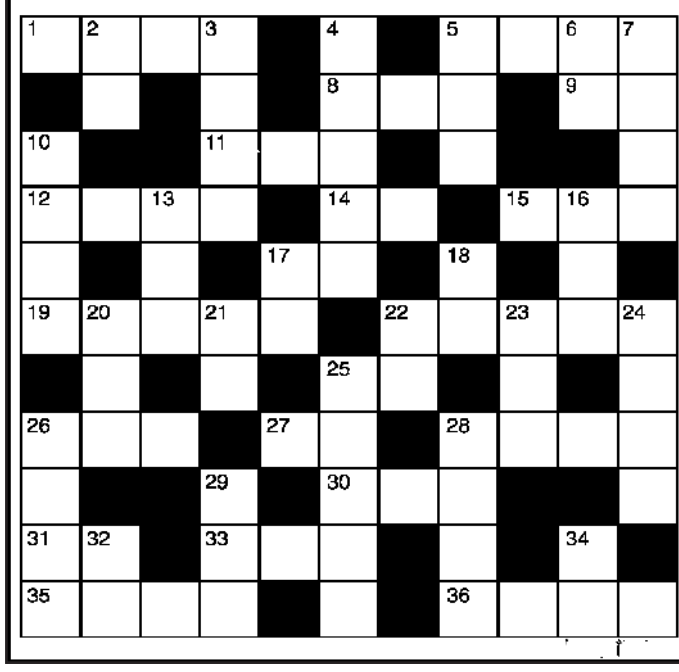

बाएँ से दाए
1. चिकित्सा, इलाज-4
5. पैतृक संपत्ति-4
8. बलवा, क्रांति-3
9. निम्न-2
11. सुअर, शूकर-3
12. चौबीसवें तीर्थंकर-4
14. केश-2
15. मुनाफा, अर्जित-3
17. मैदे की रोटी-2
19. मनोहर, आकर्षक-5
22. अनासक्ति, निर्विकारता-5
25. पानी, नीर-2
26. सूखा, दुष्काल-3
27. कांटा, कंटक-2
28. शांति, ध्वनिहीनता-4
30. तीक्ष्ण, तेजस्वी-3
31. लाख, गोंद-2
33. मधुक, महुआ-3
35. हृदयगति, स्पंदन-4
36. अनुक्रम, निरंतरता लयबद्ध-4

ऊपर से नीचे
2. पंख, पराया-2
3. राम का एक नाम-4
4. संरक्षक, देखरेख करने वाला, मुहाफिज-5
5. वियोग, जुदाई-3
6. गलत का विलोम-2
7. एकांतता, अकेलापन-4
10. मरियल, निर्बल-4
13. 'क्योंकि सास भी कभी बहु थी' में तुलसी इस परिवार की बहु है-3
16. मक्खन-3
17. रिश्ता-2
18. लाश-3
20. माला का मोती-3
21. यमराज-2
22. ललाट-2
23. ताप वर्धक-3
24. विदिर्ण-2.2
25. पानी का बहना-5
26. जुर्म, गुनाह-4
28. रसहीनता-4
29. प्रणाम, नमस्कार-3
32. लड़ी, श्रृंखला-2
34. दोस्त, सखा-2

शब्द पहेली- 6365 का हल

	बि	ज	ली	घ	र		मा	न	सि	क
दि	ल		ड़		ख	न	न		ना	रा
ल		था	र	दा	र		क	ली		मा
दु	ला	रा			खा	स		ख	प	त
ख		था		ना	व		ग		र	
ना	म	र	ख	ना		ध	म	क	दा	र
	यू		त		स	र		ट		जा
ह	र	म		झा	म			पी	स	ना
ड़		य	श		का	रा	वा	स		हो
ता	न		प	ग	ली		न		म	ना
ल	ख	प	ध		न	ग	र	व	धु	

सूडोकु नवताल - 6376

कठिनतम

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

MANGAL SENACHA, RANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6375 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

जंगल सफारी को बचाएगा गुजरात का वनतारा, लेंगे तकनीकी मदद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मानव निर्मित एशिया के सबसे बड़े जंगल सफारी में अब गुजरात, जामनगर के निजी जू ग्रींस जूलॉजिकल, रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर (वनतारा) की एंट्री होने वाली है। इस संबंध में 5 अक्टूबर को होने वाली स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड की मीटिंग में निर्णय लिया जाएगा।

अलग खबर

विभागीय स्तर पर जो मसौदा तैयार किया गया है, उसके हिसाब से इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के साथ ही वन्यजीवों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए जंगल सफारी प्रबंधन को मदद करने का काम वनतारा जू की टीम करेगी। जीजेडआरआरसी के साथ एमओयू का जो मसौदा तैयार किया गया है, उसमें वन्यजीवों के विविध संग्रह के प्रबंधन, संरक्षण, कल्याण, स्वास्थ्य सेवा, बचाव (रेस्क्यू) और पुनर्वास (रिहैबिलिटेशन) के कार्य शामिल हैं। संस्था की वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमताओं को और मजबूत करने तथा वन्यजीव प्रबंधन में समकालीन सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने की सुविधा के लिए, ग्रीन्स जूलॉजिकल, रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर के साथ एक औपचारिक तकनीकी सहयोग ढांचा स्थापित करने का प्रस्ताव है।

इसलिए एमओयू करने पर विचार

विभाग के अनुसार जीजेडआरआरसी, सीजेडए द्वारा मान्यता प्राप्त एक प्राणी शास्त्रीय और बचाव-पुनर्वास संस्थान है, जिनके पास वन्यजीव स्वास्थ्य सेवा, बचाव, पुनर्वास, संरक्षण प्रजनन (कंजर्वेशन ब्रीडिंग) और वैज्ञानिक प्रबंधन में विशेष बुनियादी ढांचा और विशेषज्ञता है। प्रस्तावित एमओयू दोनों संस्थानों के बीच आपसी हित के क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक संरचित ढांचा प्रदान करेगा।



इन बिंदुओं को ध्यान में रखकर एमओयू

- वन्यजीव प्रबंधन और संरक्षण - इसके तहत दोनों संस्थान मिलकर वन्यजीवों के संरक्षण, उनकी ब्रीडिंग और उनकी संख्या के प्रबंधन पर काम करेंगे। साथ ही सीजेडए के दिशा-निर्देशों के तहत वैज्ञानिक अनुसंधान और डेटा साझा करेंगे।
- पशु चिकित्सा और स्वास्थ्य - इसमें जानवरों के इलाज के तरीकों, रोगों की जांच, रेस्क्यू और पुनर्वास को बेहतर बनाने के लिए विशेषज्ञता साझा की जाएगी। इसके अलावा जानवरों के पोषण और उनके रहने के तौर-तरीकों को सुधारा जाएगा।
- क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण - कीपरों, डॉक्टरों और तकनीकी कर्मचारियों की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम और एक्सचेंज विजिट (एक-दूसरे के संस्थान में जाना) आयोजित किए जाएंगे।
- बुनियादी ढांचा और बायो-सिक्योरिटी - चिड़ियाघर के इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने, क्वारंटाइन नियमों और बायो-सिक्योरिटी (जैविक सुरक्षा) के सर्वश्रेष्ठ तरीकों को आपस में साझा किया जाएगा।
- भविष्य का सहयोग - यदि दोनों संस्थान भविष्य में किसी नए विषय पर सहयोग करना चाहें, तो वे सरकार और सीजेडए के नियमों के दायरे में रहकर ऐसा कर सकते हैं।

खबर संक्षेप



पद्मनाभपुर में खड़ी कार में लगी अचानक आग

दुर्ग। पद्मनाभपुर क्षेत्र में बुधवार रात एक कार में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। कार सीजी 07 बीच 9100 में आग लगने की सूचना तत्काल अग्निशमन कार्यालय दुर्ग को दी गई। जिला सेनानी व जिला अग्निशमन अधिकारी दिनेश कुमार राउटे ने बताया कि टीम ने आधुनिक अग्निशमन उपकरणों की मदद से तत्काल आग बुझाने का काम शुरू किया और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। एक दमकल वाहन के पानी का इस्तेमाल कर आग बुझाई गई और उसे आसपास के क्षेत्र में फैलने से रोक लिया गया। आगजनी की इस घटना में कार मालिक नलिन कुमार लुनिया की कार को काफी नुकसान होने की बात सामने आई है।

गोदाम में 98 हजार की चोरी, 9 गिरफ्तार

भिलाई। ग्राम समोदा में निर्माण सामग्री से भरे गोदाम में चोरी के मामले का जेवरा सिरसा पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने चोरी के मामले में तीन नाबालिग सहित 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने चोरी की करीब 98 हजार रुपए कीमत की निर्माण सामग्री बरामद की है। चोरी का सामान खरीदने वाले कबाड़ी को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वहीं दो आरोपी फरार है। घटना 28 सितंबर की देर रात ग्राम समोदा नदी रोड स्थित एक खेत के गोदाम में हुई। पुलिस के मुताबिक, प्रार्थी विमल कुमार ताम्रकार (52) को रात करीब 11.38 बजे गोदाम के पास संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिली। इसके बाद वे दुर्ग से समोदा स्थित गोदाम पहुंचे। रात करीब 12.25 बजे गोदाम पहुंचने पर उन्हें कुछ लोग सामान चोरी कर ले जाते दिखाई दिए। प्रार्थी ने आरोपियों को रोकने और पकड़ने का प्रयास किया। मामले की शिकायत के बाद चौकी जेवरा सिरसा पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने मामले में लोकेश चन्द्राकर, भगवंत देशमुख, ताकेश देशमुख, योगेश निषाद उर्फ बाऊ, पिलेश्वर उर्फ प्रवीण देशमुख और अनुप मिश्रा उर्फ राजू को गिरफ्तार किया है।

तीन दिनों से लापता का शव मिला पुल के नीचे

ओखरा/मुरमुंदा। अहिवारा क्षेत्र के नंदिनी थाना अंतर्गत ग्राम ओखरा में पिछले तीन दिनों से लापता व्यक्ति का सड़ा-गला शव शासकीय स्कूल के पास बने पुल के नीचे पानी में मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान ओखरा निवासी विजय रात्रे के रूप में हुई, जो 28 सितंबर से लापता थे। 30 सितंबर को उनके पुत्र उमेंद्र रात्रे ने गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। बुधवार शाम पुल के नीचे से दुर्गंध आने पर ग्रामीणों ने टॉर्च जलाकर देखा तो शव तो तैरता मिला। सूचना पर पहुंची नंदिनी पुलिस ने शव बाहर निकलवाया, जिसे परिजनों ने पहचाना। परिजनों नौ हत्या की आशंका जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने पहुंची टीम पर ग्रामीणों ने 8 से 10 हजार रुपये की मांग करने का गंभीर आरोप लगाया है।

प्रदेशवासियों को बेहतर, तेज और सुरक्षित आवागमन की मिलेगी सुविधा : साय

बारिश से उजड़ी सड़कें और पुल बनाने के लिए 672 करोड़ के दो दर्जन कार्यों के ठेके

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में भारी बारिश से उजड़ी सड़कों और पुल-पुलिया बनाने का काम अब तेज होगा। राज्य शासन ने इसके लिए तैयारियां पूरी करते हुए 672 करोड़ 22 लाख 30 हजार रुपए के 24 महत्वपूर्ण कार्यों की निविदाओं को मंजूरी दे दी है। इनमें नई सड़कों और पुलों के निर्माण के साथ मौजूदा सड़कों के उन्नयन, चौड़ीकरण, मजबूतीकरण, विद्युतीकरण और सौंदर्यीकरण के कार्य शामिल हैं। लोक निर्माण विभाग ने संबंधित अधिकारियों को चयनित ठेकेदारों एवं निर्माण एजेंसियों को यथाशीघ्र कार्यादेश जारी कर निर्माण कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रदेश में मजबूत सड़क एवं पुल अधोसंरचना का निर्माण राज्य सरकार की विकास प्राथमिकताओं में शामिल है। बेहतर सड़कें गांवों और शहरों के बीच कनेक्टिविटी मजबूत करने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और अन्य आवश्यक सेवाओं तक लोगों की पहुंच को सुगम बनाती हैं। इन परियोजनाओं के पूरा होने से आवागमन बेहतर होगा और व्यापार, पर्यटन सहित स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

खास खबर

उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में सड़क और पुल अधोसंरचना के विस्तार के लिए योजनाबद्ध ढंग से काम कर रही है। लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रदेशभर में 24 महत्वपूर्ण कार्यों की निविदाओं को मंजूरी दी गई है। अधिकारियों को कार्यादेश जारी कर बरसात के बाद निर्माण कार्यों को तत्काल गति देने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाएगा, जिससे प्रदेशवासियों को बेहतर, तेज और सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी।

धमतरी में कई महत्वपूर्ण मार्गों का चौड़ीकरण

धमतरी जिले में मेघा रोड तिराहा-स्टेशन रोड-चरमुड़िया राष्ट्रीय राजमार्ग-30 में 3.75 किलोमीटर चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण के लिए 14 करोड़ 45 लाख 12 हजार रुपए, पचपेड़ी-तर्रागोंदी-भेलवाकूदा-टिपानी-सेमरा (बी) मार्ग में पांच किलोमीटर चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण के लिए 13 करोड़ 32 लाख 82 हजार रुपए, नौ किलोमीटर छाती-गागरा-कंडेल-देवपुर मार्ग के लिए 23 करोड़ 12 लाख 46 हजार रुपए तथा 10 किलोमीटर अर्जुनी-भानपुरी-तरसींवा-कुर्रा-अमलीडीह-हसदा सड़क के लिए 19 करोड़ 42 लाख 22 हजार रुपए की निविदा मंजूर की गई है। राजनांदगांव-गुंडरदेही-धमतरी-नगरी सिहावा-बोराई राज्य मार्ग में 23 किलोमीटर लंबाई के मजबूतीकरण एवं डामरीकरण के लिए 11 करोड़ 70 लाख 83 हजार रुपए की निविदा को भी मंजूरी दी गई है।

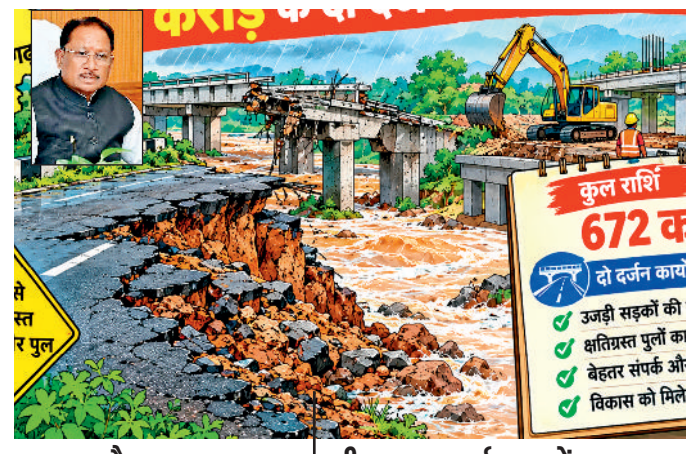

अरपा और खारुन पर बनेंगे उच्च स्तरीय पुल

राज्य शासन ने बिलासपुर जिले में लोधीपारा (सरकंडा)-कोनी मार्ग में अरपा नदी पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग के लिए 17 करोड़ 63 लाख 32 हजार रुपए तथा चोरहादेवरी-परसदा मार्ग में खारुन नदी पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग के लिए 7 करोड़ 68 लाख 16 हजार रुपए की निविदा को स्वीकृति दी है। इन पुलों के निर्माण से संबंधित क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा और स्थानीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

तीन महत्वपूर्ण सड़कों का होगा उन्नयन

लोक निर्माण विभाग ने सड़क उन्नयन के तीन कार्यों के लिए कुल 78 करोड़ 96 लाख 74 हजार रुपए की निविदाओं को मंजूरी दी है। इनमें बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में 37 करोड़ 37 लाख 96 हजार रुपए लागत का पुल-पुलिया सहित 18 किलोमीटर परसवार-चलगली मार्ग, रायपुर में 17 करोड़ 32 लाख 31 हजार रुपए लागत से अभनपुर के पुराने राष्ट्रीय राजमार्ग-30 के 2.60 किलोमीटर हिस्से का फोरलेन उन्नयन तथा रायगढ़ में 24 करोड़ 26 लाख 47 हजार रुपए लागत का 12.30 किलोमीटर कोड़ातराई-पुसौर-सूरजगढ़ सड़क का उन्नयन शामिल है।

इन जिलों में बनेंगी नई सड़कें

लोक निर्माण विभाग ने दुर्ग जिले में पुलगांव पुल मुख्य मार्ग से अंजोरा-रसमड़ा राज्य मार्ग में पुल-पुलिया सहित 5.28 किलोमीटर फोरलेन सड़क के निर्माण के लिए 28 करोड़ 2 लाख 70 हजार रुपए की निविदा को मंजूरी दी है। धमतरी जिले में राजनांदगांव-गुंडरदेही-धमतरी-नगरी सिहावा-बोराई राज्य मार्ग के आमदी नगर पंचायत में 3.50 किलोमीटर फोरलेन गौरव पथ के निर्माण एवं सौंदर्यीकरण के लिए 19 करोड़ 26 लाख 10 हजार रुपए की निविदा स्वीकृत की गई है। राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ में पुल-पुलियों सहित आठ किलोमीटर फोरलेन परिक्रमा पथ के लिए 46 करोड़ 22 लाख 8 हजार रुपए, बिलासपुर जिले में 17.61 किलोमीटर झाल से नगपुरा मार्ग के लिए 29 करोड़ 91 लाख 92 हजार रुपए, महासमुंद जिले में पुल-पुलियों सहित 6.50 किलोमीटर सल्डीह-बहादुरपुर मुख्य जिला मार्ग के लिए 11 करोड़ 27 लाख 98 हजार रुपए, बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में 7.60 किलोमीटर सिविलदाग-नीलकंठपुर सड़क के लिए 14 करोड़ 13 हजार रुपए तथा रायगढ़ जिले में 3.40 किलोमीटर उर्दना-कृष्णापुर-खैरपुर मार्ग के लिए 13 करोड़ 74 लाख 29 हजार रुपए की निविदा को मंजूरी दी गई है।

18 आपराधिक प्रकरणों वाले हरेराम प्रसाद पर जिलाबदर की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

जिले में कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक शांति बनाए रखने के लिए दुर्ग पुलिस द्वारा लगातार आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के खिलाफ जिलाबदर की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सुपेला क्षेत्र के कॉन्ट्रेक्टर कॉलोनी निवासी हरेराम प्रसाद के खिलाफ जिलाबदर आदेश जारी किया गया है। जिला दण्डाधिकारी दुर्ग ने पुलिस प्रतिवेदन और उपलब्ध आपराधिक अभिलेखों के आधार पर 1 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 की धारा 5(क)(ख) के तहत यह आदेश पारित किया है। आदेश के मुताबिक हरेराम प्रसाद को आदेश की तारीख से एक सप्ताह के भीतर निर्धारित जिलों की सीमा से बाहर जाने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाबदर आदेश में हरेराम प्रसाद के खिलाफ वर्ष 1999 से विभिन्न आपराधिक और प्रतिबंधात्मक प्रकरण दर्ज होने का उल्लेख किया गया है। पुलिस प्रतिवेदन में मारपीट, गाली-गलौज, धमकी, बलवा, चोरी, जुआ, शासकीय कार्य में बाधा और हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं के प्रकरणों का उल्लेख है।



■ दुर्ग सजित 7 जिलों में एक साल प्रवेश प्रतिबंधित

आदेश के अनुसार 1 अक्टूबर से एक वर्ष तक हरेराम प्रसाद को बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के दुर्ग सहित कुल 7 जिलों की सीमा में प्रवेश करने पर प्रतिबंध रहेगा। दुर्ग समेत रायपुर, धमतरी, बेमेतरा, बालोद, राजनांदगांव और खैरागढ़-छुईखदान-गंडई की सीमा से बाहर रहने का आदेश जारी की गई है। जिला दण्डाधिकारी के आदेश में हरेराम प्रसाद के खिलाफ कुल 18 आपराधिक और प्रतिबंधात्मक प्रकरणों का उल्लेख किया गया है। इनमें वर्ष 1999 से लेकर 2015 तक के मामले शामिल हैं। इनमें धारा 307 सहित जुआ एक्ट और प्रतिबंधात्मक धाराओं के प्रकरण भी दर्ज होने का उल्लेख है। पुलिस के अनुसार, लंबे समय से दर्ज आपराधिक एवं प्रतिबंधात्मक प्रकरणों को देखते हुए सार्वजनिक शांति और कानून-व्यवस्था पर संभावित प्रतिकूल प्रभाव को ध्यान में रखते हुए जिलाबदर की कार्रवाई की गई है।

नारायणपुर में सामान्य से 40 फीसदी ज्यादा बारिश कांकेर में 13 फीसदी कम

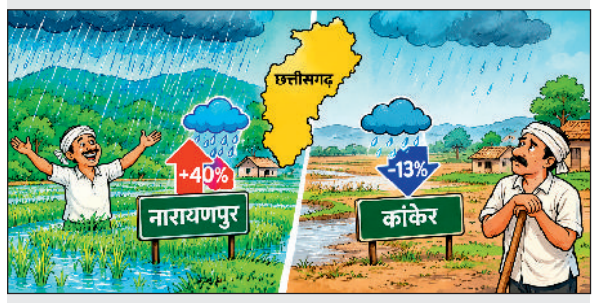

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

मानसून बस्तर संभाग पर मेहरबान रहा, लेकिन सितंबर अंत के भारी बारिश ने दो एक-दो जिलों में तबाही मचा दी। संभाग के सात जिलों में से छह जिलों में बारिश सामान्य रही। जबकि नारायणपुर में सामान्य से अधिक बारिश दर्ज की गई। वहीं कांकेर में सामान्य से कम बारिश के बावजूद वर्षा के मापदंडों के मुकाबले सामान्य ही रहा। 2026 का मानसून इस बार बारिश के लिहाज से काफी सक्रिय रहा। संभाग के सातों जिलों में जून से सितंबर 2026 तक हुई संचयी वर्षा के आंकड़ों में व्यापक अंतर सामने आया है। नारायणपुर जिला करीब 1,715 मिलीमीटर बारिश के साथ संभाग में सबसे अधिक वर्षा वाला जिला रहा। यहां सामान्य से 40 फीसदी ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की गई। जबकि कांकेर सामान्य से 13 फीसदी कम 1150 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। सितंबर के अंतिम सप्ताह में हुई मूसलाधार बारिश ने संभाग के कई जिलों में वर्षा के आंकड़ों को तेजी से बढ़ाया और कई स्थानों पर बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति निर्मित हुई। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार नारायणपुर 1,715 मिमी बारिश के साथ पहले स्थान पर है। इसके बाद बीजापुर में 1519 मिमी, बस्तर जिले में 1,367 मिमी, दंतेवाड़ा में 1450 मिमी, उत्तर बस्तर कांकेर में 1,150.7 मिमी, सुकमा में 1224 मिमी और कोंडागांव में 1284 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

एक दिन में भी हुई भारी बारिश

25 सितंबर तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार बस्तर जिले में एक दिन में 188.2 मिमी, कोंडागांव में 161.8 मिमी और नारायणपुर में 151.9 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। इस भारी बारिश ने कई इलाकों में सामान्य जनजीवन को प्रभावित किया। मानसून की अंतिम अवधि में हुई इस तेज बारिश का असर केवल शहरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों, कृषि भूमि, सड़कों और नदी-नालों के आसपास बसे गांवों पर भी पड़ा। बाढ़ और जलभराव के बाद अब प्रशासन के सामने प्रभावित क्षेत्रों में नुकसान के आकलन, जल निकासी और सामान्य जनजीवन बहाल करने की चुनौती है।

प्रीमियम वाइन शॉप कैशलेस

अब ऑनलाइन पेमेंट पर ही मिलेगी शराब

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश शासन तथा आबकारी विभाग के आदेश पर गुरुवार से प्रदेश की सभी प्रीमियम विदेशी मदिरा दुकानों में शराब खरीदी करने कैशलेस सुविधा शुरू कर दी गई है। कैश में शराब बिक्री पूरी तरह से बंद कर दी गई है। शराब खरीदने ग्राहकों को यूपीआई तथा कार्ड से पेमेंट करना पड़ रहा है। पहले दिन रायपुर की कई प्रीमियम शॉप में ट्रांजेक्शन में परेशानी होने की बात सामने आई है। इसके लिए सेल्समैन समेत शराब खरीदने वाले ग्राहकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

इसलिए ऑनलाइन बिक्री

शराब दुकान में तय कीमत से ज्यादा कीमत पर शराब बिक्री करने की शिकायतें मिलती रहती हैं। साथ ही शराब दुकान में काम करने वाले सेल्समैन तथा अन्य के खिलाफ पैसों की अफरातफरी की शिकायतें भी होती रहती हैं। शासन ने सभी प्रीमियम शॉप से कैशलेस शराब बिक्री करने का निर्णय लिया है। इससे शराब की कीमत को लेकर पारदर्शिता बनी रहेगी।

टैक्स-ई-20 पेट्रोल की मार, 80 फीसदी चौपट हो गया पुरानी कारों का कारोबार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आम आदमी का सपना अपने घर के साथ ही कार का भी होता है। जो मध्यम वर्ग नई कार नहीं ले पाते, वे पुरानी कार खरीदकर अपना सपना पूरा करते हैं। प्रदेश में कुछ समय पहले तक पुरानी कारों का बड़ा कारोबार होता था। हर माह नई कारों से डबल करीब दस हजार से ज्यादा कारें बिकती थीं, लेकिन अब पुरानी कारों का धंधा 80 फीसदी चौपट हो गया है। इसके पीछे का कारण कारोबारी टैक्स और ई-20 पेट्रोल को बताते हैं। इस कारण अब हर माह मुश्किल से दो हजार कारें ही बिक पा रही हैं। आने वाले समय में इसका कारोबार पूरी तरह से चौपट होने की संभावना है। अपने प्रदेश में भी पुरानी कारों



का बड़ा बाजार है। राजधानी रायपुर के साथ ही दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव, बिलासपुर और कोरबा सहित कई शहरों में पुरानी कारें बेचने वाले बहुत कारोबारी हैं। सबसे बड़ा कारोबार दुर्ग-भिलाई और रायपुर में होता है। रायपुर में तो मारुति कार बेचने वाली कंपनी का भी पुरानी कारें बेचने का कारोबार है। अन्य शहरों में भी मारुति कार कंपनी के डीलर पुरानी कारें बेचते हैं। कुछ और

कम बजट की कारें ही बिक रहीं

कारोबारियों के मुताबिक, अभी जो हर माह दो हजार कारें बिक रही हैं, वे सब कम बजट वाली हैं। इनकी कीमत एक से तीन लाख है। ज्यादा बजट वाली कारें लेने से लोग बच रहे हैं। पांच से दस लाख बजट वाली कारों का कारोबार लगभग नहीं के बराबर हो गया है। जिनके पास पांच से दस लाख का बजट है, वे इतने बजट वाली नई कार लेना पसंद कर रहे हैं। कारोबारियों के मुताबिक, जिन कारोबारियों के यहां हर माह 50 से 100 कारें बिक जाती थीं, अब मुश्किल से 10 से 20 कारें ही बिक रही हैं।

थाने तक पहुंचा मामला, प्रत्याशी ने थाने में दी लिखित शिकायत

युवक कांग्रेस के चुनाव में दोनों पक्ष कर रहे जीत-हार का दावा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव की वोटिंग प्रक्रिया समाप्त होने के साथ ही दुर्ग-भिलाई क्षेत्र में सियासी पारा गरमा गया है। चुनाव के अंतिम दिनों में फर्जी वोटिंग, ऐप हैकिंग, वर्चुअल नंबरों से ओटीपी और झड़प जैसे गंभीर आरोपों से माहौल बेहद तनावपूर्ण बना हुआ है। दुर्ग-भिलाई में ऑनलाइन मतदान प्रक्रिया को लेकर काफी सवाल उठे हैं। भिलाई नगर विधानसभा क्षेत्र से युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पद के प्रत्याशी अर्जुन शर्मा ने खुद खुर्सीपार थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। बता दें कि इस चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी दिलचस्पी ले रहे हैं और उनके समर्थक मैदान पर हैं। उनका मुकाबला विधायक देवेन्द्र यादव के समर्थकों से बताया जाता है। फिलहाल दोनों पक्ष अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। थाने में दी शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया है कि सेक्टर-10 निवासी अनिल सिंह और उनके सहयोगियों द्वारा फर्जी वोटर आईडी कार्ड तैयार करवाकर ऑनलाइन फर्जी मतदान कराया गया। खुर्सीपार स्थित सरकारी आईटीआई में युवाओं से कथित तौर पर फर्जी वोटिंग कराने का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इसे लेकर भी उन्होंने आपत्ति जताई। साथ ही वर्चुअल नंबरों, एआई तकनीक से वीडियो/फोटो जनरेट करने और फर्जी ओटीपी के जरिए वोट मैनेज करने के आरोप के साथ चुनावी ऐप को लेकर लगाए गए हैं।

यूथ कांग्रेस चुनाव को लेकर छत्तीसगढ़ में दुर्ग जिला हॉट स्पॉट बना हुआ है। यहां पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और विधायक देवेंद्र यादव के समर्थक अध्यक्ष पद के लिए अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। यह कहा जा रहा है कि दोनों दिग्गजों ने इस चुनाव को अपने पक्ष में करने के लिए पूरा जोर लगाया है।

स्क्रूटनी और भाजपा का हमला

स्क्रीनिंग में निरस्त हो सकते हैं वोट : कांग्रेस के चुनावी तंत्र से जुड़े पदाधिकारियों का कहना है कि दर्ज शिकायतों की जांच होगी और स्क्रूटनी के दौरान संदिग्ध फर्जी वोटों को रद्द किया जाएगा।

भाजपा का तंज

इस पूरे विवाद को लेकर भाजपा ने सोशल मीडिया पर कांग्रेस पर तीखा निशाना साधा है। भाजपा प्रवक्ताओं ने इसे कांग्रेस की अंदरूनी गुटबाजी, मतदाता सूची में धांधली और वोट चोरी का जीता-जागता प्रमाण बताया है।

गुटबाजी और हिंसक झड़पें

दुर्ग-भिलाई शुरू से ही युवा कांग्रेस चुनाव का सबसे बड़ा हॉटस्पॉट रहा है, जहां पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और विधायक देवेंद्र यादव समर्थकों के बीच खींचतान की खबरें सामने आई हैं। कुछ दिन पहले ही खुर्सीपार क्षेत्र में प्रचार के दौरान भिलाई नगर प्रत्याशी रोबिन सिंह के समर्थकों (कांग्रेसी पार्षद के बेटे रोहन सिंह) और अर्जुन शर्मा के भाई शुभम शर्मा के बीच धक्का-मुक्की और मारपीट हुई थी, जिसके बाद पुलिस को बीच-बचाव करना पड़ा।

खबर संक्षेप



यूपीआई लेनदेन की संख्या सितंबर में घटी

मुंबई। यूपीआई के जरिये लेनदेन सितंबर में मासिक आधार पर 1.8 प्रतिशत घटकर 2,407 करोड़ रहा। भारतीय रिजर्व बैंक के जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा संचालित यूपीआई (एकीकृत भुगतान इंटरफेस) के जरिये अगस्त में 2,450 करोड़ लेनदेन हुए थे। आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में यूपीआई के जरिये लेनदेन का कुल मूल्य भी 1.50 प्रतिशत घटकर 29.37 लाख करोड़ रुपये रहा, जो अगस्त में 29.82 लाख करोड़ रुपये था।

सेबी ने एसएमसी ग्लोबल पर लगाया जुर्माना



नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने ग्राहकों के ऑर्डर देने से जुड़े रिकॉर्ड रखने और अधिकृत व्यक्ति की निगरानी के नियमों के पालन में चूक के मामले में दिल्ली स्थित एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह आदेश जनवरी से सितंबर 2024 की अवधि के लिए 'शेयर ब्रोकर' की विशेष जांच के बाद आया। बाजार नियामक ने यह जांच बिना अनुमति के कारोबार किए जाने की शिकायतों और ग्राहकों के ऑर्डर देने की प्रक्रिया के संबंध में की।

हुंडई मोटर ने सितंबर में दर्ज की सर्वाधिक मासिक बिक्री



नई दिल्ली। हुंडई मोटर इंडिया की निर्यात सहित कुल मासिक बिक्री सितंबर में सालाना आधार पर 10.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अब तक के उच्चतम स्तर 77,916 इकाई पर पहुंच गई। मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी ने बताया कि सितंबर में घरेलू बिक्री 57,166 इकाई रही, जो सालाना आधार पर 10.9 प्रतिशत अधिक है। वहीं, निर्यात सालाना आधार पर 10.4 प्रतिशत बढ़कर 20,750 इकाई हो गया। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं तरुण गर्ग ने कहा, हमें खुशी है कि सितंबर 2026 में घरेलू बिक्री और निर्यात को मिलाकर कुल मासिक बिक्री 77,916 इकाई के अब तक के उच्चतम स्तर पर रही।

अमेजन नाउ अब 120 से अधिक शहरों में मौजूद



बेंगलुरु। अमेजन ने अपनी त्वरित आपूर्ति सेवा 'अमेजन नाउ' का विस्तार भारत के 120 से अधिक शहरों तक कर दिया है। ई-कॉमर्स कंपनी ने त्योहारों से पहले अपने डिलीवरी नेटवर्क को मजबूत करने के बीच दो सप्ताह में इसका विस्तार दोगुना किया है।
अमेजन ने शुक्रवार को बयान में कहा कि यह सेवा अब अमृतसर, अबोहर, जालंधर, अंबाला, मंगलुरु, मणिपाल, विशाखापत्तनम, कोच्चि, चंगनाशेरी, भुवनेश्वर और कारवार समेत शहरों में उपलब्ध है।

नेपाल में सितंबर में पहुंचे सबसे अधिक पर्यटक



काठमांडू। नेपाल में सितंबर महीने में सबसे अधिक विदेशी पर्यटक पहुंचे। इस दौरान 17,425 भारतीय पर्यटक नेपाल आए जो सालाना आधार पर 12 प्रतिशत अधिक है। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। नेपाल पर्यटन बोर्ड (एनटीबी) के अनुसार, सितंबर में कुल 88,248 विदेशी पर्यटक नेपाल पहुंचे। अगस्त की तुलना में भी पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। अगस्त में हिमालयी देश में 85,444 विदेशी पर्यटक पहुंचे थे।

दुनिया पर महंगाई का खतरा, फ्यूल सब्सिडी हो सकती है 1 ट्रिलियन डॉलर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव का आपकी जेब पर भी होगा असर, कच्चे तेल की कीमतें करीब 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंची

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव का असर अब सिर्फ तेल बाजार तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया भर की सरकारों के बजट पर भी इसका दबाव बढ़ रहा है। कच्चे तेल की कीमतें करीब 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने के बीच कई देश पेट्रोल-डीजल और दूसरी जरूरी चीजों की कीमतों को काबू में रखने के लिए सब्सिडी, टैक्स में राहत और कीमतों पर सीमा जैसे कदम उठा रहे हैं। लेकिन लंबे समय तक ऐसा करना सरकारों के लिए आसान नहीं होगा। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल दुनिया में फ्यूल सब्सिडी पर होने वाला खर्च 1 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 9,61,03,02,24,00,000 रुपए तक जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, अप्रैल से सितंबर के बीच महंगे फ्यूल और खाने-पीने की चीजों से लोगों को राहत देने वाले तरीके अपनाने वाले देशों की संख्या करीब दोगुनी हो गई। इन सरकारी कदमों का सीधा फायदा आम लोगों को मिला है। अनुमान है कि इस साल करीब 13 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे जाने से बच सके। लेकिन अब सरकारों के सामने दूसरी चुनौती खड़ी हो रही है।

महंगा तेल बढ़ा रहा परेशानी

पश्चिम एशिया का तनाव लंबा खिंचने से ऊर्जा बाजार पर दबाव बना हुआ है। तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर पेट्रोल, डीजल, गैस और परिवहन लागत पर पड़ता है। इसका असर आगे चलकर खाने-पीने और रोजमर्रा की दूसरी चीजों की कीमतों पर भी दिखाई दे सकता है। इसी वजह से कई सरकारें लोगों पर तुरंत पड़ने वाले बोझ को कम करने के लिए अलग-अलग तरीके अपना रही हैं। कहीं फ्यूल पर सब्सिडी दी जा रही है, तो कहीं कीमतों की अधिकतम सीमा तय की गई है। कुछ देशों ने टैक्स में भी राहत दी है। लेकिन तेल महंगा रहने पर इन उपायों का खर्च लगातार बढ़ता जाएगा।



अल नीनो से खाने-पीने की चीजें हो सकती हैं महंगी

एनर्जी संकट के साथ मौसम भी चिंता बढ़ा रहा है। इस समय मजबूत अल नीनो की स्थिति बन रही है। इससे कई इलाकों में सामान्य से ज्यादा गर्मी, सूखा या बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो सकती है।

सरकारों के बजट पर बढ़ रहा दबाव

समस्या सिर्फ तेल की कीमतों तक सीमित नहीं है। दुनिया के कई देशों में कर्ज लेना पहले के मुकाबले महंगा हो गया है। ऐसे में सरकारों के लिए अतिरिक्त पैसा जुटाना मुश्किल हो रहा है। एक तरफ लोगों को महंगाई से बचाने की जरूरत है और दूसरी तरफ सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ रहा है।

आम लोगों पर असर

महंगे ईंधन का असर सिर्फ पेट्रोल पंप तक नहीं रहता। ट्रक, बस और दूसरे वाहनों का खर्च बढ़ने पर सामान को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाना महंगा हो जाता है। इसका असर सब्जियों, अनाज और रोजमर्रा की दूसरी चीजों की कीमतों पर पड़ सकता है। भारत जैसे तेल आयात करने वाले देशों के लिए भी लंबे समय तक महंगा कच्चा तेल चुनौती बन सकता है। सरकारें कीमतों पर राहत देने के अलग तरीके भी निकाल सकती है, लेकिन इसका असर सरकारी वित्त पर पड़ सकता है। यूएनडीपी के मुताबिक, सितंबर में कम से कम 10 देशों में महंगी एनर्जी से जुड़ी सामाजिक अशांति और परफॉर्मेंस भी देखने को मिले।

साख निर्धारण एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल की रिपोर्ट

डेटा सेंटर नीति के मामले में तेलंगाना महाराष्ट्र व उप्र शीर्ष राज्यों में शामिल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कंपनियों को तेलंगाना में बिजली और मजबूत समर्थन मिला

भारत में डेटा सेंटर के लिए तेलंगाना सबसे आकर्षक नीतिगत पैकेज देने वाला राज्य बनकर उभरा है। उसे बिजली और नियामकीय प्रोत्साहनों के मामले में मजबूत समर्थन मिला है। वित्तीय शोध और साख निर्धारित करने वाली एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई।

तेलंगाना सबसे आकर्षक पैकेज देने वाला राज्य बना

रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश ने बिजली, बुनियादी ढांचे, पूंजी और नियामकीय व्यवस्था से जुड़े व्यापक प्रोत्साहनों के साथ संतुलित नीतियां तैयार की हैं। 'इंडिया फॉरवर्डः रीइमैजिनिंग ग्रोथ' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया कि गुजरात ने बड़े स्तर के डेटा सेंटर संचालकों (हाइपरस्केलर्स) को आकर्षित करने के लिए बिजली और कारोबार सुगमता के मामले में सबसे लाभकारी प्रावधान किए हैं।

सूची में चार राज्यों को 50 अंक मिले

एसएंडपी ग्लोबल एनर्जी के 'डेटा सेंटर पॉलिसी अट्रैक्टिवनेस इंडिया' (डीसीपीएआई) सूचकांक में इन चारों प्रमुख राज्यों को करीब 50 अंक मिले हैं। इस सूचकांक में 11 राज्यों द्वारा 2016 से लागू की गई 19 नीतियों का मूल्यांकन किया गया। इनमें सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), आईटी आधारित सेवाएं (आईटीईएस), डेटा सेंटर और वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) से संबंधित नीतियां शामिल हैं।



चार प्रमुख प्रोत्साहन श्रेणियां तय

नीतियों का मूल्यांकन चार प्रमुख प्रोत्साहन श्रेणियों (बिजली, जमीन और पूंजी, परिचालन एवं तकनीकी सहायता तथा नियामकीय व्यवस्था और कारोबार सुगमता) के आधार पर किया गया। दूसरे समूह में 42 से 45 अंक वाले ओडिशा, हरियाणा, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक शामिल हैं।

पूंजी से जुड़े प्रोत्साहन में आंध्रप्रदेश आगे

इस समूह में जमीन और पूंजी से जुड़े प्रोत्साहनों के मामले में आंध्र प्रदेश आगे है, जबकि कर्नाटक में कारोबार सुगमता से जुड़े उल्लेखनीय प्रावधान हैं। इनमें आवश्यक सेवाओं के रखरखाव से संबंधित कानून के तहत संरक्षण भी शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, ओडिशा और हरियाणा की नीतियां परियोजना के पूरे जीवन चक्र को ध्यान में रखते हुए व्यापक प्रोत्साहन देने पर केंद्रित हैं।

मौजूदा क्षमता करीब 1,5 गीगावाट की

रिपोर्ट के अनुसार, राज्यों के बीच यह प्रतिस्पर्धा डेटा सेंटर क्षेत्र में बड़े विस्तार के बीच हो रही है। भारत में उद्यमों के लिए साझा और समर्पित डेटा सेंटर सुविधाओं की मौजूदा क्षमता करीब 1.5 गीगावाट (जीडब्ल्यू) है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले एक दशक में पांच गीगावाट क्षमता के लिए प्रतिबद्धताएं पहले ही की जा चुकी हैं, जबकि छह से सात गीगावाट अतिरिक्त क्षमता की घोषणा हो चुकी है या उसकी योजना शुरुआती चरण में है।

डेटा सेंटर की बिजली मांग बढ़ने का अनुमान

रिपोर्ट के अनुसार, हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग तथा परिचालन संबंधी बिजली खपत समेत भारतीय डेटा सेंटर की कुल बिजली मांग 2025 से 2035 के बीच सालाना औसतन 18 प्रतिशत की चक्रवृद्धि दर से बढ़ने का अनुमान है।

कृषि, वानिकी और मत्स्य पालन क्षेत्र की वृद्धि दर घटाया

इक्रा ने कमजोर मानसून के कारण कृषि वृद्धि दर का अनुमान घटाया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली



रेटिंग एजेंसी इक्रा ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए कृषि, वानिकी और मत्स्य पालन क्षेत्र की वृद्धि दर के अनुमान को 1.3 प्रतिशत से घटाकर लगभग एक प्रतिशत कर दिया है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून की बारिश इस साल दीर्घकालीन औसत (एलपीए) के मुकाबले 87 प्रतिशत पर आने को देखते हुए वृद्धि दर घटायी गयी है। यह औसत 2015 के बाद सबसे कम है।

इक्रा ने मानसून पर अपनी समीक्षा रिपोर्ट में कहा कि कम और असमान बारिश ने खरीफ बुवाई को पहले ही प्रभावित किया है। यह सितंबर के अंत तक पिछले वर्ष के स्तर से 1.2 प्रतिशत कम रही। जलाशयों के विशेष रूप से दक्षिणी और कुछ उत्तरी राज्यों में घटे जलस्तर ने आगामी रबी सत्र को लेकर चिंता बढ़ा दी है। एजेंसी ने कहा, ''फसल उत्पादन और कृषि आय पर कमजोर मानसून के संभावित असर को लेकर इक्रा सतर्क बनी हुई है।'' इसके साथ ही चेतावनी दी गई कि कृषि आय में कमी वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी छमाही में ग्रामीण मांग को सुस्त कर सकती है और खाद्य मुद्रास्फीति के लिए जोखिम पैदा कर सकती है।

- अनुमान को 1.3 प्रतिशत से घटाकर लगभग एक प्रतिशत किया

जून-सितंबर के दौरान 'अल नीनो' के प्रभाव के कारण बारिश दीर्घकालीन औसत के मुकाबले 87 प्रतिशत रही।

मध्य भारत में सामान्य बारिश दर्ज

दूसरी ओर उत्तर-पश्चिम भारत में 94 प्रतिशत बारिश हुई। मध्य भारत एकमात्र प्रमुख क्षेत्र रहा जहां सामान्य बारिश दर्ज की गई, जो एलपीए का 97 प्रतिशत है। सितंबर के अंत तक खरीफ का रकबा 11.07 करोड़ हेक्टेयर रहा, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में लगभग 1.2 प्रतिशत कम है।

लाइसेंस उल्लंघन अपराध की श्रेणी से बाहर

पेट्रोलियम से जुड़े अपराधों के लिए कड़े दंड का प्रस्ताव

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सरकार ने पेट्रोलियम क्षेत्र में सार्वजनिक सुरक्षा, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और अनधिकृत परिचालन से जुड़े गंभीर अपराधों के लिए आपराधिक दंड को बरकरार रखने या सख्त करने का प्रस्ताव किया है।

साथ ही पेट्रोलियम लाइसेंस की शर्तों के उल्लंघन जैसे विनियामक उल्लंघनों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने और एक दीवानी जुर्माना व्यवस्था शुरू करने का प्रस्ताव भी किया गया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पेट्रोलियम अधिनियम, 1934 के मसौदा संशोधनों पर जनता और उद्योग जगत से टिप्पणियां मांगी हैं।

आपराधिक दंड को बरकरार रखने का प्रस्ताव

इसमें कानून के अपराध, दंड और प्रवर्तन से जुड़े प्रावधानों में बड़े बदलाव का प्रस्ताव किया गया है। पेट्रोलियम अधिनियम, 1934 को पेट्रोलियम के आयात, परिवहन, भंडारण, उत्पादन, शोधन और सम्मिश्रण से संबंधित कानून को संशोधित करने के लिए लागू किया गया था।

मसौदा संशोधनों पर टिप्पणियां मांगते हुए मंत्रालय ने कहा, ''लाइसेंस की शर्तों के उल्लंघन जैसे विनियामक मुद्दों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने और प्रशासनिक तंत्र के माध्यम से दीवानी जुर्माना लगाने की व्यवस्था करने के लिए पेट्रोलियम अधिनियम, 1934 में संशोधन का प्रस्ताव किया गया है।''

मंत्रालय के अनुसार, प्रस्तावित संशोधन पेट्रोलियम परिचालन के विभिन्न पहलुओं से संबंधित विशिष्ट अपराधों के खिलाफ पर्याप्त रोकथाम करते हैं। प्रस्तावित संशोधनों के तहत लाइसेंस शर्तों के उल्लंघन से आपराधिक मुकदमे के बजाय एक प्रशासनिक न्याय व्यवस्था के माध्यम से निपटा जाएगा।

पहले उल्लंघन के लिए 2.5 करोड़ का जुर्माना

अधिकारी पहले उल्लंघन के लिए 2.5 करोड़ रुपये तक और दूसरे या उसके बाद के उल्लंघन के लिए पांच करोड़ रुपये तक का दीवानी जुर्माना लगा सकता है। हालांकि, अगर लाइसेंस उल्लंघन से सार्वजनिक सुरक्षा खतरे में पड़ती है या गंभीर चोट या मृत्यु होती है, तो उनसे आपराधिक मामलों की तरह निपटा जाएगा।

जनता से सुझाव व टिप्पणियां आमंत्रित

मसौदे में कई गंभीर अपराधों के लिए कड़े दंड का भी प्रस्ताव किया गया है। मंत्रालय ने अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर आम जनता और उद्योग से जुड़े पक्षों से टिप्पणियां एवं सुझाव आमंत्रित किए हैं।

महात्मा गांधी जयंती पर बाजार रहे बंद

मुंबई। महात्मा गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में शुक्रवार 2 अक्टूबर को शेयर बाजार, मुद्रा, जिंस और सराफा बाजार बंद रहे। शेयर बाजार में तीन और चार अक्टूबर को भी कामकाज नहीं हो पाएगा। शेयर बाजार में शनिवार और रविवार को ट्रेडिंग सेशन नहीं होते हैं। सराफा बाजार में कुछ स्थानों पर शनिवार को कारोबार हो सकता है।

हिंडाल्को इंडस्ट्रीज ने एलुकैम के अधिग्रहण की योजना की रद्द

नई दिल्ली। आदित्य बिड़ला समूह की धातु क्षेत्र की कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने सौदे को पूरा करने में लगातार हो रही देरी के बीच अमेरिका स्थित एलुकैम कंपनीज इंक के 12.5 करोड़ डॉलर के प्रस्तावित अधिग्रहण की योजना रद्द कर दी है। आदित्य बिड़ला समूह की प्रमुख धातु कंपनी ने बीएसई को दी सूचना में बताया कि हिंडाल्को और अमेरिका स्थित कंपनी ने एलुकैम तथा उसके विशेष कैल्साइंड और टेबूलर एल्युमिना कारोबार के प्रस्तावित अधिग्रहण के लिए किए गए इक्विटी खरीद समझौते को संयुक्त रूप से समाप्त करने का फैसला किया है।हिंडाल्को इंडस्ट्रीज ने कहा कि हालांकि, विशेष एल्युमिना कारोबार का विस्तार करने की उसकी रणनीति बरकरार है। सूचना में कहा गया, ''एलुकैम कंपनीज इंक (एलुकैम) और उसके विशेष कैल्साइंड तथा टेबूलर एल्युमिना कारोबार के प्रस्तावित अधिग्रहण को लेकर एलुकैम और कंपनी ने उचित विचार-विमर्श के बाद इक्विटी खरीद समझौते को समाप्त करने का संयुक्त रूप से फैसला किया है।

- कंपनी ने 12 .5 करोड़ डॉलर के प्रस्तावित अधिग्रहण योजना की रद्द

उत्पादन की क्षमता बढ़ाकर 10 लाख टन करना है

हिंडाल्को का एल्युमिना कारोबार विशेष एल्युमिना और एल्युमिना हाइड्रेट पर केंद्रित है, जिनका विनिर्माण कंपनी अपने संयंत्रों में करती है। हिंडाल्को के पास फिलहाल पांच लाख टन विशेष एल्युमिना की उत्पादन क्षमता है और उसका लक्ष्य वित्त वर्ष 2030 तक इसे बढ़ाकर 10 लाख टन करना है।

रॉयल एनफील्ड की बिक्री सितंबर में 8 फीसदी बढ़ी

मुंबई। विदेशी मुद्रा प्रवासी (बैंक) जमा समेत सावधि जमा के एवज में बैंकों का कर्ज 31 अगस्त, 2026 तक सालाना आधार पर 43.2 प्रतिशत बढ़कर 2.04 लाख करोड़ रुपये हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। एक साल पहले 31 अगस्त तक यह कर्ज 1.43 लाख करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष के आधार पर भी 31 मार्च, 2026 के 1.69 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले इसमें 20.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सावधि जमा के एवज में कर्ज में यह तेज वृद्धि ऐसे समय हुई है जब कुल बैंक कर्ज भी 31 अगस्त, 2026 तक सालाना आधार पर 19.1 प्रतिशत बढ़कर 223.88 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले 188.01 लाख करोड़ रुपये था।

विदेशी निवेशक सितंबर में शुद्ध रूप से बिकवाल रहे

एफपीआई ने शेयर बाजार से निकाले 35,860 करोड़

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली



विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) लगातार दो महीने की खरीदारी के बाद सितंबर में शुद्ध रूप से बिकवाल रहे। उन्होंने शेयर बाजार से 35,860 करोड़ रुपये निकाले। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी निवेशकों की बिकवाली अक्टूबर में भी जारी रही और उन्होंने एक अक्टूबर को भारतीय शेयर बाजार से 9,232 करोड़ रुपये और निकाले। इससे पहले एफपीआई ने जुलाई में भारतीय शेयरों में 20,200 करोड़ रुपये और अगस्त में 29,630 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

- विदेशी निवेशकों की बिकवाली अक्टूबर में जारी रही

ताजा बिकवाली के साथ एफपीआई 2026 में अब तक भारतीय शेयरों से करीब 2.7 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। यह पूरे 2025 में हुई 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से काफी अधिक है।

अल्फा एएमसी के कोष प्रबंधक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राजेश सिंगला ने कहा कि एफपीआई मुख्य रूप से बाहरी कारकों की वजह से भारतीय शेयरों से पैसा निकाल रहे हैं।

इनमें होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़ी आपूर्ति संबंधी चिंताओं के बीच कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, रुपये की विनिमय दर में गिरावट, अमेरिकी बॉण्ड पर ऊंची प्रतिफल दर, जुलाई-अगस्त में निवेश के बाद मुनाफावसूली और एआई आधारित उत्तर एशियाई बाजारों की ओर पूंजी का रुख शामिल है। सीईओ ने कहा, यह वैश्विक स्तर पर पूंजी के आवंटन का मामला है, घरेलू कंपनियों की कमाई का नहीं। सिंगला ने कहा कि घरेलू एसआईपी के जरिये लगातार आ रहा निवेश विदेशी बिकवाली के असर को कम करने में मदद कर रहा है।

कच्चे तेल और अमेरिकी बांड का पड़ेगा असर

विश्लेषकों के अनुसार, आगे एफपीआई निवेश पर ईरान-अमेरिका संघर्ष और उसका कच्चे तेल की कीमतों पर असर महत्वपूर्ण रहेगा। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अमेरिकी बॉण्ड पर अधिक प्रतिफल से भारतीय शेयरों और एफपीआई निवेश पर दबाव पड़ सकता है। अमेरिका की 10 साल की बॉन्ड प्रतिफल करीब पांच प्रतिशत है।

इंफो एज के प्रमुख ब्रांड नौकरी डॉट कॉम की रिपोर्ट

सितंबर में दफ्तरों की नौकरी में दो फीसदी की वृद्धि

एजेंसी ▶▶| मुंबई

एआई और वाहन क्षेत्र की मांग के चलते मामूली वृद्धि हुई

मुख्य रूप से कृत्रिम मेधा तथा मशीन लर्निंग (एआई/एमएल) भूमिकाओं और साथ ही वाहन क्षेत्र में मजबूत मांग के चलते सितंबर में दफ्तरों में काम करने को लेकर नियुक्तियों में सालाना आधार पर दो प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई। जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इंफो एज के प्रमुख ब्रांड नौकरी डॉट कॉम की इस रिपोर्ट के अनुसार सितंबर में दफ्तरों की नियुक्तियां मोटे तौर पर स्थिर रहीं और इनमें सालाना आधार पर दो प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। इसके साथ ही 'नौकरी जॉबस्पीक इंडेक्स' पिछले वर्ष के इसी महीने के 3,002 की तुलना में बढ़कर 3,053 पर पहुंच गया।

मंच रुझानों की निगरानी करता है

'नौकरी जॉबस्पीक' एक मासिक सूचकांक है जो नौकरी डॉट कॉम के मंच पर नई नौकरियों की पोस्टिंग और नियोक्ताओं द्वारा की जाने वाली खोजों के आधार पर भारत के रोजगार बाजार और नियुक्ति गतिविधियों के रुझानों की निगरानी करता है।



एआई और मशीन लर्निंग में 20 फीसदी की तेजी

रिपोर्ट से पता चला कि कृत्रिम मेधा और मशीन लर्निंग से जुड़ी भूमिकाओं में जोरदार वृद्धि का दौर जारी रहा और सितंबर में यह 20 प्रतिशत बढ़ी, जबकि वाहन क्षेत्र में 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। समीक्षाधीन माह के दौरान बीपीओ/आईटीईएस और वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) में नियुक्तियों में चार-चार प्रतिशत की वृद्धि हुई।

बीमा, बैंकिंग व वित्तीय सेवाएं स्थिर रहे

अन्य प्रमुख क्षेत्रों में बीमा, खुदरा, बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएं तथा रियल एस्टेट मोटे तौर पर स्थिर रहे। वहीं आईटी/सॉफ्टवेयर सेवाओं में चार प्रतिशत, फार्मा/जैव प्रौद्योगिकी में चार प्रतिशत, रोजमर्रा के उपभोग की वस्तुओं (एफएमसीजी) में चार प्रतिशत और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में तीन प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

हैदराबाद में नौ फीसदी की वृद्धि

महानगरों में हैदराबाद ने सालाना आधार पर नौ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। इसके बाद चेन्नई में छह प्रतिशत तथा बेंगलुरु और कोलकाता में चार-चार प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। पुणे का स्तर जहां स्थिर रहा, वहीं दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में छह-छह प्रतिशत की गिरावट आई।

प्रथम पृष्ठ का शेष

सीईसी ज्ञानेश के ....

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की इजाजत नहीं दी है। हिरासत में लिए गए लोगों को बसों में भरकर अलग-अलग पुलिस थानों ले जाया गया। जंतर-मंतर के पास हिरासत में लिए गए लोगो में दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना, आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रमुख सौरभ भारद्वाज, कार्यकर्ता योगेंद्र यादव और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएसए) की अध्यक्ष नेहा बोरा शामिल थीं। प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और एआईएसए के सदस्यों समेत कई लोग शामिल थे।

आदित्य ठाकरे ने किया समर्थन- शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने मुंबई में सीजेपी के प्रदर्शन का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि मुंबई लोकतंत्र को वापस हासिल करने के लिए आगे आ रहा है और लोगों से सीजेपी के प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की। आदित्य ठाकरे ने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार ने लोगों का वोट और आवाज छीन ली है और इन्हें वापस हासिल करने की जरूरत है।

दत्तक या सरोगेसी ....

क्षेत्र में भी जैविक से इतर दत्तक या सरोगेसी के माध्यम से मातृत्व सुख प्राप्त करने वाली महिलाओं को भी कुल 26 सप्ताह (6 महीने) का वेतन सहित अवकाश मिलना चाहिए। अभी उन्हें 12 सप्ताह (लगभग 3 महीने) का अवकाश मिलता है।

9 प्रमुख क्षेत्रों में की 37 सिफारिशें- एनसीडब्ल्यू ने कुल 9 प्रमुख क्षेत्रों में 37 सिफारिशें की हैं। जिसके पीछे इसी साल मई महीने की शुरुआत में राष्ट्रीय राजधानी में मातृत्व और बाल देखभाल से जुड़े विभिन्न कानूनों को लेकर आयोजित किए गए राष्ट्रीय परामर्श में हुई चर्चाएं मुख्य वजह बनकर उभरी हैं। सिफारिशों में औपचारिक कार्यबल से बाहर जैसे असंगठित क्षेत्र, गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों तक मातृत्व एवं बाल देखभाल के लिए मिलने वाले लाभ का विस्तार करना है। आज 90% से अधिक महिला श्रमिक प्रभावी सामाजिक सुरक्षा कवरेज से बाहर हैं। इसके अलावा राज्य सरकारों, नियोक्ताओं के सहयोग से एक समर्पित मातृत्व, बाल देखभाल कोष के जरिए सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 की धारा 109 को क्रियान्वित करने की सिफारिश भी की गई है। पीएम मातृ वंदना योजना को सार्वभौमिक, कानूनी रूप से अधिकार बनाने का प्रस्ताव भी आयोग ने अपनी सिफारिशों में किया है।

पिकअप-ऑटो की जोरदार...

और फुलकुंवर पति जगजीवन (60) की मौत हो गई। तीनों मृतक महिलाएं ग्राम करहीपारा छिंदिया की निवासी थीं। हादसे के बाद घायलों को तत्काल पटना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने तीन महिलाओं को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल महिलाओं का उपचार जारी है।

आज से मानसून ....

अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। सितंबर के अंतिम दिनों में राज्य में मूसलाधार बारिश हुई है। पिछले शनिवार यानी सप्ताहभर से इसकी गतिविधि पर विराम लगा है, जिसे मानसून की वापसी का लक्षण माना गया है। मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मानसून शनिवार से छत्तीसगढ़ छोड़ने की तैयारी में है। अनुमान है कि कल राज्य के एक बड़े हिस्से से इसकी विदाई की अधिकृत घोषणा हो सकती है। मानसून भले ही देश के कई इलाकों में कम बरसे हो, मगर छत्तीसगढ़ में इसका असर अच्छा हुआ है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक 1 जून से 30 सितंबर के दौरान राज्य में बारिश का आंकड़ा औसत से 5 प्रतिशत अधिक रहा है। मानसून के शुरुआती दौर यानी जून के महीने में तमाम सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई, जबकि जुलाई और अगस्त में कुछ जिलों में इसका प्रभाव मूसलाधार जैसी स्थिति में रहा। सितंबर में प्रदेश के कई जिलों में बारिश औसत से कम दर्ज की गई। प्रदेश में जून से सितंबर तक कुल 1195.1 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो औसत 1142.1 मिमी से 53 मिमी यानी 5 प्रतिशत अधिक रही।

नारायणपुर में 40 फीसदी ज्यादा, सरगुजा में 41 प्रतिशत कम

इस सीजन में बारिश का असर जिलों में असामान्य तरीके से रहा। नारायणपुर में सर्वाधिक 1715.5 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो औसत से 40 प्रतिशत अधिक थी। वहीं सरगुजा में सबसे कम 687.6 मिमी वर्षा हुई, जो सामान्य से 41 प्रतिशत कम है। जशपुर और बेमेतरा में भी सामान्य से 36 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई। दूसरी ओर बालोद, कोंडागांव और गरियाबंद, रायपुर जैसे जिलों में औसत से अधिक बारिश हुई।

सबसे ज्यादा और सबसे कम वर्षा

जिला	कुल वर्षा	औसत से अंतर प्रतिशत में
नारायणपुर	1715.5	+40
बलरामपुर	1553.5	+ 55
बीजापुर	1519.7	+11
दंतेवाड़ा	1450.9	+12
गरियाबंद	1436.6	+36
रायपुर	1322.9	+29
बेमेतरा	674.1	-36
जशपुर	873.5	-36
सरगुजा	687.6	-41
कोरिया	947.8	-14
रायगढ़	1027.7	-14

गांधी को सिर्फ ...

0 गांधी जी के संदर्भ में एक बड़ा वर्ग है जो आरोपों के कटघरे में उन्हें खड़ा करता है। और खासतौर पर उनके ऊपर आरोप है कि वह मुस्लिम परस्त थे। उन्होंने मुसलमानों को जरूरत से ज्यादा प्रश्रय देने की कोशिश की। दूसरा उनको दलितों के उद्धारक के तौर पर भी प्रस्तुत किया जाता है?

00 असल में क्या होता है कि जब भी कोई आदमी किसी दूसरे रास्ते पर जाने लगता है या हमारी अपनी स्केल से बड़ा होने लगता है, तो सामान्य वृत्ति है कि उसको खींचकर अपने धरातल पर ले आओ। संतोष हो जाता है कि नहीं-नहीं, हमारी तरह का है। गांधी जी के साथ ऐसी ही बात जिन्ना के संदर्भ में भी हुई और आंबेडकर के संदर्भ में भी हुई। इसीलिए जिन्ना और गांधी की जो वार्ता हुई है, आखिरी वार्ता विभाजन से पहले, विभाजन को टालने के संदर्भ में, उसमें आखिर में आकर के जिन्ना एक जगह कहते हैं कि, बड़ी दिक्कत यह हो रही है हम लोगों की बातचीत में कि मैं मुसलमानों का प्रतिनिधि बनकर आपसे बात कर रहा हूं और आप मुसलमानों के और हिंदुस्तान के प्रतिनिधि बनकर बात करते हैं। आप भी हिंदुओं के प्रतिनिधि बन जाइए, बहुत आसानी से रास्ता निकल जाएगा। गांधी ने कहा, यह तो जीवन में ही संभव नहीं है। मैं किसी एक का प्रतिनिधि नहीं हूँ। और उस दिन जो गांधी जी ने वार्ता बंद की जिन्ना से, फिर मरने तक उनसे कभी बातचीत नहीं की। यह जीवन मूल्य है। जिस जीवन मूल्य के टकराहट में अगर आप आते हो, तो तुमको शून्य के अलावा कुछ मिलेगा नहीं। इसीलिए जिन्ना को यह दिक्कत गांधी जी से होती रही और इतना नकारात्मक भाव उनमें पैदा हुआ कि यह आदमी हमारे लिए स्पेस ही नहीं छोड़ता है। यह कहता है, मैं भी मुसलमानों का प्रतिनिधि हूं। कहते हैं, तुम कैसे हो सकते हो? वह कहता है, मैं इसलिए हो सकता हूँ कि मैंने सेवा की है उनकी। मैंने सेवा के बल पर वह अधिकार अर्जित किया है कि मैं मुसलमानों की तरफ से बोल सकूँ।

0 इतिहास के पन्नों को पलटकर देखते हैं, तो जिस शख्स को राष्ट्रपिता कहकर संबोधित किया, वह स्वयं एक पिता के तौर पर सफल महसूस नहीं होता। इसके संदर्भ में कुमार प्रशांत की खोजी दृष्टि क्या देख पाई?

00 बहुत अच्छा सवाल है यह और इस सवाल का बहुत सीधा सा जवाब है जो हर पिता समझ सकता है। कि अगर तुम सिर्फ अपने बेटे के पिता हो, तब नजर दूसरी तरह से काम करती है और जब तुम बहुत लोगों के पिता बन जाते हो, तब नजर दूसरी तरह से काम करती है। तो गांधी अपने बच्चों के संदर्भ में और वह भी एक बच्चे के संदर्भ में ज्यादा विफल हुए। इसलिए कि उनके लिए सिर्फ वह बेटा ही नजर में नहीं था, और भी बहुत सारे थे जिसके बापू थे वह। तो क्या करें? कितने बेटों के बारे में उनकी निजी आकांक्षाओं की चिंता करें? तो कहते हैं कि किसी को तो अपनी निजी आकांक्षाएं छोड़नी पड़ेंगी, तो मेरे बेटे को सबसे पहले छोड़ देनी चाहिए क्योंकि बाकी बेटों के बारे में भी मुझको कहना है कुछ। इसलिए यह चीज दिखाई देती है।

0 लोग तो मूल्यांकन असहयोग आंदोलन के संदर्भ में भी करते हैं। देश तो तभी आजाद हो गया होता अगर गांधी जी ने चौरी-चौरा के बाद में आंदोलन को अचानक वापस न ले लिया होता।

00 हां ठीक है। यह कहने वाले कहते हैं। लेकिन तब भी यह कहना पड़ेगा शायद, किसी को कहना चाहिए जोर से, कि गांधी जिस रास्ते से आजादी की तरफ जाना चाह रहे हैं, उस रास्ते से भले वह 100% देश को न ले जा पाए हों, 75% ले जा पाए हों। लेकिन उसी कारण गांधी आज गांधी हैं। देश आज कुछ अलग नजर से दुनिया में आज भी इतने सारे पतन के बावजूद भी देखा जा रहा है। क्योंकि एक रास्ता था जिस रास्ते की कीमत असहयोग के समय में गांधी ने चुकाई, कि नहीं, इस रास्ते से आजादी मिलेगी तो मुझको नहीं चाहिए।

0 कुल मिलाकर भविष्य को लेकर क्या उम्मीद देखते हैं कुमार प्रशांत जी? जीवन के 75 साल आपके भी पूरे हो गए। गांधी को लेकर इस देश और दुनिया, दोनों के संदर्भ में क्या देख पाते हैं?

00 मैं बहुत उम्मीद से देखता हूं क्योंकि मैं बहुत सारे अंडर-करेंट्स देख रहा हूं। आज दुनिया में जितने दुनिया के देशों में जितने लोग सड़कों पर उतरे हुए हैं सत्ता के खिलाफ, उतने लोग इस शताब्दी में कभी उतरे हुए नहीं थे। यह क्यों उतरे हुए हैं? रूस में देखो, अमेरिका में देखो, जहां देखो हर जगह लोग सड़क पर हैं। यह कहने के लिए सड़क पर हैं कि हमारा शासक गलत है। यही बात तो गांधी कह रहे थे कि नहीं कहना सीखो। आज बहुत सारे लोग नहीं बोल रहे हैं। मैं बहुत खुश हूं इससे कि यह ताकत बढ़ेगी आगे। मैं देखता हूं कि भाई गांधी ने कहा था आजादी के बाद अब आप कैसे लड़ेंगे किसी ने पूछा। आजादी तो मिल गई, अब सत्याग्रह करेंगे, धरना देंगे, जुलूस देंगे।

कच्चा माल, पक्का इलाज...

सब्जियों की फसलों में इन अवशेषों को खनिज पोषक तत्वों के संभावित स्रोत के रूप में इस्तेमाल करने के संकेत मिले हैं।

बुजुर्ग के शव को ले जाने एंबुलेंस नहीं...

बुजुर्ग का शव फांसी के फंदे पर लटकते मिला था। घटना के 5 दिनों बाद बुजुर्ग के शव बरामद किया गया। शव को ले जाने के लिए मुक्तांजलि वाहन एंबुलेंस को फोन किया गया लेकिन नहीं मिल पाया। इसलिए दुखी परिवारजन शव को बांस बल्ली लकड़ी के सहारे पॉलीथिन में लपेटकर कंधे में लादकर ले जाने को मजबूर हो गए। इस घटना ने एक बार फिर सिस्टम की बदहाली की पोल खोलकर रख दी है। मिली जानकारी के अनुसार मैनपुर से 9 किमी दूर विशेष पिछड़ी कमार जनजाति ग्राम बेहराडीह के एक बुजुर्ग ग्रामीण सुमेरसिंह नेताम (62 वर्ष) 28 सितम्बर से लापता था और 2 अक्टूबर को 5 दिनों बाद उसका शव बरदुला जंगल पेड़ में लटका मिला। शव पूरी तरह क्षत-विक्षत हो चुका था। इस संबंध मे स्वास्थ्य विभाग मैनपुर में एंबुलेंस की मांग की, लेकिन वह नहीं मिला। एक तरफ सरकार द्वारा शव को पोस्टमार्टम केन्द्र और घर तक ले जाने के लिए मुफ्त एंबुलेंस वाहन सेवा प्रारंभ किया गया है लेकिन विशेष पिछड़ी कमार जनजाति दुखी परिवार को इस योजना का लाभ नहीं मिल पाया। डॉक्टर ने जंगल मे पहुंचकर किया पोस्टमार्टम - मैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के वरिष्ठ डॉ के डी जोगी ने जंगल में विधिवत पोस्टमार्टम किया और पंचनामा कर शव परिजनों को सौंप दिया। लेकिन पहले तो शव को चीरघर तक लाने के लिए शव वाहन नहीं मिला फिर घर तक ले जाने के लिए भी मुक्तांजलि वाहन नहीं मिला तो परिवार के लोगों ने शव को बांस बल्ली की चैली बनाकर कंधे मे लादकर ले गए। क्या कहते हैं बीएमओ - मैनपुर बीएमओ डॉ. गजेंद्र ध्रुव से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि जिले का मुक्तांजलि वाहन ग्राम कुड़ेदादर गया हुआ था, जिसके कारण वह समय पर उपलब्ध नहीं हो सका।

फ्लाइट हाईजैक को यूएई ने बताया 'टेरर एक्ट'...

पात्र हैं, क्योंकि उन्होंने एक खतरनाक आतंकवादी घटना और संभावित आपदा के समय साहस और जिम्मेदारी की मिसाल पेश की है। बेहद मुश्किल हालात में भी उनकी पेशेवर सोच और नैतिक समझ उन्हें एक असली हीरो बनाती है।'आगे लिखा, 'जो हुआ उसे बहुत आसान समझकर देखने या साजिश की थ्योरी को मानने और बढ़ावा देने के बजाय, चरमपंथ और आतंकवाद के खतरों का सामना करने के लिए सतर्कता और सावधानी बरतना जरूरी है।'घटना के बाद यह पहली बार है जब यूएई के किसी बड़े अधिकारी ने फ्लाईदुबई की उड़ान को दुर्घटनाग्रस्त करने की कथित कोशिश को आतंकवादी हमला बताया है।

जवान की गोली लगने से मौत आत्महत्या या...

आश्वासन दिया। इसके बाद परिजनों की सहमति से जवान का अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया। मृतक जवान के दो पुत्र हैं। अंतिम संस्कार के दौरान उनके बड़े पुत्र ने मुखाग्नि दी। इस दौरान क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता भी मौजूद रहे। परिजन का कहना है कि जवान की मौत से जुड़े सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच होने के बाद ही घटना की वास्तविकता सामने आ सकेगी। फिलहाल जवान की मौत को लेकर परिजन की ओर से निष्पक्ष जांच की मांग जारी है।

तमिलनाडु में हाईवे साइन बोर्ड...

टी. मुथुलक्ष्मी को सस्पेंड किया गया है। टीवी न्यूज चैनलों पर साइनबोर्ड के वीडियो दिखाए जाने और उन पर लिखे हिंदी अक्षरों को काला किए जाने के बाद विभाग ने यह कार्रवाई की है। सरकार ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में तमिल और अंग्रेजी की दो-भाषा नीति का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी।

विदेशी श्रद्धालुओं ने पितरों...

पिंडदान और तर्पण कर रहे हैं। शुक्रवार को भी यहां विष्णुपद मंदिर क्षेत्र के पास फल्गु नदी के तट पर स्थित देवघाट पर कई विदेशी श्रद्धालुओं ने अपने मृत पूर्वजों की आत्मशांति और मोक्ष की कामना को लेकर पूरे विधि-विधान से पिंडदान और तर्पण किया।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • सभी प्रकार के ऑपरेशन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चो के ऑपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का हैलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
सीला मलहम
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देखे
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है-घर पर रहकर गाय की सेवा जतन चारा पानी साफ सफाई दूध दुहाई हेतु राउत या लड़के की। दूध दुहाई की मशीन भी है। सम्पर्क करें- गोड़पारा बिलासपुर 9669 211111, 9827175811 (41964)

आवश्यकता है- मेडिकल एजेन्सी में आर्डर बुकिंग एवं वसूली कार्य करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- गोविन्द फार्मा मेन रोड दयालबंद बिलासपुर 9111000629 (42003)

आवश्यकता है- छोटी गाड़ी की देखरेख हेतु सुपरवाइजर चाहिए जिसे गाड़ी चलाना आता हो ट्रैवल एजेन्सी में काम करने के लिए। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सक्षम ट्रेवल्स मंगला बिलासपुर 9301588883 9300888883 (41997)

आवश्यकता है-100% परमानेंट जॉब भारत में सबसे अधिक स्थायी रोजगार देने वाली Righteous Limited को आफिस कार्य एवं विभिन्न पदों हेतु 8/10/12वीं स्नातक लड़के/लड़कियों का चयनकर 11000 13000, 17000, 25000/- आवास बोनस मिलें- प्रजापिता ब्रह्माकुमारी के पास चौपाटी चोपड़ापारा अम्बिकापुर 9669370111, 95840 00909, 8435803535, 7067084579 (20652)

आवश्यकता है- Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं से ग्रेजुएट लड़के, लड़कियां चाहिए उम्र 18-28, आय 10500 से 18000 एवं रहना खाना, सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड, तिफरा, बिलासपुर 8818877406, 9644433021, 07752-337082 (17358)

आवश्यकता है- रेडीमेड शोरूम में सेल्सगर्ल, सेल्समेन, हेल्पर की आवश्यकता है आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- वियर विला, धन गुरुनानक दरबार के पास, बलराम टाकीज रोड, सिन्धी कालोनी जरहाभाठा बिलासपुर, 8827550866, 8988888737 (41998)

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में माल निकालने, जमाने, पैकिंग, डिलिवरी हेतु लड़कों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन योग्यता अनुसार मिलें- नितिन मेडिकल एजेन्सी 34, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा बिलासपुर 7430000011 (42005)

आवश्यकता है- 3वर्ष अनुभवी एकाउंटेंट (मेल), आरटीओ कार्य हेतु 2वर्ष अनुभवी (मेल/ फीमेल) केंडीडेट चाहिए सम्पर्क करें- कृष्णा सेल्स रिंग रोड नं-2, भाटिया फ्यूल के पास, महाराणा प्रताप चौक, बिलासपुर 9300674767, 9893978331 (41996)

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में कार्य करने हेतु अनुभवी सेल्समैन, पैकिंग एवं लोकल में माल छोड़ने हेतु लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है । सम्पर्क करें- जगत एजेन्सी, मेन रोड तेलीपारा, बिलासपुर (42000)

आवश्यकता है- रेडीमेड कपड़ा दुकान (गर्ल्स वेयर) में काम करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- आलीशान गर्ल्स, करोना चौक, सदर बाजार बिलासपुर 79872 61212 (42004)

आवश्यकता है- कैफे में कार्य हेतु युवक/ युवती की आवश्यकता है। वेतन 6500 से 8000 सम्पर्क करें- 12बजे के बाद, ब्रूबेरी कैफे, एंबियंस बिजनेस पार्क, सीएमडी कॉलेज के सामने, बिलासपुर 7987926453, 07752 490692 (42001)

आवश्यकता है- घर पर डेली 3 कार 8 बाइक वाश करवाना है जिसको कार वाश का अनुभव हो एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर भी चाहिए सम्पर्क करें- रिंग रोड नं-2 शांति नगर बिलासपुर 9753330000 (42002)

आवश्यकता है- खेती बाड़ी कार्य करने हेतु फैमली वाले की आवश्यकता है जो वहां रहकर कार्य कर सके दोनो मिलाकर तनख्वा 14000/- संपर्क 9754293974 (41981)

आवश्यकता है- फर्निशिंग शोरूम अर्बन लिविंग मुंगेली नाका चौक बिलासपुर में काउंटर सेल्स कार्य करने हेतु 12वीं पास 15 लड़कों की आवश्यकता है (गाड़ी चलाने आता हो) सम्पर्क करें- 8109090000, 831939 7645 (42006)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रानिक्स शोरूम में काम करने के लिए लड़के की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- Haier Showroom राजीव गांधी चौक बिलासपुर 90988 44447 (41992)

आवश्यकता है- अनुभवी, निष्ठावान ड्राइवर की आवश्यकता है जिसे ऑटोमैटिक कार चलाना आता हो। किसी भी प्रकार का व्यसन नहीं करता हो। आवश्यकता अनुसार रहने, भोजन की सुविधा उपलब्ध। सम्पर्क करें- 9827156675 (41984)

आवश्यकता है- रॉयल एनफिल्ड बुलेट गाड़ी बनाने हेतु मिस्त्री की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- K.C. ऑटो जोन जरहाभाठा बिलासपुर 9518758725 (41974)

आवश्यकता है- Busy सॉफ्टवेयर अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। वेतन- 10000 से 15000 सम्पर्क करें- यश सुपर बाजार हरिभूमि के पास रिंग रोड नम्बर- 2, गौरव पथ बिलासपुर 9329941444 (41973)

आवश्यकता है- कस्ट्रक्शन साईट पर कार्य हेतु स्टोर मैनेजर एवं ऑफिस कार्य हेतु ऑफिस मैनेजर (युवक/ युवती) चाहिए अनुभव 3वर्ष से अधिक सम्पर्क करें- श्रीबालाजी कंस्ट्रक्शंस बिलासपुर 79740 86925, 9993120709 (व्हाट्स एप्प- 99079 25045) (41994)

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में सामान पैक करने, लाने, लेजानेss हेतु लड़कों की आवश्यकता है योग्यता- 10वीं वेतन- 10000 सम्पर्क- मातुश्री ट्रेडिंग, वेस्ट साइड शोरूम के बाजू, व्यापार विहार रोड, बिलासपुर (41985)

आवश्यकता है- मंगला सुपर बाजार में सफाई पैकिंग कार्य हेतु फीमेल, मेल कर्मचारी 2पद, मेल हमाली कार्य हेतु 1पद, कम्प्यूटर कार्य हेतु 1पद चाहिए वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9827998640, 7648086615 (41982)

आवश्यकता है- सीसीटीवी कैमरा की वायरिंग एवं फिटिंग हेतु युवकों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- पारस इन्टरप्राइजेस, GF-26, अम्बे अंजनी ई-प्लाजा, सीएमडी कॉलेज चौक, लिंक रोड बिलासपुर 9425530470, 9826598526 (41991)



आवश्यकता है- रियल एस्टेट ऑफिस में टेली कॉलिंग एवं सेल्स अनुभवी एक्जीक्यूटिव (Female) की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता सैलरी योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 9770770000, 9827072000 (41950)

आवश्यकता है- बर्तन दुकान में कार्य करने हेतु 2 लड़कों की। वेतन 4 अंको में, सम्पर्क करें- घरसंसार, नरेश बाजार के सामने, बजरंग कॉम्प्लेक्स के पास, पुराना बस स्टैण्ड, तेलीपारा बिलासपुर 79998 22285 (41986)

बेचना है

बेचना है- काली ढाबा के पास रायपुर मेन रोड से मात्र 500 मीटर अन्दर हिर्री माइंस रोड में कमर्शियल, रेसिडेंशियल जमीन काफी कियाफती दर में बिक्री हेतु उपलब्ध है सम्पर्क 9329111632 (41988)

बेचना है- तोरवा गुरुनानक चौक स्थित जे.जे. हॉस्पिटल के पास 1619 वर्गफुट में निर्मित 5 दुकानें एवं बसन्त विहार के पास 11×20 फर्स्ट फ्लोर पर ऑफिस अतिशीघ्र बेचना है। सम्पर्क करें- 9301186703 (41929)

बेचना है- यदुनन्दन नगर तिफरा में डायवर्टेड प्लाट, जमीन और 2BHK, 3BHK मकान अति शीघ्र बेचना है। आपके बजट और आवश्यकता अनुसार सम्पर्क करें- कृत्या कंसल्टेन्सी बिलासपुर 9826314444 (41999)

बेचना है- अशोक नगर, सरकंडा में 1080 वर्गफुट मे 400 वर्गफुट निर्माण 680 वर्गफुट खाली डायवर्ट जमीन के साथ मात्र 28.50 लाख रुपये में, अन्नपूर्णा कॉलोनी में 1500 वर्गफुट मात्र 1650/- में, न्यूइंडिया स्कूल के पास 900 वर्गफुट मात्र 1200/- में सम्पर्क करें- 7489846536 (41990)

बेचना है- बिलासपुर सकरी मेन रोड से दो कदम दूर पूर्ण विकसित कॉलोनी में सीसी रोड नाली, पानी, बिजली, सर्वसुविधायुक्त सहित नॉर्थ फेसिंग प्लॉट 100×50= 5000 वर्गफुट बेचना है सम्पर्क करें- 7898855268 (41750)

किराया

किराया- सिटी कोतवाली के पास मल्टी लेवल पार्किंग काम्प्लेक्स में दुकान नम्बर 23 साईज 16×17= 285 वर्गफिट की दुकान किराये से देना है सम्पर्क करें- 6265000325, 9131758423 (42007)

किराया- मेन रोड, दयालबंद में 2800 वर्ग फुट का हाल एवं 1000 वर्ग फुट की दुकान किराए से देनी है। सम्पर्क करें- 9575310926, 95225 22222 (41976)



फायनेंस

फायनेंस- वसुधा फाइनेन्स कम्पनी समस्त प्रकार के लोन कृषि बिजनेस समूह लोन पर्सनल लेबरकार्ड, डेयरीफार्म होम लोन आधारकार्ड पर 40000 से 50लाख तक 2% ब्याज 30% छूट समस्त लोन कराये- 9770833099 (4346)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

MedicareSpecialists
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586
- हिविस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:- मो. 8109229025

भारत को एक मिनट में मिले 2 गोल्ड, बॉक्सर अंकुश और रेसलर सुजीत बने चैंपियन

एजेंसी ▶▶ नागोया

सबसे पहले कुश्ती के 65 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में सुजीत कलकल ने शानदार मुकाबला जीतकर भारत को कुश्ती में गोल्ड दिलाया। सुजीत ने फाइनल में ताजिकिस्तान के अब्दुलमाजिद कुडिएव को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यह 2026 एशियन गेम्स में भारत का कुश्ती में पहला गोल्ड भी है।

इसके तुरंत बाद बॉक्सिंग में अंकुश पंघाल ने पुरुषों के 80 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में दक्षिण कोरिया के किम मिनसियोंग को 4-0 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। अंकुश ने पूरे मुकाबले में बढ़त बनाए रखी और शानदार प्रदर्शन के साथ एशियन गेम्स का खिताब अपने नाम किया।

बॉक्सिंग में एक दिन तीन गोल्ड मेडल

भारतीय बॉक्सिंग टीम ने इस दिन तीन गोल्ड मेडल पूरे किए। इससे पहले लवलीना बोरगोहेन और परवीन हुड्डा भी अपने-अपने फाइनल जीतकर स्वर्ण पदक हासिल कर चुकी थीं। यानी एशियन गेम्स के इस दिन भारत के लिए बॉक्सिंग और कुश्ती से लगातार गोल्ड आने का सिलसिला देखने को मिला।

एशियन गेम्स 2026 में शुक्रवार का दिन भारत के लिए बेहद खास रहा। कुश्ती और बॉक्सिंग में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश की झोली में गोल्ड मेडल डाल दिए। इसी गोल्डन सिलसिले में पहलवान सुजीत कलकल और बॉक्सर अंकुश पंघाल ने अपने-अपने फाइनल मुकाबले जीतकर भारत का नाम रोशन किया।





सेपकटकरा : भारत को मिला कांस्य

भारतीय टीम शुक्रवार को एशियाई खेलों की सेपकटकरा प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में मेजबान जापान से 0-2 से हार गई और इस तरह से उसे कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारत सेमीफाइनल मैच 12-15, 13-15 से हार गया। भारतीय टीम ने दूसरे सेट में जापान को कड़ी चुनौती दी लेकिन आखिर में वह जीत हासिल करने में कामयाब नहीं हो पाई। इससे पहले भारत ने अपने सभी मैच जीतकर ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया था। उसने ग्रुप चरण में लाओस (2-0), वियतनाम (2-0) और म्यांमार (2-1) को हराया था। दूसरी ओर जापान ने ग्रुप बी में दूसरा स्थान हासिल किया था। उसकी शुरुआत इंडोनेशिया से 1-2 की हार से हुई थी। इसके बाद उसने सिंगापुर और कोरिया को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

क्रिकेट : आज टीम इंडिया के सामने पाकिस्तान की चुनौती



नागोया। विश्व चैंपियन भारत शनिवार को एशियाई खेलों के पुरुष क्रिकेट के स्वर्ण पदक मुकाबले में पाकिस्तान की युवा टीम के खिलाफ अपने अनुभवी सितारों से दमदार प्रदर्शन की उम्मीद करेगा। दोनों देशों के बीच यह मुकाबला एशियाई खेलों की पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता का अब तक का सबसे अधिक राजनीतिक तनाव वाला फाइनल होगा। मैदान पर दोनों टीमें जीत के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगी और मैदान के बाहर भी दोनों के बीच तनातनी बनी रहने की संभावना है। पिछले साल एशिया कप के दौरान शुरू हुई हाथ न मिलाने की परंपरा के कारण इस मुकाबले से पहले या बाद में भी खिलाड़ियों के एक-दूसरे से हाथ मिलाने की संभावना बेहद कम है।

लगातार बारिश के कारण दोनों टीमों को मैदान पर सीधे सेमीफाइनल मुकाबले में उतरना पड़ा। दोनों टीमों ने अपने-अपने सेमीफाइनल आसानी से जीतकर फाइनल में जगह बनाई। इस तरह दोनों को स्वर्ण पदक के लिए सिर्फ दो मुकाबले जीतने पड़े हैं। भारत के अंतरिम मुख्य कोच वीवीएस लक्ष्मण और नये टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर के लिए यह मुकाबला चुनौतीपूर्ण होगा।



महिला डिंगी सेलिंग : नेत्रा ने कांस्य पदक किया अपने नाम

गामागोरी सिटी। भारत की नेत्रा कुमानन ने शुक्रवार को एशियाई खेलों की महिला डिंगी सेलिंग स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर अपने चौथे एशियाई खेल अभियान में पहला पदक हासिल किया। चेन्नई की 29 वर्षीय नेत्रा ने कुल 14 अंक हासिल किए। दो बार की इस ओलंपियन ने फाइनल रेस में सात और क्वालीफिकेशन रेस में भी सात अंक जुटाए और तीसरे स्थान पर रहीं। थाईलैंड की सोफिया मॉन्टगोमरी ने पांच अंक के साथ स्वर्ण, जबकि सिंगापुर की जेनिया आंग ने 13 अंक के साथ रजत पदक जीता। नेत्रा ने अपने प्रदर्शन के बारे में कहा, 'मेरी भावनाएं मिली-जुली हैं। यह मेरे चौथे एशियाई खेल हैं और आखिरकार यहां से कोई पदक लेकर लौटना अच्छा लग रहा है। मैंने हालांकि कई गलतियां कीं और काफी अंक गंवाए।' सेलिंग में प्रत्येक रेस में हासिल किए गए स्थान के आधार पर अंक दिए जाते हैं। पहला स्थान हासिल करने वाले खिलाड़ी को एक अंक मिलता है और सबसे कम कुल अंक वाला खिलाड़ी विजेता बनता है। नेत्रा ने अपनी अंतिम दो रेस में से एक में जीत हासिल की, जबकि दूसरी रेस में वह छठे स्थान पर रहीं।

तीरंदाजी : महिला रिकर्व टीम ने जीता ऐतिहासिक स्वर्ण



नागोया। महिला रिकर्व टीम ने 10 बार की ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया को हराकर ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता, जबकि पुरुष रिकर्व और मिश्रित रिकर्व टीमों ने रजत पदक अपने नाम कर एशियाई खेलों की तीरंदाजी में शुक्रवार के दिन को भारत के लिए शानदार बना दिया। रिकर्व टीमों के इस शानदार प्रदर्शन से पहले भारतीय कंपाउंड तीरंदाज सभी टीम स्पर्धाओं में स्वर्ण पदकों पर कब्जा कर चुके हैं। भारत ने तीरंदाजी में अब तक कुल सात पदक जीत लिए हैं, जिनमें चार स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य शामिल हैं। अंकिता भकत, कीर्ति शर्मा और 17 वर्षीय कुमकुम मोहोड़ की महिला रिकर्व टीम दिन का पहला पदक दिलाया। भारतीय तिकड़ी ने तेज हवा के कारण चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच धैर्य बनाए रखते हुए गत चैंपियन दक्षिण कोरिया को 5-3 (54-54, 56-56, 55-51, 54-54) से हराकर यादगार जीत दर्ज की।

पुरुष हॉकी : टीम की नजरें स्वर्ण पर, आज मलेशिया से खिताबी भिड़ंत

काकामिगाहारा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम को मलेशिया के खिलाफ एशियाई खेलों के फाइनल में शनिवार को अपना खिताब बरकरार रखने और लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 का टिकट कटाने के लिए गलतियों से सबक लेकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम ने कभी लगातार दो एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक नहीं जीता है और उसके पास शनिवार को यह कामयाबी हासिल करके भारतीय हॉकी का सुनहरा अध्याय लिखने का मौका है। दूसरी ओर मलेशिया ने दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। पिछले तीन बार में मलेशिया दूसरी बार फाइनल में पहुंचा है। भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा मलेशिया ने अच्छा प्रदर्शन किया है और यह मुकाबला अच्छा रहेगा।

खबर संक्षेप



प्रणवी को एकल बढ़त स्वर्ण पदक की उम्मीद

नागोया। भारत की प्रणवी उर्स ने शुक्रवार को तीसरे दौर में चार अंडर 66 का स्कोर बनाकर तीन स्ट्रोक की बढ़त हासिल कर ली और एशियाई खेलों की महिला गोल्फ प्रतियोगिता में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक के लिए खुद को मजबूत दावेदार बना दिया। पहली बार एशियाई खेलों में भाग ले रही मैसूर की इस 23 वर्षीय खिलाड़ी का कुल स्कोर 15 अंडर 195 है और वह सिंगापुर की शैनन टैन से तीन शॉट आगे है, जो तीसरे दौर में एक-ओवर 71 के स्कोर के साथ लड़खड़ा गईं और नीचे खिसक गई। शैनन से एक स्ट्रोक पीछे चीन की यिन रुओनिंग हैं। उन्होंने चार अंडर 66 का कार्ड खेलकर कुल 11-अंडर 199 का स्कोर हासिल किया। प्रणवी के स्कोर में पांच बर्डी शामिल थीं, जबकि उन्होंने पार-फोर 14वें होल पर एक बोगी लगाई। उन्होंने पहले, तीसरे और आठवें होल में बर्डी बनाई।

समापन समारोह में ध्वजवाहक होंगी नीरू



नागोया। ट्रैप निशानेबाज नीरू ढांडा रविवार को एशियाई खेलों के समापन समारोह में भारत की महिला ध्वजवाहक होंगी। नीरू ने एशियाई खेलों में दो स्वर्ण पदक और एक टीम रजत पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। यह 27 वर्षीय खिलाड़ी अपना तीसरा पदक जीतने के एक दिन बाद भारत लौट गई थी। अब वह समापन समारोह में भारतीय दल का नेतृत्व करने के लिए शनिवार सुबह नागोया वापस जाएंगी। भारत की उपमाशन प्रमुख अंजलि भागवत ने शुक्रवार को बताया, 'नीरू समापन समारोह में महिला ध्वजवाहक होंगी।

गेंदबाजी की 'गुत्थी' सुलझाने उतरेगा भारत

एजेंसी ▶▶ मुल्लांपुर

भारत और वेस्टइंडीज के बीच आखिरी वनडे आज

पहले दो मैच में जीत हासिल कर चुकी भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ शनिवार को होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपनी गेंदबाजी की गुत्थी सुलझानी होगी, जिसमें अनुभवी रविंद्र जडेजा के प्रदर्शन पर नजर रहेगी। भारत ने सीरीज में दबदबा बनाए रखा है, लेकिन उनके प्रदर्शन के बजाय चर्चा पिच के बल्लेबाजी के अनुकूल होने पर केंद्रित रही है, क्योंकि पिछले वनडे में 800 से अधिक रन बने थे। इन परिस्थितियों की आलोचना करने वालों में भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर भी शामिल हैं, जो बल्ले और गेंद के बीच संतुलन देखना चाहते हैं। सीरीज में पहले ही अजेय बढ़त ले चुकी भारतीय टीम अब अपने गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी।



युजवेंद्र चहल ने लाल गेंद क्रिकेट को कहा अलविदा



एजेंसी ▶▶ लंदन

भारतीय टीम से बाहर चल रहे लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने पिछले महीने लॉर्ड्स के प्रतिष्ठित मैदान पर नॉर्थम्पटनशर की ओर से मिडलसेक्स के खिलाफ अपना आखिरी इंग्लिश काउंटी चैंपियनशिप मैच खेलने के बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है।

भारत के लिए 72 वनडे और 80 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके चहल लाल गेंद की क्रिकेट में अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पाए। उन्होंने 49 प्रथम श्रेणी मैच खेले, जिनमें 6 बार पांच या इससे अधिक विकेट लेने के कारनामे सहित 148 विकेट लिए। नॉर्थम्पटनशर की तरफ से अपने अंतिम प्रथम श्रेणी सत्र में चहल ने 5 मैचों में 21 विकेट लिए, जिसमें डरहम के खिलाफ एक मैच में 9 विकेट लेना भी शामिल है।

टेस्ट क्रिकेट खेलना मेरा सपना था

चहल ने इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा, 'मैंने अपना आखिरी प्रथम श्रेणी मैच लॉर्ड्स में खेला था। यह कहते हुए मैं भावुक हो रहा हूं क्योंकि टेस्ट क्रिकेट खेलना मेरा सपना था। एक ऐसा सपना, जिसे मैंने कई साल तक संजोकर रखा। भले ही यह सपना पूरा न हुआ हो, लेकिन मैं अपने अब तक के सफर से पूरी तरह संतुष्ट हूं।' उन्होंने कहा, 'मेरे लिए लाल गेंद का क्रिकेट केवल एक अन्य प्रारुप नहीं था। यहीं मैंने धैर्य, जज्बा, दृढ़ता और घंटों तक मैदान पर रहकर हर रन और हर विकेट के लिए संघर्ष करने के आनंद का मतलब सीखा।'

टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ सीरीज पर जमाया कब्जा

इंडिया ए ने कराया ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मैच ड्रॉ

पुडुचेरी। ऑस्ट्रेलिया ए के इंडिया ए ने दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट मैच को बचा लिया है। मैच की चौथी पारी में जीत के लिए 365 रनों का लक्ष्य दिया था।

मैच में एक दिन से ज्यादा का समय बचा हुआ था। इसके बाद भी मुश्किल विकेट पर इंडिया ए ने मैच को ड्रॉ करवा दिया है। आखिरी दिन ऑस्ट्रेलिया ए को 9 विकेट की जरूरत थी लेकिन उनके गेंदबाज 8 ही भारतीय बल्लेबाजों को आउट कर पाई। दो मैचों की इस सीरीज को इंडिया ए ने 1-0 से अपने नाम किया।

इंडिया ए ने अपनी चौथी पारी में 9 विकेट पर 310 रन बनाए। जब टीम का 9वां विकेट गिरा तो 18 गेंद



का खेल बाकी थी। नचिकेत भुटे ने प्रफुल हिंगे के साथ मिलकर टीम को बचा लिया। भुटे ने 21 गेंदों पर नाबाद 20 रन बनाए। वहीं हिंगे ने 6 गेंदों का सामना किया और विकेट नहीं दिया। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया ए ने 358 रन बनाए तो इंडिया ए की टीम 167 रन ही बना सकी। दूसरी पारी को ऑस्ट्रेलिया ए ने 4 विकेट पर 173 रन बनाकर घोषित कर दी।

कोलकाता पहुंची ब्राजील की फुटबॉल टीम, आज होगा रोमांचक मुकाबला

एजेंसी ▶▶ कोलकाता



भारतीय फुटबॉल टीम अभी तक के अपने सबसे बड़े मुकाबले में शनिवार को जब पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील के खिलाफ प्रतिष्ठित सॉल्ट लेक स्टेडियम में मैत्री मैच खेलने के लिए उतरेगी तो वह बिना किसी दबाव के अपना सर्वश्रेष्ठ खेल खेलने की कोशिश करेगी। कई स्टार खिलाड़ियों से सजी और विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज ब्राजील पहली बार भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगा। उसकी टीम में रियाल मैड्रिड के फॉरवर्ड विनीसियस जूनियर, आर्सेनल के डिफेंडर गैब्रियल मैगाल्हेस, मिडफील्डर ब्रूनो गुइमारेस और अनुभवी मार्क्विनहोस शामिल हैं। ब्राजील की टीम ऐसे शहर पहुंची है, जहां उनकी पीली जर्सी के दीवानों की कमी नहीं है। विश्व कप के दौरान यह शहर ब्राजील और अर्जेंटीना की जर्सी रंग से पटा रहता है। कागजों पर भले ही यह मुकाबला बेमेल नजर आ रहा हो लेकिन 138वें स्थान पर काबिज भारत के लिए अपनी प्रगति को परखने का यह शानदार मौका है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
निविदा सूचना

(1)निविदा सूचना क्रमांकः- एसएनटी-आर-2026-16 दिनांक. 01.10.2026

कार्य का नामः सिग्नलिंग और दूरसंचार कार्य का निष्पादन, के संबंध में: (1) रायपुर डिवीजन-टीटीआर (टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी)-18 सेट (मुख्य लाइन) और 34 सेट (लूप लाइन), टीटीआर (डब्ल्यूसीएमएससी)-38 सेट और टीटीआर (डीएस)-8 सेट, (2) बिलासपुर-दुर्ग: टीआरआर (पी)-31.723 टी.के.एम.।

निविदा मूल्यः रू. 53116920.00, ईएमडीः रू. 1062400.00, कार्य पूर्णता की अवधिः 12 (बारह) माह । बिडर्स अपना मूल/संशोधित बिड्स केवल **26.10.2026** को **15.00** बजे तक प्रस्तुत कर सकते है । मैनुअल आफर्स इस निविदा के विरुद्ध स्वीकार नहीं होंगे ।

विस्तृत विवरण हमारे वेबसाईट **www.ireps.gov.in.** पर उपलब्ध है ।

वरि.मंडल संकेत एवं दूर. अभियंता
पीआर/आर/एसएंडटी/एएन/225 द.पू.म.रे., रायपुर

South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
निविदा सूचना

निविदा सूचना संख्याः टीआरडी–आर–2026-E10 दिनांक 01.10.2026; कार्य का नामः रायपुर मंडल के बालोद एवं भिलाई ओएचई क्षेत्राधिकार में MXA-ROW, BMY एवं PP यार्ड की ओएचई अनुरक्षण गतिविधियों (कोर और नॉन कोर) तथा भिलाई ओएचई क्षेत्राधिकार की नॉन–पावर ब्लॉक गतिविधियों को 2 वर्षों के लिए आउटसोर्स। **निविदा मूल्यः** रु० 7,03,62,927/-; **बिड सिक्योरिटीः** रु० 14,07,300/-; **निविदा प्रस्तुत करनाः** 12:00 बजे तक दिनांक 26.10.2026; **निविदा खोलनाः** 12:00 बजे दिनांक 26.10.2026. टेंडर दस्तावेज, पात्रता मानदंड और उपरोक्त कार्य के लिए पूर्ण विवरण के लिए कृपया वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टीआरडी)/एसईसीआर रायपुर के कार्यालय से संपर्क करें या हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध निविदा दस्तावेज देखें या डाउनलोड करें। वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/क.वि. PR/R/TRD/D360/226 द.पु.म. रेलवे, रायपुर

South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)

क्रमांक/ 3063/लो.क.वि/न.पा.नि./ 2026 रायगढ़, दिनांक 01.10.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिक निगम, रायगढ़ क्षेत्रांतर्गत निम्नलिखित कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा प्रपत्र "अ" में पी.डब्लू.डी. के भवन / सड़क एस.ओ.आर. (प्रभावशील दिनांक 01.01.2015) कार्य हेतु प्रचलित दर अनुसूची पर वेबसाईट www.nagarnigamraigarh.com/uad.cg.gov.in से निविदा प्रपत्र डाउनलोड कर पूर्ण रूप से भरकर निविदा प्रपत्र के साथ निर्धारित प्रपत्र शुल्क डी.डी. के माध्यम से दिनांक 23/10/26 को अपरान्ह 04:00 बजे तक स्पीड पोस्ट / पंजीकृत डाक से मुहरबंद निविदाएं त्रि-लिफाफा पद्धति से आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदाएं दिनाँक 23/10/26 को अपरान्ह 04:30 बजे उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोली जावेगी।

क्र.	कार्य का नाम	कार्य की लागत (लाख)	अमानत राशि एवं प्रपत्र शुल्क (रू. में)
1	(पार्षद मद से) वार्ड कं.31 में अभय गुप्ता घर से अभिषेक यादव घर तक सी.सी. सड़क, आर.सी.सी. नाली एवं स्लैब निर्माण कार्य।	06.33	5,000/ 750

नोट:- कार्य का अन्य विवरण एवं नियम शर्ते कार्यालय में कार्यालयीन अवधि में देखा जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
न.पा.नि. रायगढ़

कार्यालय नगर पालिका परिषद् रामानुजगंज, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

क्रमांक/1748/दुकान नीलामी /न.पा.प./2026 रामानुजगंज, दिनांक 01/10/2026

नीलामी सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निकाय क्षेत्रान्तर्गत कार्यालय नगर पालिका परिषद् रामानुजगंज के सामने सरदार बल्लभ भाई पटेल प्रथम तल नगर पालिका परिषद् स्वामित्व एवं अधिपत्य के निर्मित शापिंग काम्पलेक्स की शेष 04 दुकानों, तहसील कार्यालय समीप प्रथम तल की 01 दुकान, लरंगसाय चौंक प्रथम तल की 01 दुकान एवं सब्जी मंडी निर्मित शा. काम्प. भू-तल की शेष डी-ब्लाक दुकान क्र. 24 की 01 दुकान कुल 07 दूकानों की नीलामी दिनांक 16/10/2026 दिन शुक्रवार को अप्रान्ह 12:00 बजे स्थल कार्यालय नगरपालिका परिषद् रामानुजगंज के सभा कक्ष में किया जायेगा।

दुकानों का मासिक किराया एवं अमानत राशि का विवरण सारणी अनुसार होगी। अतः इच्छुक व्यक्ति निर्धारित अमानत राशि नगर पालिका परिषद् रामानुजगंज का बकाया नहीं प्रमाण पत्र के साथ आवेदन पत्र प्राप्त कर नियम शर्तों के अधीन नीलामी में भाग ले सकते है। नीलामी नियम व शर्ते कार्यालयीन समय में सूचना पटल पर देखा जा सकता हैं। दुकानों का मासिक किराया एवं अमानत राशि सहित नीलामी की जाने वाली दुकानों का विवरण इस प्रकार हैं:-

क्र.	शापिंग काम्पलेक्स का नाम	आरक्षण की स्थिति	नीलामी चरण	दुकानों की संख्या	दुकानों का साईज (मीटर में) प्रति दुकान	अमानत राशि प्रति दुकान	मासिक किराया प्रति दुकान	आपसेट प्राईज (प्रति दुकान
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	सरदार बल्लभ भाई पटेल (नगरपालिका परिषद् के सामने) दुकान क्र. 05 प्रथम-तल	अ.ज.जा.	पंचम	01	3.40×6.00	82000.00	1400.00	820000.00
2	सरदार बल्लभ भाई पटेल (नगरपालिका परिषद् के सामने) दुकान क्र. 06 प्रथम-तल	अ.पि.वर्ग	पंचम	01	3.40×6.00	82000.00	1400.00	820000.00
3	सरदार बल्लभ भाई पटेल (नगरपालिका परिषद् के सामने) दुकान क्र. 07 प्रथम-तल	अनारक्षित	पंचम	01	3.40×6.00	82000.00	1400.00	820000.00
4	सरदार बल्लभ भाई पटेल (नगरपालिका परिषद् के सामने) दुकान क्र. 08 प्रथम-तल	महिला	पंचम	01	3.40×6.00	82000.00	1400.00	820000.00
5	लरंगसाय चौंक प्रथम-तल की दुकान क्रमांक 02	अनारक्षित	पंचम	01	3.60×5.40	55000.00	1000.00	550000.00
6	तहसील कार्यालय समीप प्रथम-तल दुकान क्र. 13	अ.पि.वर्ग	पंचम	01	3.30×4.50	24500.00	500.00	245000.00
7	सब्जी मंडी में निर्मित शा.काम्प. पूर्व की शेष डी-ब्लाक दु.क्र. 24	अनारक्षित	नवम्	01	3.30×3.50	19000.00	500.00	182700.00

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् रामानुजगंज, जिला, बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

क्या आपने कभी सोचा है कि जिस धरती पर हम सांस ले रहे हैं, वह हमेशा ऐसी ही रहेगी? विज्ञान कहता है- नहीं। सुपरकंप्यूटर की एक डरावनी भविष्यवाणी के मुताबिक, एक दिन हमारी धरती से ऑक्सीजन पूरी तरह गायब हो जाएगी। इंसानों और जीव-जंतुओं का वजूद पूरी तरह खत्म होना तय है।

सुपरकंप्यूटर ने दिखाई पृथ्वी के भविष्य की डरावनी तस्वीर

लंदन। साल 2021 में वैज्ञानिक काजुमी ओजाकी और क्रिस्टोफर टी. रेनहार्ड ने सुपरकंप्यूटर की मदद से धरती के भविष्य का एक मॉडल तैयार किया था। इस रिसर्च के मुताबिक, हमारी सांसों में बसने वाली ऑक्सीजन सिर्फ अगले 108 करोड़ साल तक ही टिक पाएगी। इसके बाद धरती का माहौल ऐसा हो जाएगा कि यहां किसी भी जटिल जीव का जिंदा रहना नामुमकिन होगा। वैज्ञानिकों का कहना है कि जैसे-जैसे सूरज की गर्मी और रोशनी बढ़ेगी, धरती का पूरा क्लाइमेट और कार्बन चक्र बिगड़ जाएगा। नतीजा यह होगा कि पहले पेड़-पौधों के लिए जरूरी कार्बन डाइऑक्साइड कम होगी, जिससे वे दम तोड़ देंगे। पेड़ नहीं होंगे, तो ऑक्सीजन बनना बंद हो जाएगी। पूरी धरती वापस उसी प्राचीन दौर में लौट जाएगी, जब यहां सिर्फ छोटे बैक्टीरिया हुआ करते थे। चौंकाने वाली बात यह है कि समुद्र का पानी सूखने से बहुत पहले ही हमारी ऑक्सीजन खत्म हो जाएगी।

पहले ऑक्सीजन खत्म होगी, फिर धरती होगी बंजर



क्या है असली सबक?

इस वैज्ञानिक चेतावनी का सीधा सा मतलब यह है कि किसी ग्रह पर जीवन होने का मतलब यह नहीं कि वहां हमेशा ऑक्सीजन रहेगी ही। ब्रह्मांड में जीवन की खोज कर रहे वैज्ञानिकों को अब ऑक्सीजन के अलावा दूसरे संकेतों पर भी ध्यान देना होगा। धरती का अंत तय है, बस देखना यह है कि पहले ऑक्सीजन साथ छोड़ती है या सूरज की तपिश।



जब सुलग उठेगी धरती

कहानी यहीं खत्म नहीं होती। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल की एक दूसरी रिसर्च बताती है कि ऑक्सीजन खत्म होने से बहुत पहले ही एक और बड़ी आफत आ सकती है। कंप्यूटर मॉडलिंग के अनुसार, करोड़ों साल बाद धरती के सारे महाद्वीप आपस में जुड़कर एक विशालकाय सुपरकॉन्टिनेंट बना लेंगे, जिसे 'पैंजिया अल्टिमा' नाम दिया गया है। जब यह महाद्वीप बनेगा, तो ज्वालामुखी फटने की घटनाएं आम हो जाएंगी। चारों तरफ सिर्फ उमस और खौफनाक गर्मी होगी। तापमान 40 से 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा और कुछ इलाकों में तो यह रिकॉर्ड तोड़ देगा। इंसानों और स्तनधारी जीवों के लिए इस झुलसाने वाली गर्मी में खुद को ठंडा रख पाना और भोजन-पानी जुटाना नामुमकिन हो जाएगा।

रोचक खबरें

नर से मादा बन जाते हैं ये जीव! आखिर क्यों बदलते हैं अपना जेंडर



सिर्फ क्लाउनफिश ही नहीं, कई जीवों में होती है ऐसी प्रक्रिया

नई दिल्ली। प्रकृति अपने अंदर ऐसे कई रहस्य छिपाए हुए है, जिन्हें जानकर इंसान भी हैरान रह जाता है। दुनिया में कुछ ऐसे जीव पाए जाते हैं, जो अपनी जिंदगी के दौरान नर से मादा या मादा से नर में बदल सकते हैं।सुनने में यह भले ही अजीब लगे, लेकिन समुद्री जीवों की दुनिया में यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। इसका मुख्य कारण बदलते पर्यावरण के अनुसार खुद को ढालना होता है। कुछ जीवों में लिंग परिवर्तन उनके जीवन चक्र का सामान्य हिस्सा होता है। इसे वैज्ञानिक भाषा में अनुक्रमिक उभयलिंगीता कहा जाता है। यानी कोई जीव अपनी जिंदगी की शुरुआत एक लिंग के रूप में कर सकता है और बाद में परिस्थितियों के अनुसार दूसरे लिंग में बदल सकता है। यह बदलाव अचानक नहीं होता, बल्कि शरीर में होने वाले हार्मोनल और जैविक परिवर्तनों के जरिए धीरे-धीरे पूरा होता है। क्लाउनफिश इस प्रक्रिया का सबसे चर्चित उदाहरण है। इनके समूह में आमतौर पर एक प्रमुख मादा और उसके साथ कई नर रहते हैं।यदि समूह की प्रमुख मादा मर जाती है, तो सबसे बड़ा नर मादा में बदल सकता है। इसके बाद समूह का अगला बड़ा नर प्रजनन करने वाला नर बन जाता है। इस तरह समूह में प्रजनन की व्यवस्था बनी रहती है और किसी नए जीव के आने का इंतजार नहीं करना पड़ता।

लिंग परिवर्तन केवल क्लाउनफिश तक सीमित नहीं है। कुछ समुद्री मछलियां और अन्य जीव भी अपने जीवन में लिंग बदल सकते हैं।कई प्रजातियों में यह बदलाव सामाजिक स्थिति, साथी की उपलब्धता, उम्र या समूह की संरचना से जुड़ा होता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, अलग-अलग प्रजातियों में लिंग परिवर्तन का तरीका और कारण एक जैसा नहीं होता. कुछ जीव नर से मादा बनते हैं, जबकि कुछ मादा से नर में बदलते हैं।

शिकागो में मिला डायनासोर से भी पुराना जीव, दो स्टूडेंट साइंटिस्ट्स ने उसे दिया अपनी मां का नाम

न्यूयार्क। शिकागो के फील्ड म्यूजियम में इंटर्न के तौर पर काम करने वाली दो छात्राओं ने एक ऐसे नए जीव की खोज की है, जो धरती पर डायनासोर के आने से भी बहुत पहले मौजूद थे। करीब 40 करोड़ साल पुराने इस जीव को दोनों छात्राओं ने अपनी मां का नाम दिया है। देखने में यह जीव आज के मेंढक और छिपकली जैसा है, बस साइज में थोड़ा गोल-मटोल है। साइंटिस्ट इसे इन्हीं का पूर्वज कह रहे हैं। विज्ञान की भाषा में इसे जीनरपेटॉन माजोर्नेसिस नाम दिया गया है। साइंटिस्ट का कहना है कि ये दलदल की मिट्टी में बहुत तेजी से दबा था, इसीलिए 40 करोड़ साल बाद भी इस जीवाश्म में जीव की पीठ के शल्क, पेट की छोटी पसलियां और यहां तक की आंखों के निशान भी बिल्कुल साफ आ रहे हैं। फील्ड म्यूजियम की रिपोर्ट के मुताबिक, इस जीव को कई साल पहले एक शख्स ने इलिनोइस की माजोन क्रीक नाम की जगह से ढूंढकर म्यूजियम को दान कर दिया था। उस वक्त साइंटिस्ट्स ने इसकी गहराई से जांच नहीं की थी और इसे एक आम जीव समझकर डिब्बे में बंद कर दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक, सालों पुरानी इस भूल को पेटन कोहलबर्ग और एलिसन सेफकोविच नाम की दो स्टूडेंट साइंटिस्ट्स ने सुधारा। जब इन दोनों ने जीवाश्म की बारीकी से जांच की, तो पता चला कि यह कोई आम जीव नहीं, बल्कि बिल्कुल ही एक नई प्रजाति है। जब इस नई प्रजाति का नाम रखने की बारी आई, तो दोनों ने अपनी-अपनी मां को सम्मान देने का फैसला किया। इत्तेफाक से दोनों की मां का नाम 'जीन' है।



मिसाल

भव्यता देख झूम उठेगा मन

20 बीघा में घर, 100 खिड़की-दरवाजे ऐसे रहता है किसान का संयुक्त परिवार

नई दिल्ली। पश्चिम यूपी की पहचान किसान बेल्ट के रूप में होती है। पश्चिमी यूपी में आज भी संयुक्त परिवार का भी चलन हैं। यहां किसानों के एक से बढ़कर एक भव्य मकान हैं। ऐसा ही एक मकान बुढ़ाना तहसील के पास शाहडब्बर गांव में है। यह मकान एक चौधरी परिवार फूल सिंह का है जो कि 20 बीघे में बना हुआ है। मकान शाहपुरा ब्लॉक रोड पर है। पूरे इलाके में ऐसा घर ढूंढने से भी नहीं मिलता। किसान परिवार का यह घर किसी महल से कम नहीं है। चार भाइयों के परिवार में 60 सदस्य हैं। 35 सदस्य गांव में रहते हैं। परिवार के कई सदस्य सरकारी नौकरी में भी हैं। 650 बीघा जमीन है। घर में 5-6 ट्रैक्टर और इतनी ही लग्जरी कार हैं। मुजफ्फरनगर जिले की बुढ़ाना तहसील के गांव शाहडब्बर से शाहपुर जाते समय लोगों की



अभी भी नहीं हुआ है जमीन का बंटवारा

पूरे परिवार में 80 से ज्यादा गाय-भैंसे हैं। नागौरी बैल भी हैं। दो घोड़ी भी हैं। चारों भाइयों के घर अलग-अलग जरूर हैं, लेकिन जमीन का बंटवारा नहीं हुआ है। हर घर में दो-तीन ट्रैक्टर हैं। परिवार के पास करीब 6-7 ट्रैक्टर हैं और इतनी ही लग्जरी कारें हैं। हर घर में सब्जी उगाई जाती है। यह किसान परिवार गन्ने की खेती के लिए जाना जाता है। इस परिवार की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके सदस्य नशा-शराब से दूर हैं। पूरे परिवार का खाना कभी एक ही चूल्हे पर बनता था। अब घर अलग-अलग हो गए हैं, लेकिन तीज-त्योहार साथ में बनाते हैं। जमीन का बंटवारा अभी भी नहीं हुआ है। परिवार में मेल-जोल बहुत ज्यादा है। भाई-भाई में प्यार है। गांव में पहला ट्रैक्टर इसी घर में आया था। पहले ऊंट भी इस घर में था। परिवार का एक ही मूल मंत्र है, अपने काम पर ध्यान देना। जो सदस्य खेती-बाड़ी कर रहे हैं, वो खेती करते हैं, कुछ पढ़ाई तो कुछ बिजनेस कर रहे हैं।

पूरे परिवार में 60 सदस्य

मकान सड़क किनारे बना हुआ है। यह मकान करीब 20 बीघा में फैला हुआ है। मकान स्वर्गीय फूल सिंह चौधरी का है जिनके पास 200 बीघा जमीन थी। उनके चार बेटों ने अपनी मेहनत के बल पर करीब 450 बीघा जमीन खरीदी है। चार भाइयों के 12 बेटे हुए। पूरे परिवार में 60 सदस्य हैं, 35 गांव में रहते हैं। हर भाई का मकान करीब 5 बीघा में बना हुआ है। हर मकान की डिजाइन एक जैसी है।



घर में गिर गाय और मुर्रा भैंस भी

घर में गिर गाय भी है। 18 किलो दूध देने वाली मुर्रा भैंस भी हैं। इस परिवार के पास कभी ऊंट-घोड़ा भी था। परिवार की समृद्धि का सबसे बड़ा राज एकजुटता है। पूर्वजों ने एकजुट रहने की सलाह दी, जिसका पालन आज भी यह चौधरी परिवार कर रहा है। घर पर ही पूरा परिवार सब्जी उगाता है। कभी भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह इस घर में आते थे। घर में 60 से ज्यादा कमरे हैं।

इराक में है दुनिया का सबसे पुराना पुल, 4000 साल पहले का इतिहास

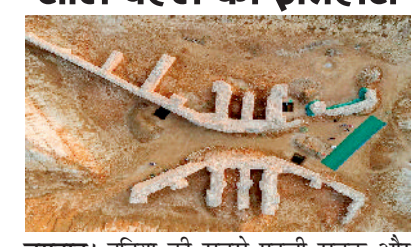

बगदाद। दुनिया की सबसे पहली सड़क और इमारत का जिक्र जब भी होता है, तो हर किसी के मन में यह सवाल जरूर उठता है कि आखिर इंसानों द्वारा बनाया गया सबसे पहला पुल कहां होगा? इस सवाल का जवाब छुपा है मध्य पूर्व के देश इराक के रेगिस्तानी इलाके में। आधुनिक इराक के बगदाद और बसरा शहर के ठीक बीचो-बीच गिरसू नाम का एक प्राचीन शहर बसा हुआ है। लगभग 5,000 साल पुराना यह शहर सुमेरियन सभ्यता की राजधानी हुआ करता था। इसी पौराणिक शहर की पुरातात्विक खुदाई में पकी हुई लाल ईंटों से बना एक ऐसा ढांचा मिला है, जिसे आधुनिक विज्ञान और इतिहासकार दुनिया का सबसे पुराना पुल मानते हैं। इसका इतिहास करीब 4,000 साल पुराना है। इंसानी इंजीनियरिंग की इस अद्भुत मिसाल की कहानी जितनी हैरान करने वाली है, उतनी ही दर्दनाक भी रही है। इस ऐतिहासिक शहर की पहली खुदाई साल 1877 में फ्रांसीसी पुरातत्वविदों की एक टीम ने शुरू की थी।

100 सालों तक बदहाली की हालत में था यह अनमोल पुल

अफसोस की बात यह रही कि 1920 में खोजे जाने के बावजूद इस अनमोल पुल को करीब 100 सालों तक खुले आसमान के नीचे बेदरो-बदली हालत में छोड़ दिया गया। आज आधुनिक दौर में इस प्राचीन गिरसू शहर को अरबी भाषा में तिल्लो कहा जाता है। लंबे अरसे से लावारिस पड़े इस 4,000 साल पुराने पुल को बचाने के लिए कुछ साल पहले बड़ी वैश्विक पहल शुरू हुई। ब्रिटिश म्यूजियम, यूके सरकार की आर्थिक मदद से इस ऐतिहासिक जगह को बचाने का काम कर रहा है। इस प्रोजेक्ट के तहत इराकी पुरातत्वविदों को सांस्कृतिक धरोहरों को सहेजने और ऐतिहासिक इमारतों को नया जीवन देने की स्पेशल ट्रेनिंग दी जा रही है।

लद्दाखी बालान गाय का छाछ है सबसे महंगा, बिकता है घी के भाव

नई दिल्ली। यूपी-राजस्थान-हरियाणा, एमपी-बिहार और गुजरात में किसान साहीवाल, गिर और राठी जैसे कई दुधारू नस्ल की गाय पालते हैं। देश के बाकी राज्यों की तरह लद्दाख में 'लद्दाखी बालान' को लोग पालते हैं। यह गाय की स्थानीय नस्ल है। यह गाय माइनस 20 डिग्री तक सर्वाइव करती है। इसका घी 2500 रुपये प्रति किलो तक बिकता है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इस गाय के छाछ से एक ऐसी चीज बनाई जाती है जो 1200 से 1500 रुपए प्रति किलो बिकती है। इस पनीर को दुनिया का सबसे हार्ड पनीर माना जाता है। लद्दाख में गाय पालना आसान नहीं है। करीब 17 हजार फीट की ऊंचाई-बर्फबारी, कम ऑक्सीजन और खराब मौसम लेकिन प्रकृति के बीच यहां के लोग हिमालयी गाय पालते हैं। इस गाय के दूध से 'छुर्पे' नाम की पनीर बनती है। यह दुनिया की सबसे सख्त पनीर मानी जाती है। इस गाय के दूध से ऐसा दुर्लभ घी बनता है जो ताकत का अनूठा खजाना है। लद्दाख के युवा व्यवसायी लोटस ग्याल्त्सन लद्दाख के खारू में मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट लगाए हुए हैं। घी-बटर बनाते हैं।

बंदर को बेटे की तरह पाला, पूरी संपत्ति कर दी थी नाम



पूरी संपत्ति की वसीयत तैयार की थी : चुनमुन की जब मौत हो गई, तो महिला ने अपने घर में उसका मंदिर बनवा दिया। मंदिर में राम-लक्ष्मण और सीता के साथ बंदर की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा की गई. इस मौके पर भंडारा भी कराया गया था। इस कहानी का सबसे खास हिस्सा कपल का वह फैसला था, जो उन्होंने अपनी संपत्ति को लेकर लिया। जिन रिश्तेदारों ने मुश्किल वक्त में उनका साथ नहीं दिया, उनसे अलग उन्होंने चुनमुन को अपना सबसे करीबी माना। बताया जाता है कि राजेश और शबिस्ता ने अपनी पूरी संपत्ति चुनमुन के नाम करने की वसीयत तैयार की थी।

नई दिल्ली। आपने बहुत से बंदरों के बारे में सुना होगा. बंदरों को अक्सर पेड़ों पर उछलते-कूदते या लोगों के आसपास घूमते देखा जाता है।

लेकिन, आज हम आपको एक ऐसे बंदर के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसकी जिंदगी किसी आम बंदर से बिल्कुल अलग थी। यूपी के रायबरेली के रहने वाले राजेश श्रीवास्तव हिंदू थे, जबकि शबिस्ता मुस्लिम थीं. दोनों ने धर्म की दीवारें तोड़कर शादी की, लेकिन इसके बाद समाज और उनके अपने परिवारों ने उन्हें अपनाने से इनकार कर दिया। सामाजिक बहिष्कार के चलते यह कपल कई सालों तक अकेलेपन का सामना करता रहा। इसी तन्हाई को दूर करने के लिए साल 2005 में उनकी जिंदगी में 'चुनमुन'की एंट्री हुई।बताया जाता है कि राजेश और शबिस्ता ने चुनमुन को साल 2005 में करीब 500 रुपए में खरीदा था। उसकी मां की बिजली का झटका लगने से मौत हो चुकी थी। मां के बिना वह छोटा बंदर अकेला था। कपल ने उसे अपने पास रख लिया और धीरे-धीरे उससे उनका लगाव बढ़ता चला गया। राजेश और शबिस्ता ने चुनमुन को कभी सिर्फ पालतू जानवर की तरह नहीं देखा। दोनों उसे अपने बेटे की तरह पालने लगे। उसकी हर जरूरत का ख्याल रखा जाता था और घर में उसके लिए अलग इंतजाम किए गए थे।





अनूठी परंपरा खतरनाक मगरमच्छों के साथ पूरी तरह से मेल-मिलाप और सद्भाव से रहते हैं

अनोखा तालाब; सौ से ज्यादा मगरमच्छ फिर भी बेखौफ नहाते हैं लोग

औगाडौगू। दुनियाभर में ऐसी कई अद्भुत और रहस्यमयी जगहें हैं, जो इंसानों और जानवरों के बीच के अनोखे रिश्ते को बयां करती हैं। इनमें से कुछ जगहें हर किसी को हैरान कर देती हैं। ऐसी ही एक जगह अफ्रीकी देश बुरकीना फासो की राजधानी औगाडौगू से लगभग 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बाजोले गांव है, जो एक विशाल झील के किनारे बसा हुआ है। यहां की परंपरा पूरी दुनिया में बिल्कुल अनूठी है। आपको जानकर ताज्जुब होगा कि इस गांव में पिछले कई पीढ़ियों से स्थानीय निवासी सौ से अधिक खतरनाक मगरमच्छों के साथ पूरी तरह से मेल-मिलाप और सद्भाव के साथ रह रहे हैं। ये लोग मगरमच्छों से भरे तालाब में बेखौफ होकर नहाते हैं, घरेलू काम करते हैं, लेकिन मगरमच्छ इन्हें चोट नहीं पहुंचाते और ना ही शिकार करने की कोशिश करते हैं। बाजोले के ये मगरमच्छ बड़े और अधिक आक्रामक माने जाने वाले नील नदी के मगरमच्छों की फैमिली से हैं।

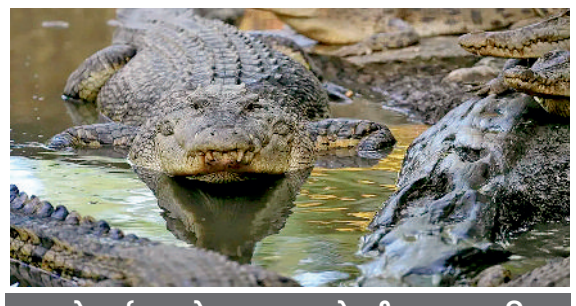

बदलते पर्यावरण के साथ खुद को पूरी तरह ढाल लिया

इन्हें पश्चिमी अफ्रीकी मगरमच्छ या मरुस्थलीय मगरमच्छ के रूप में भी जाना जाता है, क्योंकि ये मुख्य रूप से जंगली क्षेत्रों और खुले आवासों में पाए जाते हैं। इन मगरमच्छों या यूं कहें कि उनके पूर्वजों ने उत्तरी अफ्रीका के बदलते पर्यावरण के साथ खुद को पूरी तरह ढाल लिया है। आज से लगभग 10,000 साल पहले जहां हरी-भरी सवाना और घास के मैदान हुआ करते थे, वे आज गर्म और शुष्क सहारा रेगिस्तान में बदल चुके हैं, लेकिन इन जीवों ने हर स्थिति में खुद को जीवित रखा है। नील नदी के मगरमच्छ जहां रहने के लिए बड़ी मौसमी नदियों को पसंद करते हैं, तो पश्चिमी अफ्रीका के मगरमच्छ मुख्य रूप से जंगलों के भीतर स्थित लैगून और आर्द्रभूमि को अधिक पसंद करते हैं।

मगरमच्छों का करते हैं आदर

पश्चिमी अफ्रीकी मगरमच्छ नील नदी के मगरमच्छों की तुलना में काफी कम आक्रामक होते हैं और आम तौर पर इंसानों पर हमला नहीं करते हैं। बाजोले की तरह ही पूरे पश्चिमी अफ्रीका में कई ऐसे समुदाय हैं, जो इन मगरमच्छों के बेहद करीब रहते हैं। यहां तक कि उनसे डरने के बजाय उनका आदर करते हैं तथा उन्हें किसी भी प्रकार के नुकसान से बचाते हैं। बाजले के लोगों का अटूट विश्वास है कि ये मगरमच्छ बारिश के साथ आसमान से उतरे थे और यदि ये मगरमच्छ यहां से गायब हो गए, तो तालाब का पानी भी हमेशा के लिए सूख जाएगा। पवित्र मगरमच्छों की ऐसी ही अद्भुत बस्तियां मध्य-पश्चिमी बुरकीना फासो के साबो शहर में भी देखने को मिलती हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com